रजिस्ट्री सं० डी० 222 REGISTERED No. D. 222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 7, 1970/कार्तिक 16, 1892
No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 7, 1970/KARTIKA 16, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गए विधिक आदेश और अधिसूचनाएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

CABINET SECRETARIAT

(Department of Statistics)

New Delhi, the 14th October 1970

S.O. 3554.—The Central Government hereby directs, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Collection of Statistics Act, 1953 (32 of 1953), that statistics shall be collected relating to all matters relating to Coal mines, and further appoints, in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, the Coal Controller, Government of India, to be the Statistics Authority for the purpose of collecting statistics relating to the matters above referred to.

[No. 16/10/69-Estt. II.]

J. P. VAISH, Under Secy.

मन्त्रिमंडल सचिवालय

(सांख्यिकी विभाग)

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1970

एस० ओ० 3554.—सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम, 1953 (1953 का 32) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि कोयले के खानों से सम्बद्ध सभी मामलों के बारे में आकड़े एकत्र किये जायेंगे और उक्त अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इसके आगे भारत सरकार कोयला नियंत्रक की नियुक्ति करती है जो उपर्युक्त सदर्भ के मामलों में आकड़े एकत्र करने के लिये आकड़ा प्राधिकारी होगा ।

[संख्या 16/10/69-संस्थापन II]

जे० पी० वैश्य, अवर सचिव ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 22nd October 1970

S.O. 3555.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Cost Accounts Pool (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1961, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Cost Accounts Pool (Recruitment and Conditions of Service) Amendment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Cost Accounts Pool (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1961 (hereinafter referred to as the said rules), after rule 9, the following rule shall be inserted, namely:—

"9-A *Power to relax.*—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by orders, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons/post."

3. In the Schedules to the said rules—

(1) in Schedule I—

(i) in the first table—

(a) Under the second column "Scale of pay", against the first item "Chief Cost Accounts Officer", for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Rs. 2500—125/2—2750"

(b) after the first item "Chief Cost Accounts Officer" and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"Deputy Chief Cost Accounts Officer Rs. 1600—100—2000 Class I";

(ii) for the second table, the following table shall be substituted, namely:—

"Grades and the No. of posts in each grade.

Grade	*Permanent*	*Temporary*	*Total*
Chief Cost Accounts Officer	1	..	1
Dy. Chief Cost Accounts Officer	..	1	1
Senior Cost Accounts Officers]	3	4	7
Cost Accounts Officers	13	12	25
Assistant Cost Accounts Officers	13	14	27
Cost Accountants	26	6	32";

(2) In Schedule II—

(i) In paragraph (1) after the item "(1) Chief Cost Accounts Officer" and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"(1.A) Deputy Chief Cost Accounts Officer — By promotion from Senior Cost Accounts Officers";

(ii) for paragraphs 4 and 5 relating to "Disqualifications" the following paragraph shall be substituted, namely:—

"4. *Disqualifications*:—

No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with person, shall be eligible for appointment to the Pool:

provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.";

(3) in Schedule III, under the paragraph

"2. *Qualifications for appointment by promotion*",—items (1) to (3) shall be re-numbered respectively as items (2) to (4) and before item (2) as so renumbered, the following item shall be inserted, namely:—

"(1) Deputy Chief Cost Accounts Officer — Five Years' service as Senior Cost Accounts Officer".

[No. F. 2(23)-E.I(A)/69.]

S. P. SIKKA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1970

एस० ओ० 3555—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा केन्द्रीय लागत लेखा पूल (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1961, में और आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम केन्द्रीय लागत लेखा पूल (भर्ती और सेवा की शर्तें) संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय लागत लेखा पूल (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 9 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"9—क शिथिल करने की शक्ति—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किये जाएंगे, और आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा व्यक्तियों।पद के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबंधों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।"

3. उक्त नियमों की अनुसूची में—

(1) अनुसूची 1 में—

(2) प्रथम सारणी में—

(क) द्वितीय स्तंभ "वेतनमान" के नीचे, प्रथम "मद मुख्य लागत लेखा अधिकारी" के सामने वाली प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

"2500–125/2–2750"

(ख) प्रथम मद "मुख्य लागत लेखा अधिकारी" और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा; अर्थात् :—

"उप मुख्य लागत लेखा अधिकारी 1600–100–2000 रु० वर्ग।"

(ii) द्वितीय सारणी के स्थान पर, निम्नलिखित सारणी प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

ग्रेड और प्रत्येक ग्रेड में पदों की संख्या

ग्रेड	स्थाई	अस्थाई	योग
मुख्य लागत लेखा अधिकारी . . .	1	—	1
उपमुख्य लागत लेखा अधिकारी . .	—	1	1
ज्येष्ठ लागत लेखा अधिकारी . .	3	4	7
लागत लेखा अधिकारी . . .	13	12	25
सहायक लागत लेखा अधिकारी . .	13	14	27
लागत लेखापाल . . .	26	6	32;"

(2) अनुसूची 2 में—

(i) पैरा (1) में मद "(1) मुख्य लागत लेखा अधिकारी" और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जायेगा; अर्थात् :—

"(1-क) उपमुख्य लागत लेखा अधिकारी ज्येष्ठ लागत लेखा अधिकारियों से प्रोन्नति द्वारा ;"

(ii) "निरर्हताएं" से संबंधित पैरा 4 और 5 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा; अर्थात्:—

"4. **निरर्हताएं**:—

वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

पूल में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी :"

(3) अनुसूची 3 में, "2 प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिये अर्हताएं" पैरा के नीचे। से 3 तक की मदें क्रमशः 2 से 4 तक की मदों के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएंगी और इस प्रकार पुनः संख्यांकित मद (2) से पूर्व निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(1) उप मुख्य लागत लेखा अधिकारी	ज्येष्ठ लागत लेखा अधिकारी के रूप में पांच वर्ष की सेवा।"

[स० एफ० 2 (23)-ई 1 (ए) /69]

एस० पी० सिक्का, अवर सचिव।

(Department of Banking)

New Delhi, the 23rd October 1970

S.O. 3555 —Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, as on the 16th October 1970

BANKING DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	30 43,02 000
		Rupee Coin	4 02 000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Coin . . .	5 99 000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	172,00,00,000	Bills Purchased and Discounted —	
		(*a*) Internal . . .	..
		(*b*) External .	..
		(*c*) Government Treasury Bills	39 70 2 ,00
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund .	37,00,00,000	Balances Held Abroad*	114 54 92 000
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	95,00,00 000	Investments**	87,94,50 000
		Loans and Advances to :—	
		(*i*) Central Government	..
		(*ii*) State Governments @ .	179,20,40 000
Deposits :—		Loans and Advances to :—	
		(*i*) Scheduled Commercial Banks†	173 48,42 000
		(*ii*) State Co-operative Banks††	262 34 75,000
(*a*) Government :—		(*iii*) Others	4 26 60,000
(*i*) Central Government	149 77 26,000		

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
		Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund—	
(*ii*) State Governments .	4,42,95,000	(*a*) Loans and Advances to :—	
		(*i*) State Governments	34,41,75,000
		(*ii*) State Co-operative Banks . . .	21,74,45,000
		(*iii*) Central Land Mortgage Banks	..
(*b*) Banks—		(*b*) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	9,57,02,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund—	
(*i*) Scheduled Commercial Banks .	200 93,99,000		
(*ii*) Scheduled State Co-operative Banks	7 90 43 000	Loans and Advances to State Co-operative Banks .	5,03,14,000
(*iii*) Non-Scheduled State Co-operative Banks	81 02 000		
(*n*) Other Banks . . .	27,01,000	Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund—	
(*c*) Others . .	130,69 58,000	(*a*) Loans and Advances to the Development Bank	26,26,71,000
		(*b*) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
Bills payable	24 86,89,000		
Other Liabilities	42,96,35,000	Other Assets	31,59,54,000
Rupees	1021 65 48 000	Rupees	1021,65,48,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary over-drafts to State Governments.

†Includes Rs. 63 38,75,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 21st day of October 1970.

An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 16th day of October, 1970.

ISSUE DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	30,43,02,000		Gold Coin and Bullion :—		
			(a) Held in India	182,53,11,000	
Notes in circulation	3956,90,88,000		(b) Held outside India	..	
Total Notes issued		3987,33,90,000	Foreign Securities	361,42,00,000	
			TOTAL		543,95,11,000
			Rupee Coin		61,05,30,000
			Government of India Rupee Securities		3382,33,49,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
TOTAL LIABILITIES		3987,33,90,000	TOTAL ASSETS		3987,33,90,000

Dated the 21st day of October, 1970.

(Sd.) S. JAGANNATHAN
Governor.

[No. F. 3 (3)-BC/70.]

K. YESURATNAM, Under Secy

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1970

एस० ओ० 3556.—16 अक्तूबर, 1970 को रिजर्व बैंक आफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण ।

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
चुकता पूंजी . . .	5,00,00,000	नोट . . .	30,43,02,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का . . .	4,02,000
		छोटा सिक्का . .	5,99,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		खरीदे और भुनाये गये बिल:—	
(दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि . . .	172,00,00,000		
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी	..
(स्थिरीकरण) निधि . . .	37,00,00,000	(ख) विदेशी	..
		(ग) सरकारी खजाना बिल . .	39 70,25,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण		विदेशों में रखा हुआ बकाया* . . .	114,54,92,000
(दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि . . .	95,00,00,000	निवेश** . . .	87,94,50,000
जमा-राशियां :—		ऋण और अग्रिम :—	
(क) सरकारी		(i) केन्द्रीय सरकार को . . .	..
(i) केन्द्रीय सरकार . . .	149,77,26,000	(ii) राज्य सरकारों को@ . .	179,20,40,000
(ii) राज्य सरकारें . . .	4,42,95,000		
		ऋण और अग्रिम :—	
(ख) बैंक		(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को† . .	173,48,42,000
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक . .	200,93 99,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को†† . .	263,34,75,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक , .	7,90,43,000	(iii) दूसरों को . .	4,26,60,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	

		(क) ऋण और अग्रिम :–	
(iii) गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक .	81,02,000	(i) राज्य सरकारों को . . .	34,41,75,000
(iv) अन्य बैंक . . .	27,01,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को . .	21,74,45,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को . .	. .
(ग) अन्य	130,69,58,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	9,57,02,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
देय बिल . . .	24,86,89,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम .	5,03,14,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश :–	
अन्य देयताएं	42,96,35,000	(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम .	26,26,71,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किए गए बांडों/डिबेंचरों में निवेश	. .
		अन्य आस्तियां . . .	31,59,54,000
रुपये	1021,65,48,000	रुपये	1021,65,48,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं ।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किए गए निवेश शामिल नहीं हैं ।

@ राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों के अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं ।

†रिजर्व बैंक आफ इण्डिया अधिनियम की धारा 17(4) (ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मियादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 63,38,75,000 रुपये शामिल हैं ।

††राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं ।

तारीख : 21 अक्तूबर, 1970 ।

रिजर्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अक्तूबर, 1970 की 16 तारीख को समाप्त हुए सप्ताह के लिये लेखा

इशू विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	30,43,02,000		सोने का सिक्का और बुलियन:—		
संचलन में नोट	3956,90,88,000		(क) भारत में रखा हुआ	182,53,11,000	
			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ . .		
			विदेशी प्रतिभूतियां	361,42,00,000	
जारी किए गए कुल नोट		3987,33,90,000			
			जोड़ . .		543,95,11,000
			रुपये का सिक्का . .		61,05,30,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां . .		3382,33,49,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र . .		..
कुल देयताएं . .		3987,33,90,000	कुल आस्तियां .		3987,33,90,000

तारीख 21 अक्तूबर, 1970।

एस० जगन्नाथन,
गवर्नर ।

[सं० फ० 3 (3)—बी० सी०/70]

के० वेसूरत्नम, अनु-सचिव ।

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE, PATNA

CENTRAL EXCISE

Patna, the 6th February 1970

S.O. 3557.—In exercise of the powers conferred upon me under Rules 15 and 16 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of this Office Notifications No. 1-Tob/69 dated 8th April 1969 and No. 2-Tob/69 dated 17th April 1969 I hereby notify that no declaration will be necessary by an individual grower under Rule 15 of the said Rules in respect of unmanufactured tobacco grown in areas, as specified in the sub-joined Schedule, not exceeding a *ares*. It is also notified that in the areas, as specified in the sub-joined Schedule, no declaration will be required under Rule 16 *ibid* in respect of the individual grower-*cum*-curer curing unmanufactured tobacco *not exceeding* 60 *Kgs. net.*

SCHEDULE

Sl. No.	Name of revenue district	Area declared exempted under Rules 15 & 16	Villages falling under the areas specified under column 3 but not entitled to the exemptions under Rules 15 & 16	Remarks
1	2	3	4	5
		Samastipur Circle.		*Purnea Division.*
1	Darbhanga . .	1. Rosera P. S.		Under Samastipur M.O.R.
		2. Singhia P. S.		Do.
		3. Bibhutipur New P.S.	1. Kerai 2. Ganguly 3. Jhawa Tabhaka 4. Chakheli 5. Mustafapur 6. Pandtitol Tabhaka 7. Kalyanpur 8. Mehasi 9. Mohammadpur Sakra 10. Khok Saha 11. Bir Sahiya 12. Manda 13. Chak Mohan	Under Dalsingsarai M.O.R.
2	Monghyr . .	Teghra P. S.	1. Gorahara 2. Farhwa 3. Bhadiha 4. Madhopur 5. Barauni 6. Gurdaspur 7. Dwarkapur 8. Kastoli 9. Gheori 10. Manapur	Under Bachwara Range
		1. Begusarai P. S. 2. Bakhari P. S. 3. Ballia P. S. 4. Cheria Bariarpur P. S. 5. Khagaria P. S. 6. Allauli P. S. 7. Beldaw P. S.		Under Khagaria Range

1	2	3	4	5
		Laheriasarai Circle		
1	Darbhanga . .	Khajauli P. S.	1. Khajauli 2. Inarwa 3. Alurahi 4. Marad 5. Gobaraira 6. Bardapur 7. Maniarwa	Under Khajauli Range
		Babubarhi P. S.	1. Marhadahi 2. Misraulia 3. Khoir 4. Bhupatti 5. Kurrupatti 6. Ramnipatti 7. Balrajpur 8. Manahi 9. Barahara 10. Bardahi	Do.
2	Darbhanga . .	1. Manigachi P. S.	1. Raja Kharwar 2. Deona 3. Kathara	Under Sakri Range
		2. Bahera P. S.	1. Bhagwatpur 2. Antaul 3. Nande Rampur 4. Basauli	Do.
		3. Beraul P. S.	1. Deokali 2. Dhani 3. Anhari 4. Amma 5. Birarpur 6. Mirjapur 7. Senar 8. Bhikhnaulia 9. Mandega	Do.
		4. Baheri P. S.	1. Baburi 2. Samadhpura	Do.
		1. Warisnagar P. S.	..	Under Kishampur M.O R.
		1. Kalyanpur P. S.	..	Under Kalyanpur M.O.R.
		1. Darbhanga	1. Uchauli 2. Garhari 3. Ukhana 4. Dali 5. Poria 6. Hayaghat 7. Saidpur 8. Ferani 9. Rampur 10. Rupouli 11. Peraul 12. Bishail 13. Hanuman Nagar 14. Fulwaria	Under Darbhanga Range.
		2. Laheriasarai P. S.		Do.
		3. Jalley P. S.		Do.
		1. Jaynagar P. S.	1. Dholitol 2. Kamhahari 3. Chharapatti 4. Fulkaho 5. Bella 6. Betaunha 7. Saharia	Under Jaynagar Range.

1	2	3	4	5
		1. Jaynagar P.S.	8. Porbharitola 9. Goriari 10. Ramna 11. Perwa 12. Piparatola 13. Jogia 14. Arrahoy 15. Hatletwa 16. Belhi Purbaritol	Under Jaynagar Range.
		1. Ladania P. S. 2. Madhawapur P. S. 3. Harlakhi P. S. 4. Laukhaha P. S.		Do.
		1. Madhepur P. S.	..	Under Madhepur Range.
		Area under direct charge of integrated Dvn., Purnea		
1	Saharsa	1. Madhepura P. S. 2. Saharsa P. S.	..	Under Saharsa Range
		3. Bangaon P. S. 4. Gour Bazar P. S.	1. Kachara 2. Sirdhi 3. Supal	
		5. Supaul P. S. 6. Raghopur P. S, 7. Kishanpur P.S. 8. Bhimnagar P. S. 9. Singheswar P. S.	1. Uajela 2. Paroy 3. Gonupara 4. Tegaha 5. Gidha 6. Durgoan	Do.
		10. Bakhatiyarpur P.S.	1. Tilahi 2. Paharpur	Do.
		11. Sonbarsa Raj P.S.	1. Sheopur Basa 2. Ajraur Basa 3. Khutha 4 Saha 5. Buth Mushari 6. Pachari 7. Sahpur	Do.
		12. Tribeniganj P.S. 13. Birnmukh P.S. 14. Chatapur P. S.	..	Under Murliganj Range.
2	Bhagalpur	1. Naugachia P. S.	1. Muralpur 2. Chandrain 3. Dholbazza 4. Vijoy 5. Kadawa	Under Naugachia Range.
		2. Gopalpur P. S.	1. Terasi 2. Bhamerpur 3. Itahari	Do.
		3. Bihpur	..	Do.
		4. Alamganj	..	Do.
3	Purnea	1. Barari P. S.	1. Jagdishpur 2. Laxmipur 3. Magheli	Under Karhagola M.O.R.
		2. Udai Kishanganj P.S. 3. Azamnagar P. S.	..	Under Barhara Range
		4. Dhamdaha P. S	1. Fulkaha 2. Bidurole 3. Domertola	Under Bhawanipur M.O.R.
		5. Kohra P. S.	1. Tinakpur 2. Lalaghat 3. Dina Bazar	Under Pothia M.O.R.

1	2	3	4	5
3.	Purnea *Contd:*	5. Kohra P.S.	4. Pawai	Under Pothia M.O.R.
			5. Belgachi	
			6. Chakala	
		6. Khajanchi P. S.	..	Under Parora M.O.R.
		7. Barhara P. S.	..	Under Banmankhi M.O.R.
		8. Dhamdaha P. S.	1. Dhorhar	Do.
			2. Balootol	Do.
			3. Mogalia Poraindaha	Do.
		9. Behariganj P. S.	Murtalla	Do.
		10. Palasi P. S.	..	Under Kasba Range
		11. Baisi P. S.	..	Do
		12. Amour P. S.	..	Do.
		13. Joki P. S.	..	Do.
		14. Araria P. S.	1. Kochgawa	Under Kasba Range
			2. Khahera	
			3. Baghnagar	
			4. Ba-gava	
			5. Diyaganj	
			6. Lahatararkhara	
			7. Hawanpur	
			8. Siswana	
		15. Purnea Sadar P.S.	1. Balwa	Under Kasba and Purnea Ranges.
			2. Garhia	
			3. Belwauri	
		16. Kadawa	..	Under Katihar M.O.R.
		17. Barsoi	..	Do.
		18. Manihari	..	Do.
		19. Azamnagar	..	Do.
		20. Balrampur	..	Do.
		21. Kishanganj P.S.	1. Chagalia	Under Kishanganj Range
			2. Kashipur	
			3. Salki	
			4. Lohardag	
			5. Kalatengamari	
		22. Pothia P. S.	1. Katahalbari	Under Thakurganj & Kishanganj Ranges.
		23. Thakurganj P. S.	1. Ruidhasa	Under Thakurganj Range.
			2. Babhandangi	
			3. Ballotoli	
			4. Telivitta	
		24. Dighalbank P.S.	..	Under Gangi Range & Powakhali M.O.R.
		25. Teragachi P. S.	..	Under Powakhali M.O.R.
		26. Forbesganj P. S.	1. Doria	Under Forbesganj Range.
			2. Jhirwa	
			3. Manikpur	
			4. Bardaha	
		27. Narpatganj P. S.	5. Dumaria	Do.
		28. Sikti P. S.	..	Do.
1	Ranchi	The whole of the district.	..	Under Ranchi Division.
2	Hazaribagh	Do.	..	Do.
3	Dhanbad	Do.	..	Do
4	Gaya	Do.	..	Do.
5	Palamau	Do.	..	Do.
6	Shahabad	Do.	Village Lakhnow Sarai in Sasaram Range.	Do.
7	Singhbhum	Do.	..	Under the Jurisdiction of Asstt. Collector, Jamshedpur.

Muzaffarpur Integrated Division

Sl. No.	Name of Revenue District	Area declared exempted under Rules 15 & 16	Villages falling under the areas specified under column 3 and entitled to the exemptions under Rules 15 & 16	Remarks
1	2	3	4	5
1	Muzaffarpur . .	1. Sonbarsa P. S.	All villages within the P.S.	Under Sitamarhi-I Range.
		2. Sursand P. S.	Do.	Do.
		3. Sitamarhi P. S.	Do.	Do.
		4. Belsand P. S.	Do.	Do.
		5. Pupri P. S.	Do.	Do.
		6. Bela P. S.	1. Bayanauahi	Do.
			2. Lahuria	Do.
			3. Banswara	Do.
			4. Ekdandri	Do.
			5. Masaha	Do.
			6. Betaha	Do.
			7. Kairwa	Do.
			8. Pairha	Do.
			9. Jaledih	Do.
			10. Siswa	Do.
			11. Parsa	Do.
			12. Endeva	Do.
		7. Runisaidpur P. S.	1. Sultanpur	Do.
			2. Madhopur	Do.
		8. Katra P. S.	1. Aurie	Do.
			2. Deokuli	Do.
			3. Rajkhand	Do.
		9. Bargania P. S.	Masahan	Do.
		10. Sheohar P. S.	1. Piprahi	Do.
			2. Belwa	Do.
			3. Madhopur	Do.
			4. Shahbajpur	Do.
			5. Kamrauli	Do.
		11. Majorganj P. S.	Whole of the P. S. All villages within the P. S.	Do.
		1. Saraiya P. S.	1. Rajurapur	Under Saraiya Isolated Range.
			2. Sugalpur	
			3. Neora Shah	Do.
			4. Madhepur	Do.
			5. Ghoghrah	Do.
			6. Sheopur	Do.
			7. Atrauli	Do.
			8. Daura Jagarnath	Do.
			9. Mangauli	Do.
			10. Dokra Gopinath	Do.
			11. Kauli	Do.
			12. Aima	Do.
			13. Saraiya	Do.
			14. Pavalia	Do.
			15. Paighamberpur	Do.
			16. Narainpur	Do.
			17. Chhitri	Do.
			18. Rahutolia	Do.
			19. Pokharia	Do.
			20. Hapur	Do.
			21. Shyama	Do.
			22. Sheori Gopinath	Do.
			23. Basudeopatti	Do.

1	2	3	4	5
Muzaffarpur		1. Saraiya P.S.	24. Ibrahimpur	Under Saraiya Isolated Range
			25. Basu Kumar	Do.
			26. K. Kolua	Do.
			27. Abuchak	Do.
			28. Manikpur	Do.
			29. Mohammdpur Baya	Do.
			30. Bajadih	Do.
			31. Paharpur	Do.
			32. Jalalpur-Dayal	Do.
			33. B. Pandey Tola	Do.
			34. Anamelpur	Do.
			35. Pipra	Do.
			36. Bisarpatti	Do.
			37. Harpur Bias	Do.
			38. Chakia	Do.
			39. Manikpur	Do.
			40. Marwapur	Do.
			41. Kuldip Chapra	Do.
			42. Kailapatti	Do.
			43. Bhagwanpur	Do.
			44. Bikbojanpur	Do.
			45. Azizpur	Do.
			46. Gangolia-Balitmora	Do.
			47. Anantpur Gangolia	Do.
			48. Gorawan	Do.
			49. Kuian	Do.
			50. Ropura	Do.
			51. Rasulpur	Do.
			52. Mohammadpur-Jamil	Do.
			53. Gijas	Do.
		2. Paroo P. S.	1. Hariharpur	Do.
			2. Jamuna	Do.
			3. Ramchandrapur	Do.
			4. Gariba	Do.
			5. K. Jagir	Do.
			6. Neknampur	Do.
			7. Konopur	Do.
			8. B. Patti	Do.
			9. Palirhi	Do.
			10. Simara	Do.
			11. Damodarpur	Do.
			12. Bajidpur	Do.
			13. Gosaitola	Do.
			14. Dauria	Do.
			15. Rupnarainpur	Do.
			16. Mohabbatpur	Do.
			17. Dubauli	Do.
			18. Mohazama	Do.
			19. Thaipur	Do.
		1. Sakra P. S.	1. Bakhri	Under Simra I/R.
			2. Jarangi	
			3. Balahia	
			4. Sakriman	
			5. Hatha	
			6. Loharkha	
			7. Neen Phara	
			8. Banerpur	
			9. Panchrukhi	
			10. Mohanpur	
		2. Katra P. S.*	1. Brahmotra	Do.
			2. Ladi	*The whole of the Katra PS stands exempted but specified villages of
			3. Berua	
			4. Ramnagar	
			5. Pagadih	
			6. Paga Laxmi	

1	2	3	4	5
Muzaffarpur		2. Katra P.S.*	7. Laxman Nagar 8. Bansghatta 9. Khajura 10. Tak	this P.S. falling under Simra Range are shown here.
		1. Muzaffarpur Sadar P.S.	1. Shahbajpur 2. Raghopur	7 Under Muzaffarpur M.O.R.
		2. Kanti P. S.	1. Gagapur 2. Namlapur 3. Kankaria 4. Jhakhara 5. Dwarikanathpur 6. Panch Pakari	
		3. Minapur P. S.	Harka	Do.
		4. Baruraj P. S.	Paroha	Do.
		1. Patepur P. S.	Rupanpatti	Under Patepur M.O.R.
		1. Mahua P. S.	1. Bahadurpur 2. Manpura 3. Mohanpur 4. Barewa 5. Berra 6. Sheikhpura 7. Mustafapur 8. Harra 9. Maibra 10. Katapara 11. Halaiya 12. Dullapur 13. Majirapad 14. Lodipur 15. Rajkhand 16. Khokhra 17. Jitkahi 18. Laxminarainpur 19. Piroi 20. Rasulpur 21. Hasan 22. Madhurapur 23. Prem Raj 24. Chandpura 25. Rasulpur 26. Karigaon 27. Mullickpur 28. Chitrauli 29. Narainpur-Bidaul 30. Inajatnagar 31. Bhataulia 32. Chakia 33. Chainpur 34. Goroul 35. Hissar 36. Benipatti 37. Pirapur 38. Babhantoli 39. Bikhanpur 40. Makdumpur 41. Bahadurpur Gorhia 42. Katarmala 43. Belwar 44. Ghejaul 45. Mohammadpur 46. Islampur 47. Bathna 48. Rupmanjari 49. Bajidpur-Husaina	Under Goraul M.O.R.

1	2	3	4	5
	Muzaffarpur	1. Mahua P.S.	50. Adampur 51. Bojha 52. S. Mubarak 53. S. Basudeo 54. S. Dulla 55. S. Rathi 56. S. Dih 57. Ramdeopur 58. Sauja 59. S. Fuljarbagh 60. Chak Duri 61. S. Fatehpur 62. P. Garigwa 63. S. Kaltoli 64. Majia 65. Ismailpur 66. C. Kala. 67. C. Khurd	Under Gorauł M.O.R.
		2. Kurhani P. S.	1. Bellur 2. Rajla 3. Akh-Kamtaul 4. M. Kamtaul 5. G. Kamtaul 6. Dhori 7. Jamin 8. Phakuli 9. Kasrama 10. Chakbir	Do.
2	Motihari	1. Motihari Mufassil P. S.	1. Madhubani Ghat 2. Islampur 3. Charahia 4. Jhakhra 5. Mudachak 6. Sinagpur 7. Dhekaha 8. Kataha 9. Rupdih 10. Majuraha 11. Thaigatira 12. Tikulia 13. Huraj	Under Motiha ł I/R
		2. Turkaulia P. S.	1. Haidia 2. Tikata 3. Govindpur 4. Aujma 5. Siswa 6. Ajgari 7. Khairi 8. Siswania 9. Raghunathpur 10. Jaisingpur 11. Lachumanwa 12. Amma Baiwatilla 13. Mathurapur 14. Kishunpur 15. Chaigaha 16. Jagirha 17. Ahirma 18. Mathna 19. Turkulia 20. Parsurampur 21. Shankar Sariya 22. Belwa Bijulpur	Under Motihari I/Range.

1	2	3	4	5
Motihari	2. Turkaulia P.S.		23. Kawalpur 24. Parsuna 25. Balganga 26. Laxmipur 27. Piparia 28. Majhar 29. Natwa	Under Motihari I/Range
	3. Dhaka P. S.		All villages within the P.S.	Do.
	4. Govindganj P. S.		Do.	"
	5. Patahi P. S.		Do.	"
	6. Harsidih P. S.		1. Sareswa 2. Barharwa 3. Rajapur 4. Kotwa 5. Pakadiah 6. Bhawaha 7. Ujjain Singh 8. Sonbarsa 9. Banbhluli 10. Baktatola 11. Ram Nagar 12. Rupdih 13. Manikpur 14. Misritola 15. Ahirgama 16. Fatuha 17. Matatola 18. Olhan 19. Nawada 20. Barmaswa 21. Rampurwa 22. Ram Chapra 23. Giradhar 24. Govindpur 25. Pakaria P. 26. Bankat 27. Pataha 28. Mairwa Bhar 29. Naula 30. Persunni 31. Gadian 32. Bishunpur 33. Lokhan	
	7. Madhuban P. S.		1. Saraiya Madhuban 2. Talimpur 3. Bajidpur 4. Bahuara 5. Lohargama 6. Mohabbat 7. Mohamada 8. Domodarpur 9. Gharfari Chak 10. Mahsi 11. Bathna 12. Birjee 13. Rajwa Bakri 14. Chak Lohram 15. Nazir Baxi 16. Chak 17. Garbia 18. Khairwa 19. Khordanpur 20. Sirauli	

1	2	3	4	5
Motihari	7. Madhuban P.S.		21. Gheghwa 22. Dhobinia 23. Khajraha 24. Mare 25. Hardia 26. Jugalia 27. Lalladpur 28. Kotaha 29. Jitaira 30. Gulma 31. Bhelwa 32. Pakaria 33. Dih 34. Naurangia 35. Gopalpur 36. Madhopur 37. Tasagari 38. Nanghar 39. Bankey 40. Tikam 41. Pataha 42. Tajpur Bara. 43. Mithanpura 44. Bimalpur 45. Kankali 46. Amma 47. Kothia. 48. Harinam 49. Tara Pakar 50. Harpur Nadi 51. Majhaulia 52. Chauria 53. Dagraha 54. Bishanpur 55. Rajapur 56. Kunwanvrit. 57. Parsaunia 58. Kunwamal 59. Hardepath 60. Abdria 61. Majhua Malikana 62. Hanuman Nagar 63. Saraiya 64. Panapur 65. Saghari 68. Hasanpur 69. Tikam 70. Budhulia 71. Kauspakari 72. Titaria 73. Madhubanmal 74. Tajbibsarai 75. Dorwan 76. Fhulwaria 77. Madhopur 78. Madhuban Brit. 79. Dubaha 80. Kauria. 81. Banjaria 82. Krishna Nagar.	
	Pipra P. S.		1. Chakia 2. Fulwaria 3. Belwa 4. Ghanshyam-Patti 5. Rasmandal	Under Motihari I/Range.

1	2	3	4	5
	Motihari	Pipra P.S.	6. Koergama 7. Chintamanpur 8. Ramgarh 9. Ashoka Pakri 10. Bairia 11. Hasanpur 12. Narain Pakri 13. Sirisia 14. Hardiabad 15. Pipra Bazar 16. Anawa 17. Chakaria. 18. Gasipokhar 19. Baithia. 20. Naihar Pakri 21. Bhakbara 22. Baisaha 23. Imadpatti 24. Bediban 25. Sitakund 26. Jamunia 27. Tajeyapur 28. Tikulia'	Under Motihari I Range
		Kesaria P. S.	1. Pipra 2. Wajid 3. Talwar 4. Talwar Phokhar 5. Phokhra 6. Khora 7. Faltakia 8. Darwai 9. Mathia. 10. Bankat 11. Konja 12. Trilokwa 13. Ramjaswa 14. Kotharia. 15. Raghunathpur 16. Subaiya 17. Darmia 18. Sarangpur 19. Lohargama 20. Mohammadpur 21. Garendri 22. Malhai Tola 23. Khatlwa 24. Rajpur. 25. Khokhara 26. Unraha Chapra 27. Siswa Patna 28. Hajipur 29. Gariba 30. Hussain 31 Rampur Khajwa 32. Arjun Chapra 33. Jamunapur 34. Mananpur 35. Bahuara 36. Birwarpur 37. Kamal Pakri 38. Chintamanpur 39. Dhrub Pakri 40. Jagdishpur 41. Bishanpur 42. Pipra	Under Kesaria Range

1	2	3	4	5
Motihari		Kesaria P. S.	43. Dharopatti 44. Nankari 45. Bhagwanpur 46. Balmi Sirisia. 47. Kutchriya 48. Madan Sirisia 49. Puran Chapra. 50. Paran Chapra 51. Ganga Sirisia 52. Madhuchain 53. Mani Chapra 54. Sherpur 55. Bhuban Chapra 56. Bijanpur 57. Paltubelwa 58. Hasanpurwa 59. Gabhandra 60. Bansghat 61. Doopur 62. Baritha 63. Barkurwa 64. Basulwa 65. Bathna 66. Jagirhan 67. Bijdhari 68. Kushar 69. Khijirpura 70. Semapur 71. Barharwa 72. Dhangarha 73. Sarotar. 74. Lala Chapra 75. Ram Pur 76. Bairia 77. Bisanpur 78. Mathia 79. Chitaria 80. Bhopatpur 81. Belwadih 82. Jamunia 83. Dolman Chapra 84. Bitia Basant 85. Barwa Tola 86. Puraina 87. Bhagwatia 88. Chand Parsa 89. Mangalpur 90. Kalyanpur 91. Gabhinapur 92. Sam Chak 93. Bahuara 94. Kesaria.	Under Kesaria Range.
		Sahebganj P. S.	1. Himatpatti 2. Sahebganj 3. Parwalpatti 4. Ashapatti 5. Parasauni 6. Salempur 7. Nawnagar 8. Chakwa Jagdishpur 9. Bhabhi 10. Rampur Sitwahi 11. Basathpur 12. Chainpur	Do

1	2	3	4	5
	Motihari	Sahebganj P.S.	13. Rampur Bhikhampur 14. Dulargam Chainpur 15. Parasauni 16. Ahiapur 17. Bhathandhi 18. Deoghara 19. Icha Chapra 20. Imadpur 21. Pakari 22. Hashapur-Karakarna 23. Salpur 24. Madurapur 25. Jagdishpur 26. Nawadah 27. Dharhara Semara 28. Manain 29. Bangra 30. Sonut 31. Paharpur 32. Semmra Nokar 33. Semra Nizimat 34. Sheo Nagar 35. Halimpur 36. Bishanpur 37. Jita Chapra 38. Mahdegan 39. Baira 40. Gourey 41. Khori Pakar 42. Pipra Balthi 43. Banjana 44. Madhuban 45. Balthi Mahan 46. Saraiya 47. Nirpur 48. Bahora Chapra 49. Lokhana 50. Parsa 51. Gidha 52. Khursaida	Under Kesaria Range
		Katra P.S.	Whole of Katra P.S. and villages within the P.S. except villages Semara Range.	Under Dholi M.O.R.
		Bettiah Sub Dn.	Whole of Bettiah Sub-Division including the jurisdiction of Bettiah and Narkatiaganj C. E. Ranges.	Under Bettiah Narkatiaganj Ranges.
		1. Razaul P.S. 2. Adapur P.S. 3. Ghorasahan P.S.	Whole of the Police Stations, and all villages within the Police Stations.	Under Razaul M.O.R.
			PATNA DIVISION	
	Saran . . .	Basatpur P.S. .	1. Sagar Sultanpur 2. Patejhi 3. Marachhi 4. Maulnapur 5. Saharkola 6. Simmerdey 7. Basoan 8. Mura 9. Hussepur	Under Siwan Range

1	2	3	4	5
	Saran	1. Basatpur P.S.	10. Areyan Dhoomnagar 11. Nagari 12. Dhanawan 13. Usoori 14. Bansahin 15. Mohamadpur 16. Chorauli 17. Barka Gaon 18. Sibpur 19. Chanauli 20. Mathia 21. Kauria 22. Dharamraj 23. Maghari 24. Bilaspur 25. Nawatola 26. Bhikhampur 27. Sonhani 28. Rampur 29. Chakmunda 30. Bhagwachhia 31. Bankat 32. Mirhatta 33. Aruan 34. Sasaroan 35. Hilsar 36. Bhagwanpur 37. Chakravirty 38. Balaha 39. Pandit Ka Rampur 40. Khirwan 41. Ratauli 42. Junedpur 43. Rampur Kothi 44. Sahsa 45. Mora 46. Bithowna 47. Sarsain 48. Maghar 49. Nagawan 50. Barua 51. Mohamada 52. Ageyan 53. Sarhari 54. Sisain 55. Kanahauli	Under Siwan Range
		2. Gonakothi P.S.	1. Chhitauli 2. Pahlejpur 3. Bhagwata 4. Lilarow 5. Juman Chapra 6. Kalyanpur 7. Karanpura 8. Mathia	Under Siwan Range
		3. Raghunathpur .	Whole of the Police Stations and all villages within the P.S.	Do.
		4. Darauli P.S.	Do.	Do.
		5. Ekma P.S. .	Do.	Do.
		6. Mairwa P.S.	Do.	Do.
		7. Guthni P.S.	Do.	Do.
		8. Siwan P.S. .	Do.	Do.

1	2	3	4	5
	Saran	9. Barhariya P.S.	1. Mohammadpur 2. Sohawanhatta 3. Mahuaria 4. Fiziltola 5. Mira Chapra 6. Nasir Chapra 7. Surahi 8. Mananpura 9. Bahadurpur 10. Habibpur 11. Pakri Sultan 12. Brahmpur 13. Dumari 14. Hariharpur 15. Lal Garh 16. Gambharhatta 17. Kadirganj 18. Nawalpur 19. Kailgarh 20. Mirganj 21. Ausanhi 22. Kuriapur 23. Dhnoa 24. Ghanhni 25. Ohrajpur 26. Velpur 27. Narharpur 28. Muschari 29. Balsari 30. Usori 31. Almapur 32. Paharpur 33. Bhimpur 34. Gopalpur 35. Nabiganj 36. Siari 37. Dharajpur 38. Chaiti	
		10. Maharajganj P.S.	1. Bajrahiyan 2. Ratan Parauli 3. Raini 4. Deraunda 5. Ramchanrapur 6. Balbanjara 7. Khapura 8. Goenar 9. Sareyan 10. Pipra 11. Katwar 12. Ragrauli 13. Bhikhanwan 14. Dhanautta 15. Nawalpur 16. Ujjain 17. Abhain 18. Kasdewra 19. Dhobwalia 20. Pokhra 21. Gaur 22. Buzurga 23. Ratanpur 24. Sikandarpur 25. Raissaira	Under Siwan Range

1	2	3	4	5
		11. Siwan P.S.	Whole of the Police Station and all villages within the P.S.	Under Siwan Range
		12. Andheri P.S.	Do.	Do.
2	Patna	(*i*) Biharshariff P.S. (*ii*) Asthawa P.S. (*iii*) Girtak P.S. (*iv*) Silao P.S.	Whole of the Police Stations and all villages within police stations.	Under Bihar shariff Range.
		Bakhtiarpur P.S.	Whole of the Police Station and all villages within the P.S.	Under Bakhtiarpur Range.
		(*i*) Barh S. (*ii*) Mokamah P.S. (*iii*) Sarmera P.S.	Whole of the Police Stations and all villages within the Police Stations.	Under Barh Range.
3	Monghyr	Monghyr P.S. Jamalpur P.S. Suraj Garh P.S. Mongyr Muffasil P.S.	Do.	Under Monghyr Range.
		Karagpur P.S. Tara Pur P.S. Lakhisarai P.S. Barhaiya P.S. Sheikhpur P.S. Barbigha P.S.	Do.	
		1. Jhajha P.S. 2. Chakai P.S. 3. Simaltala P. S.	Do.	Under Jhajha-I Range
		1. Jumui P.S. 2. Sikandara P.S. 3. Lakhimpur P.S.	Whole of the Police Stations and all village within the police stations	Under Jhajha-II Range.
4	Patna	(*i*) Futwa P.S. (*ii*) Hilsa P.S. (*iii*) Ekangarsarain P.S. (*iv*) Islampur P.S. (*v*) Chaul P.S.	Whole of the Range jurisdiction of Fatwah Range. All villages in the Range.	Under Fatwah Range.
5	Bhagalpur		Whole of the Bhagalpur Distt. except villages : 1. Murajpur 2. Chandrayan 3. Dholbaja 4. Kadwa 5. Bijoy of Naugachia P.S. and 1. Terasi 2. Bhamerpur 3. Itarhi under Gopalpur P.S. under Naugachia Range in Purnea Division. The whole area of Bhagalpur M.O.R. falls under exemption.	Under Naughachia Range of Purnea Division.

1	2	3	4	5
6	Saran	1. Mirganj P. S. 2. Bhoro P. S.	The whole of the P.S. except Bansdila & Panditpura villages.	Under Gopalganj Range
		3. Kuchaikut P.S. 4. Katia P.S.	The whole of the Jurisdictions of the three P.S.s. and all villages within the P. Ss.	Do.
		1. Chapra Town P.S. 2. Manjhi P.S. 3. Bhagwan Bazar P.S. 4. Sonepure P.S. 5. Parsa P.S. 6. Dariyapur P.S. 7. Gorkha P.S.	The whole of the Police Stations and all villages falling within the police stations.	Under Chapra Range
		1. Mashrakh P.S.	1. Taryan 2. Phonahra 3. Chhapia 4. Dhanauti 5. Rasauli 6. Chand-Kudaria	Under Mashrakh Range
			7. Pachbhinda 8. Shahnawajpur 9. Pachkhuda 10. Ganguly 11. Karankudaria	Do.
		2. Marhaura P.S.	1. Bikrampur 2. Amraour 3. Chak Dera 4. Mamarabhpur 5. Bahuara 6. Usepur 7. Chandna 8. Olhanpur 9. Hathisar	Do.
		2. Baikunthpur P.S.	1. Pararia 2. Khorampur 3. Tengarahi 4. Khajuhatti 5. Rewfif 6. Dekuli	Do.
		7. Santhal Pargana	Whole of the jurisdiction of Santhal Parganas District and all villages falling within the District.	Under Bhagalpur Circle

[No. 1 TOB/1970.]

Sd./ TILAK RAJ,
Collector,
Central Excise Patna.

समाहर्ता का कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पटना

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

पटना, 6 फरवरी, 1970

एस० ओ० 3557—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 1 तम्बाकू/69 दिनांक 8-4-69 और सं० 2 तम्बाकू/69 दिनांक 17-4-69 को निष्प्रभाव करते हुए तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 15 और 16 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, सूचित करता हूं कि संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट 6 एरीज से नाधिक क्षत्र में उगाये गये अनिर्मित तम्बाकू के लिए पूर्वोक्त नियमों के नियम 15 के अधीन, व्यक्तिगत उगाने वाले किसी व्यक्ति को घोषणा करना आवश्यक नहीं होगा। यह भी सूचित किया जाता है कि संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट क्षेत्रों में कुल 60 किलोग्राम से नाधिक उपभोग योग्य तम्बाकू के लिए उसी नियम 16 के अधीन प्रत्येक उगाने वाले-सह-उपभोग करने वाले (ग्रोवर-कम-क्योरर) को घोषणा करना अपेक्षित नही होगा।

अनुसूची

क्रम सं०	ऐवेन्यू डिस्ट्रीक्ट का नाम	नियम 15 और 16 के अधीन घोषित शुल्क मुक्त क्षेत्र	स्तम्भ 3 के अधीन निर्दिष्ट किन्तु नियम 15 और 16 के अधीन की छूट के अधिकार नही पाने वाले क्षेत्र में पड़ने वाले गांव	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5
1.	दरभंगा	1. रोसरा थाना	—	समस्ती पुर एम० ओ० आर० में
		2. सिंधिया थाना	—	—वही—
		3. विभूतीपुर नया थाना	1. केराय	दलसिंह सराय एम०ओ०आर० में
			2. गंगोली	
			3. माला तमाका	
			4. मुसतफापुर	
			5. चखेली	
			6. पंडिनभोल तका	
			7. कल्लयानपुर	
			8. मेहसी	
			9. मोहम्मदपुर	
			10. खोक साहा	
			11. वीर साहिया	
			12. मंडा	
			13. चक मोहन	

1	2	3	4	5
2. मुंगेर		तेघड़ा थाना	1. गोराहारा 2. फरहवा 3. भदिहा 4. मधुपुर 5. बरोनी 6. गुरदासपुर 7. द्वारकापुर 8. कसटोली 9. घेओरी 10. मनापुर	बच्छवारा रेंज में
		1. बेगूसराय थाना 2. बुखारी थाना 3. बलिया थाना 4. चरिया वरियारपुर थाना 5. खगड़िया थाना 6. एलोली थाना 7. वेलडव थाना	—	खगड़िया रेंज में
		लहेरिया सराय सर्किल		
1. दरभंगा		खजोली थाना	1. खजोली 2. इनरवा 3. अलूराही 4. मरीड 5. गोवरेरा 6. वरदापुर 7. मनीअरवा	खजोली रेंज में
		बाबू वरही थाना	1. मरहाडाही 2. मीसरौलिया 3. खोहर 4. भुपट्टी 5. कुरूपट्टी 6. रमनी पट्टी 7. बलराजपुर 8. मनाही 9. वराहारा 10. वरडाही	—वही—

1	2	3	4	5
2.	दरभंगा	1. ममीगाछी थाना	1. राजा खरवार	सकरी रेंज में
			2. डेवना	
			3. कधारा	
		2. वहेरा थाना	1. भागवत पुर	—वही—
			2. अन्तोल	
			3. नन्दे रामपुर	
			4. वसोली	
		3. वेरोल थाना	1. डेवकाली	—वही—
			2. धानी	
			3. अनहारी	
			4. अम्मा	
			5. वरियारपुर	
			6. मिरजापुर	
			7. सेनार	
			8. भीखनौलिया	
			9. मनडेगा	
		4. बहरी थाना	1. वापुरी	—वही—
			2. समधपुरा	
		5. वारिसनगर थाना	—	किशमपुर एम० ओ० आर० में
		6. कल्लयापुर थाना	—	कल्लयापुर एम० ओ० आर० में
		1. दरभंगा	1. सचोली	दरभंगा रेंज में
			2. गोरहारी	
			3. उकहाना	
			4. डाली	
			5. पोरिया	
			6. हायाघाठ	
			7. सैदपुर	
			8. फैरानी	
			9. रामपुर	
			10. रूपोली	
			11. पैरोल	
			12. बीशैल	
			13. हनुमान नगर	
			14. फुलवरिया	
		2. लहेरियासराय थाना	—	—वही—
		3. जली थाना	—	—वही—

1	2	3	4	5
	दरभंगा	1. जयनगर थाना	1. टोली टोल	जयनगर रेंज में
			2. कमहाहारी	
			3. छारापट्टी	
			4. फलकाहो	
			5. बेली	
			6. बेतुनहा	
			7. सबहारिया	
			8. पुरभारीटोला	
			9. गोररियारी	
			10. रमना	
			11. परवा	
			12. पोपाराटोला	
			13. जोगिया	
			14. भराहोय	
			15. हटलेटवा	
			16. बेलही पुरवारो टोला	
		1. लडानिया थाना 2. माधावापुर 3. हरलाखो थाना 4. लौकाहा थाना	—	—वही—
		1. माधेपुर थाना	—	माधेपुर रेंज में
1	सहरसा	1. माधेपुर थाना	—	सहरसा रेंज में
		2. सहरसा थाना		
		3. बनगांव थाना		
		4. मोर बाजार थाना	1. कथारा	
			2. सीराही	
			3. सुपोल	
		5. सुपोली थाना	—	—वही—
		6. राधोपुर थाना		
		7. किशनपुर थाना		
		8. भीमनगर थाना		
		9. सिंघेश्वर थाना		
			1. उजेरा	
			2. पटोरी	
			3. गोल्हारा	
			4. तेघराहा	
			5. गीधा	
			6. दुगाव	

1	2	3	4	5
	सहरसा	10. बख्तियारपुर थाना	1. तिलाही 2. पहारपुर	
		11. सौनवरसा राज थाना	1. शिवपुर बासा 2. बजरपुर बासा 3. सीघा 4. साहा 5. बाघ मुशारी 6. पचारी 7. शाहपुर	सहरसा रेंज में
		12. नीवेनी गंज थाना 13. बनमनकी थाना 14. छातापुर थाना	—	मुरली गंज रेंज में
2	भागलपुर	1. नवगछिया थाना	1. मुराजपुर 2. बेनडरेन 3. बोलबज्जा 4. विजय 5. कडावा	नवगछिया थाना में
		2. गोपालपुर थाना	1. तिरासी 2. भवरपुर 3. इटाहारी	—वही—
		3. विहपुर	—	—वही—
		4. आलमगंज	—	—वही—
3	पूर्णिया	1. बरारी थाना	1. जगदीशपुर 2. लक्ष्मीपुर 3. भवेली	करहागोला एम० ओ० आर० में
		2. सदय किशनगंज थाना	—	बरहारा रेंज में
		3. आलमनगर थाना	—	—वही—
		4. धमदाहा थाना	1. फुलकाहा 2. बालटोले 3. कुमरटोला	भवानीपुर एम० ओ० आर० में
		5. कोहरा थाना	1. जनकपुर 2. लीला घाट 3. दीना बाजार 4. पवाई 5. बेलगाछी 6. चकाला	पोठिया एम० ओ० आर० में

1	2	3	4	5
		6. खजांची थाना	—	पुरोरा एम० ओ० आर० में
		7. बरहरा थाना	—	बनमनकी एम० ओ० आर० में
		8. धमदाहा थाना	1. ठीरहर	—वही—
			2. बाल टोल	—वही—
			3. मगालिया पोर्ट धमदाहा	—वही—
		9. विहारीगंज थाना	मुरलात	—वही—
		10. पलासी थाना	—	कसवा रेंज में
		11. बैसी थाना	—	—वही—
		12. ग्रमोर थाना	—	—वही—
		13. जोकी थाना	—	—वही—
		14. ग्ररिया थाना	1. कोठणावा	कसवा रेंज में
			2. खहेरा	
			3. मेगनगर	
			4. वनगांवों	
			5. दया गंज	
			6. लहनारा खारा	
			7. हावनपुर	
			8. सिसबौना	
		15. पूर्णिया सदर थाना	1. बलवा	कसवा ग्रौर पूर्णिया रेंज
			2. गरहिया	
			3. बेलबोरी	
		16. कडावा	—	कटिहार एम० ग्रो० ग्रार० में
		17. बारसोई	—	—वही—
		18. मनीहारी	—	—वही—
		19. ग्राजमनगर	—	—वही—
		20. बलरामपुर	—	—वही—
		21. किशनगंज थाना	1. भगलिया	किशनगंज रेंज में
			2. कासीपुर	
			3. सलकी	
			4. लोहारदागा	
			5. कूकाटेन गमारी	
		22. पेठिया थाना	1. कटहलवारी	ठाकुरगंज ग्रौर किशनगंज रेंज म

1	2	3	4	5
		23. ठाकुरगंज थाना	1. राईबासा 2. वमनडंगी 3. बालो टोली 4. टेलीबित्ता	ठाकुरगंज रेंज में
		24. दिघालबैंक थाना	—	गंगी रेंज और पौवाखाली रेंज में
		25. टेरागाछी थाना	—	पौवाखाली एम० ओ० आर० में
		26. फोरबिसगंज थाना	1. छोरिया 2. खिरवा 3. मानिकपुर 4. बरदाहा	फौरबिस गंज रेंज में
		27. नरपतगंज थाना	डुमेरिया	—वही—
		28. सिकटी थाना	—	—वही—
1	रांची	पूरा जिला में	—	रांची डिभिजन में
2	हजारीबाग	—वही—	—	—वही—
3	धनबाद	—वही—	—	—वही—
4	गया	—वही—	—	—वही—
5	पलामू	—वही—	—	—वही—
6	शाहाबाद	—वही—	लखनऊ सराय गांव सहसराम रेंज में	—वही—
7	सिंघभूम	—वही—	—	सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क जमशेदपुर के अधिकार में

मुजफ्फरपुर एकीकृत प्रमंडल

क्रम सं०	रेवेन्यू डिस्ट्रीक्ट का नाम	नियम 15 और 16 के अधीन घोषित शुल्क-मुक्त क्षेत्र	स्तम्भ 3 के अधीन निर्दिष्ट तथा 15 और 16 के अधीन की छूट के अधिकार पाने वाले क्षेत्र में पड़ने वाले गांव	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5
1	मुजफ्फरपुर	1. सोनबरसा थाना 2. सुरसन्ड थाना	सब गांव थाने के अधीन में —वही—	सितामढ़ी-1 रेंज में —वही—

1	2	3	4	5
		3. सितामढ़ी थाना	सब गांव थाने के अधीन में	सितामढ़ी—1 रेंज में
		4. बेलसन्ड थाना	—वही—	—वही—
		5. पुपरी थाना	—वही—	—वही—
		6. बेला थाना	1. बायानयाही	—वही—
			2. लाहोरिया	—वही—
			3. बसवारा	—वही—
			4. एकाढडरी	—वही—
			5. मसाहा	—वही—
			6. बेताहा	—वही—
			7. कैरवा	—वही—
			8. पैरहा	—वही—
			9. जालेडिह	—वही—
			10. सिसवा	—वही—
			11. परसा	—वही—
			12. इनडेवा	—वही—
		7. रूनी सैदपुर थाना	1. सुलतान पुर	—वही—
			2. माधोपुर	—वही—
		8. कटरा थाना	1. औरी	—वही—
			2. डेवकली	—वही—
			3. राज खँड	—वही—
		9. बैरगनिया थाना	मसाहन	—वही—
		10. सिवहर थाना	1. पिपराही	—वही—
			2. बेलवा	—वही—
			3. माधोपुर	—वही—
			4. शहबाजपुर	—वही—
			5. कमरौली	—वही—
		11. मजीरगंज थाना	सारा गांव पूरे थाने के अन्दर	—वही—
1	मुजफ्फरपुर	1. मरैया थाना	1. राजूरापुर	सरैया आईसालेटेड
			2. सुगलपुर	रेंज में
			3. नेउरा शाह	,,
			4. माधेपुर	,,
			5. धोधरा	,,
			6. शिवपुर	,,
			7. अथरौली	,,
			8. दोराजगरनाथ	,,
			9. मनगोलिया	,,

1	2	3	4	5
			10. दोकरा गोपी नाथ सरैया आईसा लैटेड	रेंज में
			11. कौखी	,,
			12. ऐसा	,,
			13. सरैया	,,
			14. प्रभालिया	,,
			15. पेगमबुरपुर	,,
			16. नारायणपुर	,,
			17. छित्तरी	,,
			18. रोह टोली	,,
			19. पोखेरिया	,,
			20. हापुर	,,
			21. शायामा	,,
			22. विशरी गोपी नाथ	,,
			23. वासुदेव पट्टी	,,
			24. इबराहीमपुर	,,
			25. वासूकुमार	,,
			26. के० कालुआ	,,
			27. अवचुक	,,
			28. मानीकपुर	,,
			29. मुहम्मद पुर वाया	,,
			30. वाजाडीह	,,
			31. पहाड़पुर	,,
			32. जलालपुर दयाल	,,
			33. बी० पान्डे टोला	,,
			34. अनामेलपुर	,,
			35. पिपरा	,,
			36. विसारपट्टी	,,
			37. हारपुर वियास	,,
			38. चकिया	,,
			39. मानिकपुर	,,
			40. माडवापुर	,,
			41. कुलदीप छपरा	,,
			42. कैलापेट्टी	,,
			43. भगवानपुर	,,
			44. विकवोजमपुर	,,
			45. अजीजपुर	,,
			46. गनगोलिया वालिटमोरा	,,

1	2	3	4	5
			47. अनन्तपुर	सरैया आईसालेटेड रेंज में
			48. गोरावान	,,
			49. कऐन	,,
			50. रोपुरा	,,
			51. रसुलपुर	,,
			52. मुहम्मदपुर जमील	,,
			53. गिजास	,,
		2. पारु थाना	1. हरिहरपुर	,,
			2. जमना	,,
			3. रामचन्द्रापुर	,,
			4. गरीबा	,,
			5. के० आगीर	,,
			6. नेकनामपुर	,,
			7. कोनोपुर	,,
			8. बी० पट्टी	,,
			9. पालिरही	,,
			10. सिमारा	,,
			11. दामोदरपुर	,,
			12. बाजीदपुर	,,
			13. गोसेई टोला	,,
			14. डोरिया	,,
			15. रूपनारायणपुर	,,
			16. मोहब्बतपुर	,,
			17. डुबोली	,,
			18. मोहाजमा	,,
			19. थाईपुर	,,
मुजफ्फरपुर		1. मकरब थाना	1. बखरी	सिमरा आई०
			2. अरेंगी	आर० में
			3. बलाहिया	
			4. सकरीमन	
			5. हाथा	
			6. लोहारखा	
			7. नीनफारा	
			8. बनरपुर	
			9. पंचरुखी	
			10. मोहनपुर	

1	2	3	4	5
		2. कतरा थाना	1. बरछमोटरा 2. लाढी 3. बेरुआ 4. रामनगर 5. पागाडीह 6. पागा लक्ष्मी 7. लक्ष्मन नगर 8. बांसगट्टा 9. खजुरा 10. टाक	सिमरा आई० आर० में
		1. मुजफ्फरपुर सदर थाना	1. शहबाजपुर 2. राजोपुर	मुजफ्फरपुर एम० ओ० आर० में
		2. कांटी थाना	1. गागापुर 2. ममलापुर 3. कमकरिया 4. माखारा 5. द्वारिकानाथपुर 6. पंचपकारी	
		3. मीनापुर थाना	हरका	—वही—
		4. बाकराज थाना	पारीहा	—वही—
		1. पातेहपुर थाना	कमनपट्टी	पातेहपुर एम० ओ० आर० में
		1. महुआ थाना	1. बहादुरपुर 2. मनपुरा 3. मोहनपुर 4. बरेवा 5. बेरा 6. शेखपुरा 7. मुसतफापुर 8. हारा 9. मैवरा 10. काटापारा 11. हलैया 12. बुलापुर 13. मजीराबाद 14. लोदीपुर 15. राजखण्ड	गरौल एम० ओ० आर० में

1	2	3	4	5
			16. खैरवा	
			17. जीतकाही	
			18. लक्ष्मीनारायणपुर	
			19. पीरोहँ	
			20. रसुलपुर	
			21. हसन	
			22. माधुरापुर	
			23. प्रेमराज	
मुजफ्फरपुर		1. महुआ थाना	24. चन्दपुरा	
			25. रसूलपुर	
			26. कारीगांव	
			27. मलीकपुर	
			28. चीतरोलिया	
			29. नारायणपुर विदोल	
			30. इनायतनगर	
			31. भटोलिया	
			32. चकिया	
			33. चैनपुर	
			34. गोरैल	
			35. हीसर	
			36. बैनीपट्टी	
			37. पीरापुर	
			38. बभनटोली	
			39. बीखनपुर	
			40. कमदमपुर	
			41. बहादुर गोरिहा	
			42. कटरमाली	
			43. बैलवर	
			44. घजौली	
			45. मोहम्मदपुर	
			46. इसलामपुर	
			47. वथना	
			48. रूपमनजारी	
			49. वाजीदपुर हुसैना	
			50. आदमपुर	

1	2	3	4	5
			51. बोभा	
			52. एस० मुबारक	
			53. एक० वासुदेव	
			54. एस० दुल्ला	
			55. एस० रोथी	
			56. एस० डीह	
			57. रामदेवपुर	
			58. सोजा	
			59. एस० फुलजरवाय	
			60. चकबूरो	
			61. एस० फातेहपुर	
			62. पी० गारीगवा	
			63. एस० कलटोली	
			64. मजीमार्‌	
			65. इसमाइलपुर	
			66. सी० कला	
			67. सी० खुर्द	
		2. कुहानी थाना	1. बैलर	—वही—
			2. रजौला	
			3. अखकमतोल	
			4. एम० कमतोल	
			5. जी० कमलोल	
			6. डोरी	
			7. जामीन	
			8. फाकुली	
			9. कसरामा	
			10. बकवीर	
2	मोतीहारी	1. मोतीहारी मुफस्सील थाना	1. मधुवनी घाट	मोतीहारी भाईं० आर० में
			2. इसलामपुर	
			3. बराहिया	
			4. भकरा	
			5. मुदाचक	
			6. सीनागपुर	
			7. धीकाहा	
			8. कटाहा	
			9. रूपडीह	
			10. मुजराहा	
			11. थाईगटीरा	
			12. हाराज	

1	2	3	4	5
	मोतीहारी	2. सुरकौलिया थाना	1. हैदिया	मोतीहारी आई०
			2. टीकाटा	आर० में
			3. गोविन्दपुर	
			4. ओजमा	
			5. सीसवा	
			6. अजगारी	
			7. खैरी	
			8. सीसवानिया	
			9. रघुनाथपुर	
			10. जैसिंगपुर	
			11. लक्षमनवा	
			12. अम्मा वैद्यातिल्ला	
			13. मथुरापुर	
			14. किसुनपुर	
			15. चैगाहा	
			16. जागीरहा	
			17. अहीरमा	
			18. मथाना	
			19. तकलिया	
			20. परसुरामपुर	
			21. शंकरे सरैया	
			22. बेलुआ विजुलपुर	
			23. कावलपुर	
			24. परसुवा	
			25. बाल गंगा	
			26. लक्षमीपुर	
			27. पीपारिया	
			28. मजहर	
			29. नटवा	
		3. ढाका थाना	सब गाव इस थाने में	—वही—
		4. गोविन्द गंज थाना	—वही—	—वही—
		5. पटाही थाना	—वही—	—वही—
		6. हरसीडीह थाना	1. सरीसवा	
			2. बरहावा	
			3. राजापुर	
			4. कोटवा	

1	2	3	4	5
	मोतीहारी	6. हरसीडीह थाना	5. पकाडीह 6. भवाहा 7. उज्जैन सिंह 8. सौनवरसा 9. धनभीखी 10. बकला टोला 11. रामनगर 12. रूप डीह 13. मानिक पुर 14. मौसरी टोला 15. अहीरगामा 16. फतुहा 17. माटा टोला 18. ओलहन 19. नवादा 20. बरमसवा 21. रामपुरवा 22. रामछपरा 23. गीराधर 24. गोविन्दपुर 25. पकारिया पी० 26. धनकट 27. पताहा 28. मैरवा भार 29. नौलाी 30. परसुन्नी 31. गडीआन 32. बिसनपुर 33. लोखन	
	मोतीहारी थाना	7. मधुबनी थाना	1. सरैया मधुबन 2. तालीमपुर 3. बाजीदपुर 4. बाहौरा 5. लोहरगामा 6. मोहब्बत छपरा 7. मोहमादा 8. दामोदरपुर	

1	2	3	4	5
			9. भरियारी चक	
			10. महसी	
			11. बीरजी	
			12. यथना	
			13. रजवा बकरी	
			14. चक लोहराम	
			15. जागीर बक्सी	
			16. चक	
			17. गरबीया	
			18. खेरवा	
			19. खोरदादपुर	
			20. सिरोली	
			21. घेघवा	
			22. खोविनिया	
			23. खजराहा	
			24. मारे	
			25. हरडीया	
			26. जगडिया	
			27. लोंहादपुर	
			28. खटाहा	
			29. जीटेरा	
			30. मुलमा	
			31. मलवा	
			32. पाकरिया	
			33. दीह	
			34. नौरंगीया	
			35. गोपालपुर	
			36. माधोपुर	
			37. लखगारे	
			38. ननवर	
			39. वाके	
			40. टीकाम	
			41. पटाहा	
			42. ताजिरपुर भारा	
			43. पीयनपरा	
			44. वीमलपुर	
			45. कनकाली	

1	2	3	4	5
			46. अम्मा	
			47. कोथीया	
			48. हारीनाम	
			49. तारा पाकर	
			50. हारपुर नाथ	
			51. मझोलिया	
			52. चौरिया	
			53. डगराहा	
			54. विलनपुर	
			55. राजापुर	
			56. कमवनग्रीट	
			57. हरडेपाथ	
			58. कनवामल	
			59. परसोनिया	
			60. अवडरिया	
			61. मफोना मालीकाना	
			62. हनुमान नगर	
			63. सरैया	
			64. पानापुर	
			65. सचारी	
			66. हसनपुर	
			67. टोकाम	
			68. बघलिया	
			69. कौसपकारी	
			70. टीटारिया	
			71. मधुयनमल	
			72. ताजपोबसराय	
			73. डीरवान	
			74. फलवरिया	
			75. माधोपुर	
			76. मधुवन ग्रीट	
			77. सुवाहा	
			78. कौरिया	
			79. बनजारिया	
			80. कृष्णानगर	

1	2	3	4	5
	मोतीहारी	पीपरा थाना	1. चकिया	मोतीहारी आर्ई० रेंज में
			2. फुलवरिया	
			3. बेलवा	
			4. घनश्याम पट्टी	
			5. रासमंडल	
			6. कोरगामा	
			7. चिन्तामानपुर	
			8. रामगढ़	
			9. अशोका पकरी	
			10. बेरिया	
			11. हुसनपुर	
			12. नारायण पकरी	
			13. सीरीसिया	
			14. हरदियाबाद	
			15. पीपरा बाजार	
			16. अनावा	
			17. चकरिया	
			18. गासीपोखर	
			19. बैठिया	
			20. नेहुर पकरी	
			21. भकवारा	
			22. बैसाहा	
			23. इमद पट्टी	
			24. बेदीबन	
			25. सीताकुण्ड	
			26. जामुनिया	
			27. तेजियापुर	
			27. तीकुलिया	
		कसारिया थाना	1. पीपरा	कसारिया रेंज में
			2. वाजीद	
			3. तलवार	
			4. तलवार पोखर	
			5 पोखरा	
			6. खोरा	
			7. पलट किया	
			8. डरवाई	

1	2	3	4	5
	मोतीहारी	कसरिया थाना	9. मथीया	कसारिया रेंज में
			10. बनकट	
			11. कोनिया	
			12. बीलोकवा	
			13. रामजसूवा	
			14. कोठारिया	
			15. रघुनाथपुर	
			16. सुबैया	
			17. डरमिया	
			18. सारंगपुर	
			19. लोहरगामा	
			20. मोहम्मदपुर	
			21. गारेन्द्री	
			22. मलाही टोला	
			23. घटलवा	
			24. राजपुर	
			25. खोखारा	
			26. बनराहा छपरा	
			27. सिसवां पटना	
			28. हाजीपुर	
			29. गरिखा	
			30. हुसैन	
			31. रामपुर खजवा	
			32. भरजुन छपरा	
			33. जमुनापुर	
			34. मननपुर	
			35. बहोरा	
			36. वीखारपुर	
			37. कामाल पकरी	
			38. चोन्तामनपुर	
			39. ध्रुव पकरी	
			40. जगदीशपुर	
			41. बिशनपुर	
			42. पीपरा	
			43. धारोपट्टी	
			44. ननकारी	
			45. भगवानपुर	

1	2	3	4	5
	मोतीहारी	कसारिया थाना	46. वालमी सिरिसया 47. कचरिया 48. मदन सिरिसया 49. पूरन छपरा 50. पारन छपरा 51. गंगा सिरिसया 52. माधुचैन 53. मानी छपरा 54. शेरपुर 55. भुवन छपरा 56. बीजनपुर 57. पालटुबेलवा 58. हसनपुरवा 59. गाभन्द्रा 60. बंससघाट 61. डूपर 62. बरीथा 63. बरकरवा 64. बसुलवा 65. बथना 66. जागीरहन 67. बीजधारी 68. केशर 69. फीजीरपुरा 70. सीमापुर 71. बरहरवा 72. धनगरहा 73. सरोंटार 74. लाला छपरा 75. रामपुर 76. बैरिया 77. बिशनपुर 78. मथीया 79. चटारिया 80. भोपट पुर 81. बेलवादीह 82. जामनिया	कसारिया रेंज में

1	2	3	4	5
	मोतीहारी	कसारिया थाना	83. दोलमन छपरा	कसारिया रेंज में
			84. वितीया बसन्त	
			85. बरवा टोला	
			86. पुरैना	
			87. भैगवतिया	
			88. चन्द परसा	
			89. मंगलपुर	
			90. कल्याण पुर	
			91. गभीनापुर	
			92. समचक	
			93. बहोरा	
			94. केसरिया	
		साहेबगंज थाना	1. हिम्मतपट्टी	—वही—
			2. साहेबगंज	
			3. परवल पट्टी	
			4. आशा पट्टी	
			5. पारासोनी	
			6. सलीमपुर	
			7. नावनगर	
			8. चकबा जगदीशपुर	
			9. भाभी	
			10. रामपुर सीतवाही	
			11. बसथपुर	
			12. चैनपुर	
			13. रामपुर भीखमपुर	
			14. दुलरगम चैनपुर	
			15. परसोनी	
			16. अहीयापुर	
			17. भाथानढी	
			18. देवधरा	
			19. इचा छपरा	
			20. इमदपुर	
			21. पकारी	
			22. हशापुर कमकरना	
			23. सालपुर	
			24. मदुरापुर	

1	2	3	4	5
मोतीहारी	साहेबगंज थाना		25. जगदीशपुर	कसरिया रेंज में
			26. नवादा	
			27. पाहारा	
			28. मनेन	
			29. वनधरा	
			30. सोनथ	
			31. पहारपुर	
			32. सिमेरानौकर	
			33. सिमरा नीजीमट	
			34. शिव नगर	
			35. हालीमपुर	
			36. बिशनपुर	
			37. जोरा छपरा	
			38. महदेगन	
			39. चैरिया	
			40. गोरे	
			41. खोरी पाका	
			42. पीपरा बलठी	
			43. बनजाना	
			44. मधुवन	
			45. बलठी नाहन	
			46. सोया	
			47. नीरपुर	
			48. बहोरा छपरा	
			49. लोखाना	
			50. परसा	
			51. गीधा	
			52. खुररौवा	
	कतरा थाना		सब कतरा थाना और सब गांवे थाने में सिर्फ गांव सिमरा रेंज छोड़ कर	होली एम० ओ० आर० में
	बेतिया सब डिवीजन		सारा बेतिया सब डिवीजन बेतियन और नरकलिया गंज केन्द्रीय उत्पाद रेंज मिलाकर	बेतिया और नरकटिया गंज रेंज में

1	2	3	4	5
	मोतीहारी	1. रक्सोल थाना 2. अदापुर थाना 3. घोरा साइन थाना	सारा थाना और सारा गांव इस थाने में	रक्सोल एम० ओ० आर० में
		पटना डिविजन		
1	सारन	बासतपुर थाना	1. सागर सुलतानपुर	सीवान रेंज में
			2. पातेझी	
			3. पराची	
			4. मोलनापुर	
			5. साहरकोला	
			6. सिमरडी ह	
			7. बासान	
			8. मुरा	
			9. हसँपुर	
			10. सोरयान नगर	
			11. नगारी	
			12. बनावान	
			13. उसोरी	
			14. बनसाहीन	
			15. मोहम्मदपुर	
			16. चरोली	
			17. बरबा गांव	
			18. सीबपुर	
			19. चनोली	
			20. मकीया	
			21. कोरिया	
			22. धरमराज	
			23. मधारी	
			24. बोलासपुर	
			25. नावादोला	
			26. भीखमपुर	
			27. सोनहानी	
			28. बामपुर	
			29. चकमनेडा	
			30. भगवा चकिया	
			31. बनकट	
			32. मीरहटा	
			33. अहना	

1	2	3	4	5
	सारन	बासतपुर थाना	34. सासारोम	सीवान रैंज में
			35. होलसा	
			36. भगवानपुर	
			37. चक्ररावर्ती	
			38. बुलाहाँ	
			39. पंक्ति का राम पुर	
			40. खीरवान	
			41. रतोली	
			42. जनेवपुर	
			43. रामपुर कोठी	
			44. सहसी	
			45. मोरा	
			46. बीथोनवा	
			47. सरसैन	
			48. माधर	
			49. नागावान	
			50. बरूआ	
			51. मोहम्मदा	
			52. अजययान	
			53. सरहारी	
			54. कनहोली	
			55. सिसैन	
		2. बोनाकोठी थाना	1. चीतोली	—वही—
			2. पहलेजपुर	
			3. भगवती	
			4. लीलारो	
			5. जमन छपरा	
			6. कैल्लयानपुर	
			7. कानपुरा	
			8. मथीया	
		3. रघुनाथपुर थाना	सारा थाना और गांव इस थानेमें	—वही—
		4. दरोली थाना	—वही—	—वही—
		5. एकमा थाना	—वही—	—वही—
		6. मैरवा थाना	—वही—	—वही—
		7. गुथनी थाना	—वही—	—वही—
		8. सीवान थाना	—वही—	—वही—

1	2	3	4	5
	सारन	9. बरहरिया थाना	1. मोहम्मदपुर	
			2. सोहावन हट्टा	
			3. महोरिया	
			4. फाजील टोली	
			5. मीरा छपरा	
			6. नसीर छपरा	
			7. सुराही	
			8. मनानपुर	
			9. बहादुर पुर	
			10. हबीबपुर	
			11. पकरी सुलतान	
			12. ब्रहमपुर	
			13. डुमारी	
			14. हरीहरपुर	
			15. लाल गढ़	
			16. नमपरहट्टा	
			17. कादीर गंज	
			18. नवलपुर	
			19. बैलांहे	
			20. मीरगंज	
			21. ओसनही	
			22. करियापुर	
			23. बेनोआ	
			24. बनही	
			25. जौहराजपुर	
			26. बेलपुर	
			27. नरहरपुर	
			28. मुहसचारी	
			29. बलसाराय	
			30. उसोरी	
			31. अलमापुर	
			32. पहारपुर	
			33. भीमपुर	
			34. गोपालपुर	
			35. नवीगंज	
			36. सोयारो	
			37. धराजपुर	
			38. चारो	

1	2	3	4	5
सारन		10. महाराज गंज थाना	1. बजराहीयान 2. रतन परौली 3. रैनो 4. डरौनडा 5. राप चनरापुर 6. बलवनजारा 7. सापुरा 8. गावनर 9. सारेयान 10. पीपरा 11. कटवार 12. रगरौली 13. मीतनवान 14. घनोटा 15. नवलपुर 16. उज्जैन 17. श्रमेन 18. कसडेरा 19. डबवालिया 20. पैखिरा 21. गोर 22. बुजुरगा 23. रतनपुर 24. सीकन्दरपुर 25. रैयतैरा	सीवान रेंज में
		11. सीवनान थाना	सारा थाना और सारा गांव इस थाने में	-वही-
		12. ग्रनवेरी थाना	-वही-	-वही-
2. पटना		1) बिहारशरीफ थाना 2) अतयावा थाना 3) श्रोक थाना 4) सिलाव थाना	सारा थाना और सारा गांव इस थाने में	बिहारशरीफ रेंज मे
		बखितयारपुर थाना	-वही-	बखितयारपुर रेंज में
		1) बारह थाना		

1	2	3	4	5
	पटना	2) मोकोमा थाना 3) सरमेरा थाना	सारा थाना और सारा गांव इस थाने में	बारह रेंज में
	3. मुंगेर	मुंगेर थाना जमालपुर सुरज ग्रह थाना मुंगेर मुफरसील थाना	–वही–	मुंगेर रेंज में
		खरनपुर थाना तारोंपुर थाना लखीसराय थाना बरहइया थाना शेखपुरा थाना बरबीघा थाना	–वही–	
		1. झाझा थाना 2. चकैई थाना 3. सिमलतला थाना	–वही–	झाझा रेंज में
		1. जुमुई थाना 2. बीखनडारा थाना 3. लोखीमपुर थाना	–वही–	झाझा II रेंज में
	4. पटना	1) फतड़ा थाना 2) हीलसा थाना 3) एकनगर सराय थाना 4) इस्लामपुर थाना 4) चौल थोना	सारा गांव और सब रेंज फतुहा रेंज में	फुलहा रेंज में
	5. भागलपुर		सारा भागलपुर जिला सिर्फ गांवों को छोर कर	भागलपुर एम० ओ० आर० में
			1. मुराजपुर 2. चन्द्रायन 3. डोलवाजा ओफ नव-गछिया थाना 4. कदवा 5. विजय	नौगछिया रेंज के पुर्णिया-डिवीजन में
			1. तेरासी 2. इटरही गोपाल थाना के नवनकिया रेंज के पुर्णिया डीवीजन में	

1	2	3	4	5
			सारा भागलपुर एम० ओ० आर० का क्षेत्र छुट में पड़ता है	
6. सारन		1. मीरगंज थाना	सारा थाना सिवाय बनसी-डीला और पंडितपुरा गांवों को छोड़ कर	गोपाल गंज रेंज में
		2. भोरी थाना	पुरा तीन थाने में गांव और	—वही—
		3. कुचकुट थाना 4. कटिया थाना	थाना इस थाने मे	
		1. छपरा टाउन थाना	सारा थाना और गांव इस थाने में	छपरा रेंज में
		2. मनझी थाना 3. भगवन बाजार थाना 4. सोनापुरा थाना 5. परसा थाना 6. दरियापुर थाना 7. गारखा थाना		
		1. मसरख थाना	1. तरयान 2. फोनवारा 3. छतिया 4. धनौटी 5. रसाली 6. चन्द कुदरिया 7. पचमीनडा 8. शहनवाजपुर 9. पचखरिया 10. गगुली 11. कुरनकुदारिया	मसरख रेंज में
		2. हफौरा थाना	1. भीखरामपुर 2. अमरा पुर 3. चक डेरा 4. हमामपुर 5. उसेपुर 6. बेहोरा 7. चन्दना 8. हाथीसर	[मसरख रेंज] में

1	2	3	4	5
सारन	2. बैकुन्ठपुर थाना		1. परिरिया	
			2. खोरामपुर	
			3. तेननराही	
			4. खजुहट्टी	
			5. रैबफीफ	
			6. डैकुली	
	7. सनयान परगना	सारा सनयाल परगना जिला और गांव इस जिला में		भागलपुर सर्किल में

[संख्या 1 तम्बाकू 1970]

तिलक राज,

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना ।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Internal Trade)

New Delhi, the 19th October 1970

S.O. 3558.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri R. B. Vaghaiwall, ICS, as a Member of the Forward Markets Commission, Bombay, with effect from the forenoon of the 22nd June, 1970, and nominates him to be the Chairman of the Commission *vice* Shri M. A. Rangaswamy.

This Ministry's notification of even number, dated the 26th August, 1970, may be treated as cancelled.

[No. 17(6)-I.T./69.]

R. C. SETHI, Dy. Secy.

औद्योगिक विकास और आन्तरिक व्यापार

(आन्तरिक व्यापार विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर 1970

का० आ० 3558—अग्रिम संविदा (विनियमन अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा श्री आर० बी० [illegible], आई० सी० एस०, को वायदा बाजार आयोग, बम्बई के सदस्य के रूप में 22 जून, 1970 के पूर्वाह्न से नियुक्त करता है, और उन्हें श्री एन० ए० रंगास्वामी के स्थान पर अध्यक्ष के रूप में नाम निर्देशित करती है।

इस मंत्रालय की इसी संख्या की 26 अगस्त, 1970 की अधिसूचना को रद्द समझा जाए।

[सं० 17(6)-आई० टी०/69]

आर० सी० सेठी, उपसचिव।

(Department of Industrial Development)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 12th October 1970

S.O. 3559.—In exercise of the powers conferred on me under sub-regulation 4 of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, modifications to the provisions of the Indian Standards details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have tentatively been made with a view to expediting the use of the Standard Mark, without in any way affecting the quality of goods covered by the relevant standard. These modifications shall come into force with immediate effect :

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of Indian Standard, the Provisions of which have been Modified	Number(s) of the Existing Clauses Affected	Particulars of the Modifications Made to the provisions
(1)	(2)	(3)	(4)
1	IS:3705-1966 Specification for fountain pens	Clauses 4·1, 10·3, A-3·2 and Table 1	(i) (*Page* 3, *clause* 4·1, *line* 7)—Add the words 'or slow burning' after flame resistant (ii) (*Page* 8, *clause* 10·3 —Substitute the following for the existing clause : '10·3 *Flammability Test*—A draught shiled shall be used to reduce air current effects. The plastics or ebonite parts of the pen shall be held horizontally within the shield touching a 25 to 30 mm long blue flame of a Bunsen burner till they ignite or for 30 seconds whichever is less. The specimen shall then be removed from the flame. If the specimen burns when in contact with the flame but does not continue to burn when removed from the flame it is flame resistant. If the specimen continues to burn at a rate of less than 65 mm per minute it is slow burning. When tested according to this the specimen shall be either flame resistent or slow burning.'

(iii) [*Page* 10, *Table* 1, *Heading of col* (4) *and* (5)[Substitute the word 'Flammability' in place of 'flame resistance'.

(iv) (*Page* 11, *clause* A-3·2, line 3)— Substitute the word 'flammability' in place of 'flame resistance'

[No. CMD/13 : 4]

(DR.) A. N. GHOSH,
Director General.

(औद्योगिक विकास विभाग)

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर, 1970

एस० ओ० 3559—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955, के विनियम 3 के उपविनियम (4) के अधीन प्राप्त शक्तियों में आधार पर मानक चिन्ह लगाने में गति लाने के उद्देश्य से भारतीय मानक में कुछ परिवर्तन परीक्षार्थ रूप में किया गया है, जिसके ब्योरे नीचे अनुसूची में दिए हैं। इस परिवर्तन से तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के अधीन माल की किस्म पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और यह परिवर्तन तुरन्त हो लागू ही जाएगा।

अनुसूची

क्रम संख्या	भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक जिसके उपबन्धों का संशोधन हुआ है	संशोधित वर्तमान खण्डों की संख्या	उपबन्धों में किए गए परिवर्तनों के विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1	3706—1966 फाउंटेन पेनों की विशिष्ट	खण्ड 4.1, 10.3, ए-3.2 और सारणी	1. (पृष्ट 3 खण्ड 4.1, पंक्ति 7)—लो प्रतिरोधी (flame resistant) के बाद शब्द 'या मन्द ज्वलनशील (or slow burning) जोड़ दीजिए। 2. (पृष्ट 8, खण्ड 10.3)—वर्तमान खण्ड के स्थान पर निम्नलिखित कीजिए : '10.3 **ज्वलनशीलता परीक्षण** :—वायु के प्रवाह के प्रभाव को कम करने के लिए एक वात रक्षक का उपयोग किया जाये। पेन के प्लास्टिक अथवा आबनूस के भाग को बुन्सन

बर्नर की लौ के ऊपर पड़ी दशा में उसके जल उठने अथवा 30 सेकण्ड तक जो भी समय कम हो, इस तरह पकड़ कर रक्खा जाए कि नीली लौ का 25 से 30 मि मी लम्बा भाग उससे छूता रहे । नमूने को तब उसके बाद लौ पर से हटा लिया जाए । अगर लौ में रखने के समय नमूना जल उठता है परन्तु लौ से हटा लेने के बाद भी जलता नहीं रहता तो लौ प्रतिरोधी है । अगर नमूना 65 मि मी प्रति मिनट की दर से कम पर जलता रहता है तो वह 'मन्द ज्वलनशील' है । इसके अनुसार परीक्षण करने पर नमूना या तो 'लौ प्रतिरोधी' या 'मन्द ज्वलशीलन' हो ।

(10. 3 Flammability Test—A draught shield shall be used to reduce air current effects. The plastics or ebonite parts of the pen shall be held horizontally within the shield touching a 25 to 30 mm long blue flame of a Bunsen burner till they ignite or for 30 seconds whichever is less. The specimen shall then be removed from the flame. If the specimen burns when in contact with the flame but does not continue to burn when removed from the flame it is flame resistant. If the specimen continues to burn at a rate of less than 65 mm per minute it is slow burning. When tested according to this the specimen shall be either flame resistant or slow burning.

3. [पृष्ट 10, सारणी 1, खाना (4) और (5) का शीर्षक] लौ-प्रतिरोध flame resistance के स्थान पर 'ज्वलनशीलता' flammability कर लीजिए ।

4. [पृष्ट 11, खण्ड ए-3.2 पंक्ति 5] लौ प्रतिरोध flame resistance के स्थान पर 'ज्वलशीलता' flammability कर लीजिए ।

[संख्या सी० एम० डी०/13:4]

(डा०) ए० एन० घोष,
महानिदेशक ।

(Department of Industrial Development)

(INDIAN STANDARDS INSTITUTION)

New Delhi, the 16th October 1970

S. O. 3560—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark (s), design (s) of which together with the verbal description of the design (s) and the title (s) of the relevant Indian Standard (s)/are given in the Schedule hereto annexed have been specified

These Standard Mark (s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 September 1970 :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1.		Needles, hypodermic.	IS:3317-1965 specification needles, hypodermic.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2) the numbers designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
2.		Cube moulds	IS:4031-1968 Methods of physical test for hydraulic cements	The monogram of the Indian Standards institution Consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side and the words 'CUBE MOULD' being sub-cribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

(औद्योगिक विकास विभाग)

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली 16 अक्तूबर 1970

एस०ओ० 3560—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) नियम, 1955, के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचना दी जाती है कि मानक चिह्न जिनकी डिजाइन और शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिए हैं भा० मा० संख्या द्वारा निर्धारित किए गए हैं ।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न 1 सितम्बर, 1970 लागू हो जाएंगे ।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पादन का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1		अधस्त्वक (हाइपोडरमिक) सुइयां	IS:3317—1965 अधस्त्वक् (हाइपोडरमिक) सुइयों की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है, और जैसा दिखाया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी हुई है ।
2		घनाकार सांचे	IS:4031—1968 जलपुष्ट सीमेण्ट की भौतिक परीक्षण पद्धतियां	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है, और जैसा दिखाया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पद संख्या दी हुई है ।

[सं० सी० एम० डी०/13:9]

S.O.3561—In pursuance of sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been established during the period 1 to 30 June 1970:

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standard Established	No. and Title of the Indian Standard if any, superseded by the new Indian Standard	Brief Particulars
1	2	3	4
1.	IS:138—1969 Specification for ready mixed paint, marking, for packages and petrol containers, colour as required (*First Revision*)	IS:138—1950 Specification for marking paint for packages and petrol containers	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for ready mixed paint, marking for packages and petrol containers, colour as required. The material is used for distinctive lettering and marking of ammunition and ammunition packages and of containers and packages by brushing, spraying or stencilling. (Price Rs. 4·00)

1	2	3	4
2.	IS: 863—1969 Specification for handloom cotton bandage cloth (*First Revision*)	IS:863—1956 Specification for handloom cotton bandage cloth, bleached	This standard specifies the requirements of bleached and dyed varieties of cotton made on handloom (Price Rs. 5.00)
3	IS: 1515—1969 Specification for beehives (*First Revision*)]	IS: 1515—1959 Specification for beehives	This standard prescribes the requirements for and the dimensions of Type A and Type B beehives, including all the parts. These beehives are generally suitable to most of the regions in the country. (Price Rs. 6·50)
4	IS: 2309—1969 Code of practice for the protection of buildings and allied structures against lightning (*First Revision*)	IS: 2309—1963 Code of practice for the protection of building and allied structures against lightning	This code covers design, installation, testing and maintenance of lightning protective systems for buildings including those designed for the storage of explosives and highly flammable materials, and allied structures, such as towers, chimneys, fences and hangars. This code also deals with the precautions to be taken for personal safety during lightning (Price Rs. 15.00)
5	IS: 2720 (Part II)—1969 Methods of test for soils Part II Determination of moisture content (*First Revision*).	IS: 2720 (Part II)—1964 Methods of test for soils Part II Determination of moisture content.	This method covers the determination of moisture content of soils expressed as a percentage of the oven-dry weight. (Price Rs. 3·50)
6	IS: 2873—1969 Specification for packaging of jute products in bales (*First Revision*)	IS: 2873—1963 Specification for packaging of jute products in bales	This standard prescribes the requirements of packaging of conventional types of jute fabrics and jute bags in the form of bales. (Price Rs. 5.00).
7	IS: 4410 (Part X)— 1969 Glossary of terms relating to river valley projects Part X Civil works of hydro-electric generation system including water conductor system	..	This standard covers definitions of terms relating to civil works of power station and power generation system from intake to tail race. (Price Rs. 5·50).
8	IS: 4839 (Part III)—1969 Code of practice for maintenance of canals Part III Canal structures, drains, jungle clearance plantation and regulation.	..	This standard covers maintenance of canal structures, outlets and drains jungle clearance, plantation and regulation of canals. (Price Rs. 2·50)
9	IS: 4854 (Part I)— 1969 Gun metal forms for valves and their parts Part I Screwdown stop, check and gate valves and their parts.	..	This standard defines types of, and parts for, screwdown stop, check and gate valves. (Price Rs. 13·00)
10	IS: 4910 (Part V)—1969 Methods of test for tyre yarns, cords and tyre cord fabrics made from man-made fibres Part V Wet contraction and wet contractile force.	..	This standard prescribes methods for determination of wet contraction and wet contractile force developed in rayon and nylon tyre yarns and cords when immersed in water at 27°C under a pre-tension of 0·45 g/tex (or 0·05 g/d). (Price Rs. 2·00)

1	2	3	4
11	IS:4988 (Part II) —1968 Glossary of terms and classification of earth-moving machinery Part II Dozers	..	This standard gives definitions of terms applicable exclusively to dozers. The standard also lays down the classification and method to be adopted in calculating the output of dozers. (Price Rs. 2·50)
12	IS:4989—1969 Specification for foam compound for producing mechanical foam for fire fighting	..	This standard lays down the composition and requirements of general properties, performance, methods of test, packing and marking of foam compound intended for the use with mechanical foam generating equipment for the extinguishment of fires inflammable liquids other than polar solvents (hydroxyl. carbonyl, groups), that is, alcohol, ether etc. (Price Rs. 9·50).
13	IS: 5285—1969 Methods of test for fibre analysis of paper and board.	..	This standard prescribes the methods for the identification and quantitative estimation of important indigenous and imported fibres in paper and board manufactured in the country. (Price Rs. 8·50)
14	IS:5313—1969 Guide for core drilling observations	..	This standard gives guidance in carrying out drilling observations while drilling for foundation investigations for river valley projects. A standard *proforma* is given for the record of the general observations. (Price Rs. 2·50)
15	IS:5318—1969 Code of practice for laying of flexible PVC sheet and tile flooring	..	This code covers details of work necessary in preparing the sub-floor surface, method of laying and fixing of PVC flooring in sheet and tile form. (Price Rs. 4·00)
16	IS:5328—1969 Method of test for determination of chemical composition of asbestos fibre	..	This standard covers the methods for the quantitative analysis for (a) silica, (b) ferrous oxide, (c) ferric oxide, (d) alumina, (e) calcium oxide, (f) magnesium oxide, (g) sodium oxide, (h) carbonates, and (j) water of crystallization in asbestos fibre. (Price Rs. 6·50)
17	IS:5332—1969 Specification for boys' and youths' school shoes	..	This standard prescribes the requirements, method of sampling and test for boys' and youths' school shoes. (Price Rs. 5·50)
18	IS:5333—1969 Specification for leather cricket boots.	..	This standard prescribes the requirements, methods of sampling and test for cricket boots with leather upper and leather sole with hob nails studded on them. (Price Rs. 4·00)
19	IS:5350 (Part II)—1969 Dimensions of indoor and outdoor porcelain post insulators and post insulator units	..	This standard applies to cylindrical post insulator and post insulator units of ceramic material intended for outdoor service in electrical installations or equipment operating

1	2	3	4
	for systems with nominal voltages greater than 1000V Part II Outdoor cylindrical post insulators		on alternating current with a rated voltage of 3·3 kV and above and a frequency not greater than 100 Hz. The insulators covered by this standard are primarily intended for use in isolators (disconnectors) or as bus bar or fuse supports. (Price Rs. 3·50)
20	IS:5374—1969 Specification for taper washers for I-beams (ISMB)	..	This standard specifies the requirements for taper washers for use with Indian Standard Medium Beams (ISMB) with bolts in the diameter range of 8 to 39 mm. (Price Rs. 3·00)
21	IS:5390—1969 Code of practice for construction of timber ceilings	..	This standard covers the fabrication and laying of timber ceilings and their relevant components. (Price Rs. 4·00)
22	IS:5398—1969 Methods for estimation of thiamine (vitamin B_1) in foodstuff	..	This standard specifies chemical as well as microbiological methods for estimation of thiamine (Vitamin B_1) in foodsuffs. (Price Rs. 5.00)
23	IS:5399—1969 Methods for estimation of riboflavin (vitamin B_2) in foodstuffs	..	This standard specifies chemical as well as microbiological methods for the estimation of riboflavin (Vitamin B_2) in foodstuffs. (Price Rs. 5·00)
24	IS:5400—1969 Methods for estimation of nicotinic acid (niacin) in foodstuffs.	..	This standard specified chemical as well as microbiological methods for estimation of nicotinic acid (niacin) in foodstuffs. (Price Rs. 5·00).
25	IS:5404—1969 Code of practice for handling of food samples for microbiological analysis	..	This code prescribes the procedures for sampling of foods and for the preservation, transport, storage and preparation of samples for purposes of microbiological analysis. (Price Rs. 6·00)
26	IS:5407—1969 Specification for ammonium phosphate sulphate, granular (19.5—19·5-0)	..	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for ammonium phosphate sulphate, granular (19.5-19·5-0). The material is used as a fertilizer. (Price Rs. 5·00)
27	IS: 5425 (Part I)—1969 Methods of chemical analysis of misch metal Part I Determination of cerium	..	This standard covers the method for the determination of cerium in various grades of misch metal as specified in IS: 4182—1967. (Price Rs. 1·50)
28	IS: 5428 (Part II)—1969 Specification for guage glasses for pressure vessels and boilers. Part II Protector glasses for tubular gauge glasses	..	This standard specifies requirements for the protector glasses for use with tubular gauge glasses. (Price Rs. 2·00
29	IS: 5431—1969 Definition of motion-picture safety films	..	This standard defines motion-picture films as safety films if they are difficult to ignite, slow burning and low in nitrate nitrogen content. (Price Rs. 2·50)

(1)	(2)	(3)	(4)
30.	IS : 5432—1969 Glossary of terms relating to powder metallurgy	—	This standard defines the various terms commonly used in the field of powder metallurgy. (Price Rs. 3·50).
31.	IS : 5435—1969 Specification for cold asphalt macadam mixing plants	—	This standard lays down the reqirements regarding materials, design, construction, capacity and performance criteria for cold asphalt macadam mixing plants of continuous and batch mixing type. (Price Rs. 5·00).
32.	IS : 5439—1969 Specification for oil pressure switches for automobiles.	—	This standard covers the basic mechanical and electrical requirements and methods of test for 6-, 12- and 24-volt hydraulically operated oil pressure switches for use in automobiles. (Price Rs. 2·50).
33.	IS : 5471—1969 Specification for dried shark fins.	—	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for dried shark fins. (Price Rs. 3·50).
34.	IS : 5472—1969 Specification for fish maws.		This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for fish maws. (Price Rs. 3·50).
35.	IS : 5477 (Part I)—1969 Methods for fixing the capacities of reservoirs Part I General requirements.	—	This standard deals with the data and information required for the location and fixing the capacity of reservoirs, and specifies the post-construction data to be collected during the operation of the reservoirs. (Price Rs. 2·50).
36	IS : 5481—1969 Specification for floor polish, liquid.	—	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for wax-solvent and wax-emulsion types of liquid floor polishes (Price Rs. 2·50).
37.	IS : 5485—1969 Specification for cotton yarn waste.	—	This standard prescribes requirements, methods of sampling and test for teased cotton yarn waste used for cleaning machinery and instruments. (Price Rs. 2·50).
38.	IS : 5487—1969 Specification for metal polish, liquid.	—	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for the metal polish, liquid, which is suitable for general application to copper, brass, bronze, zinc, steel and allied metals. (Price Rs. 3·50).
39.	IS : 5488—1969 Dimensions for hot rolled steel plates for ship's hull structure.	—	This standard specifies nominal dimensions, and rolling and cutting tolerances for hot rolled steel plates for ship's hull structures. This standard is mainly intended to cover plates rolled from steel conforming to IS : 3039—1965. (Price Rs. 2·50).
40.	IS : 5495—1969 Sizes and shapes for firebricks (300 mm and higher series).	—	This standard specifies nominal sizes and shapes for fire bricks of 300 mm and higher series. This standard is limited to shapes wich are mostly used in the steel plants and are common to several other industries. (Price Rs. 3·50).

(1)	(2)	(3)	(4)
41.	IS:5496—1969 Guide for preliminary dimensioning and layout of elbow type draft tubes for surface hydel power stations.	—	This standard covers the criteria for the selection of various dimensions of elbow type draft tubes for hydel power stations. (Price Rs. 2·50).
42.	IS:5542—1969 Guide for storm analysis.	—	This standard lays down guide lines for estimation, distribution and analysis of storm precipitation. (Price Rs. 8·00).
43.	IS : 5544—1970 Specification for hot food cabinets for use with LPG.	—	This standard specifies the constructional and performance requirements of hot food cabinets for use with liquified petroleum gases at a working pressure of 30 gf/cm², designed to maintain the temperatures as follows:— (a) Without heated top — Hot food cabinet temperature 80° C (average) Top temperature—below 55°C (average) ; (b) With heated top — Hot food cabinet temperature—80°C (average) Top temperature—above 55°C (average). (Price Rs. 2·00).
44	IS: 5553 (Part III)—1970 Specification for reactors. Part III Neutral earthing reactor and arc suppression coil.	—	This standard covers neutral earthing reactors and arc suppression coils. (Price Rs. 2·50).

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its branch offices at(i)534,Sarda, Vallabhbhai Patel Road Bombay-7, (ii) 5, Chowringhee Approach Road, Calcutta-13.(iii) 54, General Patters Road, Madras-2, (iv) 117/418B, Sarvodaya Nagar, Kanpur and (v) 5-9-201/2, Chirag Ali Lane, Hyderabad-1.

[No. CMD/13:2]

एस० ओ० 3561—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाण चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे दिए गए हैं वे 1 से 30 जून, 1970 की अवधि में निर्धारित किए गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा निष्प्रभावित भारतीय मानक, यदि हो, की पद संख्या और शीर्षक	संक्षिप्त विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS:138–1969 पैकेजों और पेट्रोल धारकों पर अंकन के लिए वांछित रंग के तैयार मिश्रित रंग रोगनों की विशिष्टि (पहलापुनरीक्षण) ।	IS:138–1950 पैकेजों और पेट्रोल धारकों पर अंकन के लिए रंग-रोगन की विशिष्टि ।	इस मानक में पैकेजों और पेट्रोल धारकों पर अंकन के लिए वांछित रंग के रंग-रोगनों के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं । इस रंगरोगन से बुरुश द्वारा स्प्रे करके अथवा स्टेन्सिल द्वारा फौजी सामान अथवा उनके पैकेजों पर अथवा पैकेजों और धारकों पर सूचना लिखने अथवा अंकित करने का काम लिया जाता है । (मूल्य रु० 4.00)
2.	IS:863–1969 हथकरघा के सूती पट्टी के कपड़े की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।		इस मानक में विरंजित और रंगीन प्रकार की सूती हथकरघे की पट्टियों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं । (मूल्य रु० 5.00)
3.	IS:1515–1969 शहद की मक्खी के छत्ते की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) ।	IS:1515–1959 शहद की मक्खी के छत्ते की विशिष्टि ।	इस मानक में सभी अंगों युक्त टाइप ए और टाइप बी के शहद की मक्खी के छत्तों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं । ये छत्ते आमतौर पर देश के सभी भागों के लिए उपयुक्त हैं । (मूल्य रु० 6.50)

(1)	(2)	(3)	(4)
4.	IS:2309–1969 तड़ित से इमारतों और तत्सम्बन्धी निर्माणों को बचाने की रीतिसंहिता (पहला पुनरीक्षण)।	IS:3209–1963 तड़ित से इमारतों और तत्सम्बन्धी निर्माणों को बचाने की रीतिसंहिता।	इस मानक संहिता में इमारतों की बिजली गिरने से रक्षा के लिए प्रणाली की डिजाइन, उसकी प्रतिष्ठापना, परीक्षण और रख रखाव सम्बन्धी बातें रखी गई हैं। ऐसी इमारतों में विस्फोटकों और अतिज्वलनशील सामग्रियों के भँडार गृह और तत्सम्बन्धी निर्माण जैसे मीनार, चिमनी, बाड़े और हैंगर आते हैं। इस मानक में बिजली गिरने के समय व्यक्तिगत बचाव के लिए जो बचाव किए जाने चाहिएं वे भी दिए गए हैं। (मूल्य रु० 15.00)
5.	IS:2720 (भाग 2)–1969 मृत्तिकाओं की परीक्षण पद्धतियां, भाग 2 नमी की मात्रा निकालना (पहला पुनरीक्षण)।	S:2720 (भाग 2)–1964 मृत्तिकाओं की परीक्षण पद्धतिया, भाग 2 नमी की मात्रा निकालना।	इस मानक में मृत्तिका में नमी की मात्रा निकालने की पद्धति दी गई है। यह मात्रा भट्टी में सुखाई मिट्टी की तल के प्रतिशत के रूप में होती है। (मूल्य रु० 3 50)
6.	IS:2873–1969 जूट की बनी वस्तुओं को गांठों में पैकेजबंदी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	IS:2875–1963 जूट की बनी वस्तुओं की गांठों में पैकेजबंदी की विशिष्टियां।	इस मानक में परम्परागत प्रकार के जूट के कपड़ों और बोरों को गांठ रूप में बांधने के विषय में अपेक्षा दी गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
7	IS:4410 (भाग 10)-1969 नदी घाटी प्रयोजनाओं सम्बन्धी शब्दावली, भाग 10 जल चलन तंत्र सहित पनबिजली जनन तंत्र सम्बन्धी सिविल कार्य		इस मानक में जल-ग्रहण-स्थान से टेल रेस तक पावर केन्द्र तथा पावर जनन तंत्र के सिविल कार्यों सम्बन्धी शब्दावली की परिभाषाएं दी गई है। (मूल्य रु० 5.50)
8	IS :4839 (भाग 3)-1969 नहरों के रख रखाव की रीति संहिता भाग 3 नहर सम्बन्धी आगार, निकास-नलियां, जंगल की सफाई, वन रोपण और नियमन।		इस मानक में नहर सम्बन्धी आगार, निकास नलियां, नलियों के रख-रखाव, जंगल की सफाई, वन रोपण तथा नहर के नियमन को लिया गया है। (मूल्य रु० 2.50)
9	IS :4854 (भाग 1)-1969 वाल्व और उनके पुर्जों से सम्बन्धित शब्दावली भाग 1 चूड़ीदार स्टाप, चेक और गेट वाल्व और उनके पुर्जे		इस मानक में चूड़ीदार स्टाप चेक और गेट वाल्वों के प्रकार बताए गए हैं। (मूल्य रु० 13.00)
10	IS :4910-(भाग 5)-1969 मनुष्य निर्मित धागों से बने डोरियां और टायर डोरी कपड़ों की परीक्षण पद्धतियां, भाग 5 आर्द्रता सकोच और आर्द्र संकोचन बल		इस मानक में रेयान और नाइलोन टायर धागों और डोरियों से पानी में 27° से पर 0.45ग्रा/टैक्स (या 0.05 ग्रा/डेनि०) के पूर्व तनाव के अधीन डुबाए जाने पर होने वाले आर्द्रता-सकोच तथा आर्द्र सकोचन बल निकालने की पद्धतियों निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 2.00)
11	IS :4988 (भाग 2)-1968 मिट्टी हटाने की मशीनों की शब्दावली और वर्गीकरण, भाग 2 डोजर्स		इस मानक में सिर्फ डोजर्स पर ही लागू शब्दावली दी गई है इस मानक में इन डोजरों का वर्गीकरण और इनके द्वारा किए

(1)	(2)	(3)	(4)
			गए काम का हिसाब लगाने की पद्धति दी गई है । (मूल्य रु० 2.50)
12	IS :4989–1969	आग बुझाने के लिए यांत्रिक फेन पैदा करने के फेन यौगिक की विशिष्टि	इस मानक में अल्कोहल, ईथर इत्यादि ध्रुवीय (पोलर) घोलकों को छोड़कर अन्य आग पकड़ने वाले द्रवों में लगी आग बुझाने के लिए यांत्रिक फेन उत्पादक उपकरण में जो यौगिक काम में आता है उसकी संरचना तथा उसके सामान्य गुण, व्यवहार, परीक्षण-पद्धति, पैकिंग और अंकन सम्बन्धी अपेक्षाएँ दी गई हैं । (मूल्य रु० 9.50)
13	IS :5285–1969	कागज और गत्ते के रेशा विश्लेषण की परीक्षण पद्धतियां	इस मानक में देश में तैयार कागज और गत्ते में लगे महत्वपूर्ण देशी तथा आयात रेशे की पहचान और उसकी मात्रा-अनुमान की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 8.50)
14	IS :5313–1969	कोर ड्रिलिंग के अवलोकन लिखने सम्बन्धी निर्देशिका	इस मानक में नदी घाटी योजनाओं के लिए नींव की छानबीन के लिए ड्रिलिंग सम्बन्धी अवलोकन पूरे करने के विषय में निर्देश दिए गए हैं । सामान्य अवलोकनों को लिखने के लिए एक मानक प्रोफार्मा दिया गया है । (मूल्य रु० 2.50)

(1)	(2)	(3)	(4)
15	IS :5318–1969	नम्य पी वी सी शीट और टाइल का फर्श देने की रीति संहिता	इस संहिता में फर्श निचली सतह तैयार करने, शीट और टाइल रूप में नम्य पी वी सी का फर्श देने के विषय में ब्यौरे दिए गए हैं । (मूल्य रु० 4.00)
16	IS:5328–1969	ऐस्बेस्टस रेशे की रसायनिक संरचना निकालने की परीक्षण पद्धति	इस मानक में ऐस्बेस्टस रेशे में आगे लिखे पदार्थों का मात्रात्मक विश्लेषण करने की पद्धतियां दी गई हैं (अ) सिलिका (आ) फेरस आक्साइड (इ) फेरिक आक्साइड (ई) अल्युमिना (उ) कैल्शियम आक्साइड (ऊ) मैगनीशियम आक्साइड (ऋ) सोडियम आक्साइड (ए) कार्बोनेट और (ऐ) केलासीकरण जल । (मूल्य रु० 6.50)
17	IS:5332-1969	किशोरों और बालकों के स्कूली जूतों की विशिष्टि	इस मानक में किशोरों और बालकों के स्कूली जूतों के विषय में अपेक्षाएं तथा बानगी लेने की पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 5.50)
18	IS:5333-1969	किक्रेट के चमड़े के बूटों की विशिष्टि	इस मानक में चमड़े के सोल और उपल्ले वाले और हॉब-कीलों से जड़े किक्रेट के बूटों के विषय में सामान्य अपेक्षाएं और बानगी लेने की तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 4.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
19	IS:5350 (भाग 2)—1969, 1000 वोल्ट से अधिक वोल्टता वाली प्रणालियों के लिए इमारतों के भीतर और बाहर लगने वाले पोर्सलेन के पोस्टनुमा इंसुलेटर और पोस्ट इंसुलेटर इकाइयों के माप; भाग 2 बाहर लगने वाले, बेलनाकार पोस्ट इंसुलेटर		यह मानक उन मृतिका पदार्थ के बेलनाकार पोस्ट इंसुलेटर तथा पोस्ट इंसुलेटर इकाइयों पर लागू होता है जो ऐसी बिजली पर 3.3 कि० वो० और अधिक की रेटेड वोल्टता और 100 हर्ट्ज से अनधिक आवृत्ति पर बाहर खुले में काम करने के लिए हों । इस मानक के अधीन आने वाले इंसुलेटर आइसोलेटरों में अथवा बस बार अथवा फयूज लम्प के रूप में प्रमुख रूप से काम में आने के लिए होते हैं । (मूल्य रु० 3.50)
20	IS:5374-1969 आई नुमा धरनियों के लिए गावदुम वाशरों की विशिष्टि (आई एस एम बी)		इस मानक में भारतीय मानक माध्यम धरनियों (आई एस एम बी) (पर 8 से 39 मिमी तक के व्यास वाले काबलों के साथ लगने वाले गावदुम वाशरों के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 3.00)
21	IS:5390-1969 लकड़ी की भीतरी छत्त देने की रीति संहिता		इस मानक में लकड़ी की भीतरी छत और तत्सम्बन्धी अंग तैयार करने और लगाने की रीतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 4.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
22	IS : 5398-1969 खाद्य पदार्थों में थायामीन (विटामिन बी) की मात्रा निकालने की पद्धति	..	इस मानक में खाद्य पदार्थों में थायामिन (विटामिन बी) की मात्रा निकालने की रसायनिक और सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 5.00)
23	IS : 5399-1969 खाद्य पदार्थों में रिबोफ्लैविन (विटामिन बी$_2$) की मात्रा निकालने की पद्धतियां	..	इस मानक में खाद्य पदार्थों में रिबोफ्लैविन (विटामिन बी$_2$) की मात्रा निकालने की रसायनिक तथा सूक्ष्म जीव-वैज्ञानिक पद्धतियां निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु० 5.00)
24	IS : 5400-1969 खाद्य दार्थों में निकोटीय अम्ल (पनायसिन) की मात्रा निकालने की पद्धति	..	इस मानक में खाद्य पदार्थों में निकोटीय अम्ल (नायसिन) की मात्रा निकालने की रसायनिक तथा सूक्ष्म-जीव-वैज्ञानिक पद्धतियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 5.00)
25	IS : 5404-1969 सूक्ष्म-जीव-वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए नमूने धरने-उठाने की रीति संहिता	..	इस संहिता में सूक्ष्म जीव-वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए नमूनों की बानगी लेने के लिए परीक्षण, परिवहन, भंडारण तथा तैयारी के लिए तथा उनकी विधियां दी गई हैं । (मूल्य रु० 6.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
26	IS : 5407-1969 रवेदार अमोनियम फास्फेट सल्फेट (19.5-19.5-0) की विशिष्टि	..	इस मानक में रवेदार अमोनियम फासफेट सल्फेट (19.5- 19 .5-0) की अपेक्षाएं तथा बानगी लेने की तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। इसका उपयोग उर्वरक के रूप में किया जाता है। (मूल्य रु० 5.00)
27	IS : 5425(भाग 1)-1969 मिश धातु की रसायनिक विश्लेषण पद्धतियां, भाग 1 सीरियम की मात्रा निकालना	..	इस मानक मेंIS :4182-1967 में निर्दिष्ट मिश्र-धातु के विभिन्न ग्रेडों में सीरियम की मात्रा निकालने की पद्धति दी गई है। (मूल्य रु० 1.50)
28	IS:5428 (भाग 2)-1969 प्रेशर बर्तनों और ब्वायलरों के लिए जालीदार कांचों की विशिष्टि भाग 2 नलिकाकार जालीदार कांचों के लिए सुरक्षा कांच	..	इस मानक में नलिकाकार जालीदार कांचों के साथ उपयुक्त सूक्ष्म कांचों के विषय में अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 2.00)
29	IS : 5431-1969 सुरक्षित चलचित्र फिल्मों की परिभाषा	..	इस मानक में उन चलचित्र फिल्मों को सुरक्षित फिल्म माना गया है यदि वे कठिनाई से आग पकड़ें, धीरे धीरे जलने वाली हों अथवा जिनमें नाइट्रेट नाइट्रोजन की मात्रा कम हो। (मूल्य रु० 2.50)

(1)	(2)	(3)	(4)
30.	IS: 5432-1969 चूर्ण धातु विज्ञान सम्बन्धी शब्दावली	..	इस मानक में चूर्ण धातु-विज्ञान से सम्बन्धित विभिन्न सामान्य शब्दों की परिभाषाएं दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.50)
31.	IS: 5435-1969 शीत ऐस्फाल्ट मैकेडम मिश्रक संयंत्र की विशिष्टि	..	इस मानक में लगातार और खेपों में काम करने वाले शीत ऐस्फाल्ट मैकेडम मिश्रक संयंत्रों की सामग्री, डिजाइन, निर्माण धारिता, और कार्यप्रदता की कसौटियां सम्बन्धी अपेक्षाएं निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु० 5.00)
32.	IS: 5439-1969 स्वचल गाड़ियों के लिए तेल दाबवाले स्विचों की विशिष्टि	..	इस मानक में स्वचल गाड़ियों में प्रयुक्त 6-12 और 24 वोल्ट के द्रव चालित तेल दाब वाले स्विचों के विषय में मूल यांत्रिक, और विद्युत अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)
33.	IS: 5437-1969 शार्क के सूखे पंखों की विशिष्टि	..	इस मानक में शार्क के सूखे पंखों के विषय में अपेक्षाएं तथा बानगी लेने और परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.50)
34.	IS: 5472-1969 मछली के उदर (मां) की विशिष्टि	..	इस मानक में मछली के उदर (मां) के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 3.50)

(1)	(2)	(3)	(4)
35.	IS: 5477 (भाग 1)-1969 जलाशयों की समाइयां निर्धारित करने की पद्धति भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ	..	इस मानक जलाशयों के स्थान तथा उनकी उगाई निर्धारित करने के लिए आवश्यक आंकड़ों तथा जानकारी को लिया गया है और जलाशय के निर्माण के बाद उसके कार्य करने के समय लिए जाने वाले आंकड़े निर्धारित किए गए हैं (मूल्य रु० 2.00)
36.	IS: 5481-1969 फर्श की तरल पालिश की विशिष्टि	..	इस मानक में मोम-घुलनशील और मोम-पायसनीय फर्श की तरल पालिशों के विषय में अपेक्षाएँ और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)
37.	IS: 5485-1966 अनुपयोगी सूती धागे की विशिष्टि	..	इस मानक में मशीनों और औजारों को पोंछने के लिए प्रयुक्त नोचे हुए अनुपयोगी सूती धागे के विषय में अपेक्षाएँ और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)
38.	IS: 5487-1969 धातु की तरल पालिश की विशिष्टि	..	इस मानक में धातु की तरल पालिश के विषय में अपेक्षाएँ और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं; यह पालिश ताँबा, पीतल, कांसा, जस्ता, इस्पात और तत्सम्बन्धी धातुओं के लिए उपयुक्त है। (मूल्य रु० 3.50)

(1)	(2)	(3)	(4)
39.	IS: 5488–1969	जलयान के ढांचे के लिए गर्म रोल्ड इस्पात की प्लेटों के माप	इस मानक में जलयान के ढांचे के लिए गर्म रोल्ड इस्पात की प्लेटों के सांकेतिक माप और रोलिंग और कटाई सम्बन्धी छूटें दी हुई है। इस मानक में मुख्य रूप IS: 3039–1965 के अनुरूप इस्पात से रोल की गई प्लेटों को लिया गया है। (मूल्य रु० 2.50)
40.	IS: 5495–1969	अग्निईटों की नाप और शक्लें (300 मिमी और ऊपर की सीरीज)	इस मानक में 300 मिमी और ऊपर की सीरीज की अग्निईटों की सांकेतिक नापें और शक्लें निर्धारित की गई हैं। इस मानक में सिर्फ उन्हीं शक्लों को लिया गया है जिनका उपयोग इस्पात सँयंत्रों में होता है और जो अन्य कई उद्योगों में काम आता है। (मूल्य रु० 3.50)
41.	IS: 5496–1969	जमीन के ऊपर के पनबिजली केन्द्रों के लिए कोहनी नुमा ड्राफ्ट ट्यूबों के प्रारम्भिक माप निर्धारण और विन्यास की मार्ग दर्शिका	इस मानक में पनबिजली केन्द्रों के लिए कोहनी नुमा ड्राफ्ट ट्यूबों की विभिन्न नापों में चुनाव के लिए कसौटियां दी गई हैं। (मूल्य रु० 2.50)
42.	IS: 5542–1969	प्रभंजन विश्लेषण की मार्गदर्शिका	इस मानक में प्रभंजक होने के अनुमान वितरण और विश्लेषण सम्बन्धी मार्गदर्शन की बातें दी गई हैं। (मूल्य रु० 8.00)

(1)	(2)	(3)	(4)
43.	IS: 5544–1969	द्रवित पेट्रोलियम गैस से काम करने वाली गर्म खानें की कैबिनेटों की विशिष्टि	इस मानक में 30 ग्रा ब/सि मी 2 के कार्यकारी दाब पर द्रवित पेट्रोलियम गैस से काम करने वाली गर्म खाने की कैबिनेटों के निर्माण तथा कार्य-प्रदत्ता अपेक्षा निर्धारित की गई हैं । ये कैबिनेट ऐसी बनी हैं कि निम्न रूप से ताप बनाए रहती हैं : (क) जब उपल्ला गर्म न हो, गर्मखाने की कबिनेट का ताप —80° से (औसत) उपल्ले का ताप 55° से (औसत) से कम (ख) जब उपल्ला गर्म हो गर्म खाने की कैबिनट का ताप —80° से (औसत) उपल्ले का ताप 55° से (औसत) से ऊपर (मूल्य रु० 2.00)
44.	IS: 5553 (भाग 3)–1970	रिऐक्टरों की विशिष्टि भाग 3 न्यूट्रल अर्थयोजी रिऐक्टर और आर्क शामक कायल	इस मानक में न्यूट्रल अर्थ-योजी रिऐक्टर और आर्क शामक कांयल को लिया गया है । (मूल्य रु० 2.50)

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली—1 और उसके शाखा कार्यालयों (1) 534 सरदार बल्लभ भाई पटेल रोड बम्बई 7 (2) 5 चौरंगी ऐप्रोच रोड कलकत्ता—13(3) 54 जनरल पैटर्स रोड मद्रास—2(1) 117/418 बी सर्वोदय नगर, कानपुर (5) 5–9–20/1/2 चिराग अली लेन हैदराबाद —1 और (6) सिंडीकेट बैंक बिल्डिंग गांधीनगर, बँगलौर—9 से खरीदी जा सकती है ।

[सं० सी० एम० डी०/13 : 2]

S.O.3562 In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time and subsequent upon publication of IS : 44-1969 Specification for iron oxide pigment for paints (*first revision*), the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the schedule given hereafter, have been cancelled:

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standard cancelled	No. and Date of Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was notified
(1)	(2)	(3)
1	IS 45-1950 Specification for manufactured red oxides of iron for paints	S.R.O. 658 dated 26 March 1955 published in the Gazette of India, part II, Section dated 26 March 1955
2	IS : 46-1950 Specification for natural red oxides of iron for paints	S.R.O. 658 dated 26 March 1955 published in the Gazette of India, part II, Section 3 dated 26 March 1955
3	IS : 47-1950 Specification for ochre for paints	S.R.O. 658 dated 26 March 1955 published in the Gazette of India, part II, Section 3 dated 26 March 1955
4	IS : 48-1950 Specification for natural sienna (raw and burnt) for paints	S.R.O. 658 dated 26 March 1955 published in the Gazette of India, part II, Section 3 dated 26 March 1955
5	IS : 49-1950 Specification for natural umber (raw and burnt) for paints	S.R.O. 658 dated 26 March 1955 published in the Gazette of India, part II, section 3 dated 26 March 1955

[No. CMD/13:7]

एस० ओ० 3562.—समय समय पर संशोधित मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के परिपालनार्थ तथा IS: 44–1969 रंग-रोगन के लिए लोह आक्साइड वर्णकों की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) के प्रकाशन के परिणामस्वरूप भारतीय मानक संस्था एतद्द्वारा सूचित करती है कि आगे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे दिए गए हैं वे रद्द कर दिए गए हैं ।

अनुसूची

क्रम संख्या	रद्द किए भारतीय मानक की पदसंख्या तथा शीर्षक	गजट अधिसूचना की संख्या जिसमें भारतीय मानक के निर्धारण की सूचना प्रकाशित हुई थी ।
(1)	(2)	(3)
1	IS : 45–1950 रंग रोगन के लिए उत्पादित लोहे के लाल आक्साइड की विशिष्ट	एस०आर०ओ० 658 दिनांक 26 मार्च 1955, भारत के गजट भाग 2 अनुभाग 3 दिनांक 26 मार्च 1955 में प्रकाशित ।
2	IS : 46–1950 रंग रोगन के लिए लोहे के प्राकृतिक लाल आक्साइड की विशिष्टि	एस० आर० ओ० 658 दिनांक 26 मार्च 1955, भारत के गजट भाग 2 अनुभाग 3 दिनांक 26 मार्च 1955 में प्रकाशित ।

(1)	(2)	(3)
3	IS : 47–1950 रंग रोगन के लिए गेरू की विशिष्टि	एस० आर० ओ० 658 दिनांक 26 मार्च 1955, भारत के गजट भाग 2 अनुभाग 3 दिनांक 26 मार्च 1955 में प्रकाशित ।
4	IS : 48–1950 रंग रोगन के लिए प्राकृतिक सियन्ना (कच्ची और पक्की) मिट्टी की विशिष्टि	एस आर० ओ० 658 दिनांक 26 मार्च 1955, भारत के गजट भाग 2 अनुभाग 3 दिनांक 26 मार्च 1955 में प्रकाशनार्थ ।
5	IS : 49–1950 रंग रोगन के लिए प्राकृतिक अम्बर (कच्ची और पक्की) मिट्टी की विशिष्टि	एस० आर० ओ० 658 दिनांक 26 मार्च 1955 भारत के गजट भाग 2 अनुभाग 3 दिनांक 26 मार्च 1955 में प्रकाशित ।

[सं०सी०एम०डी०/13:7]

S.O.—3563.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notified that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the Schedule here annexed have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from 1 September 1970:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	Needles, hypodermic	IS: 3317-1965 Specification for needles, hypodermic	100 needles	15 paise
2	Cube moulds	IS: 4031-1968 Methods of physical tests for hydraulic cements	One piece	50 paise

[No. CMD/13:10]

एस० ओ० 3563.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाण चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचित किया जाता है कि विभिन्न वस्तुओं की मुहरांकन फीस, जिनके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए हैं निर्धारित की गई हैं और यह फीस 1 सितम्बर 1970 से लागू हो जाएगी ।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पादन का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	अधस्त्वक (हाइपोडरमिक) सुइयां	IS : —3317—1965 अधस्त्वक (हाइपोडरमिक) सुइयों की विशिष्टि	100 सुइयां	15 पैसे
2	धनाकार सांचे	IS : —4031—1968 जलपुष्ट सीमेन्ट की भौतिक परीक्षण पद्धतियां	एक सांचा	50 पैसे

[संख्या सी० एम० डी०/13:10]

S.O. 3564.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the licence, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 1 October 1970.

Licence No. and date	Name & address of the licensee	Article/Process covered by the licence	Relevant Indian Standard
CM/L-2151 28-11-69	M/s. Goyal Industrial Corpn. 14/5, Milestone, Mathura Raod, Faridabad Haryana).	Plywood Tea-Chest Battens Trade Mark 'GIC'.	IS:10-1964

[No MDD/55 : 2151]

एस० ओ० 3564—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा सूचित किया जाता है कि जिस लाइसेंस का ब्यौरा नीचे दिया गया है वह 1 अक्टूबर 1970 से रद्द कर दिया गया है।

लाइसेंस संख्या और तारीख	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
सी एम/एल—2151 28—11—69	मेसर्स गोयल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन 14/5 मीलपत्थर मथुरा रोड फरीदाबाद (हरयाणा)	प्लाईवुड की चाय की पेटियों के लिए पट्टियों, छाप जी० आई० सी०	IS : 10—1964

[एम० डी० डी०/55 : 2151]

New Delhi, the 19th October 1970

S.O. 3565.—In partial modification of the Ministry of Industrial Development & Internal Trade (Indian Standards Institution) notification No. S.O. 2715, dated 3 August 1970 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (*ii*) dated 15 August 1970, the Indian Standards Institution hereby notifies that consequent upon grouping together of hinges specifications, the marking fee per unit for extruded aluminium butt hinges has been revised. The revised rate of marking fee, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, shall come into force with effect from 16 September 1970.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	Non-ferrous metal butt hinges	IS: 205-1966 Specification for non-ferrous metal butt hinges (*second revision*).	100 pieces	50 paise
2	Tee and strap hinges	IS: 206-1962 Specification for tee and strap hinges.		
3	Parliament hinges	IS: 362-1968 Specification for Parliament hinges (*second revision*).		
4	Hasps and staples	IS: 363-1961 Specification for hasps and staples (*revised*).		
5	Double-acting spring hinges	IS: 453-1963 Specification for double-acting spring hinges (*revised*).		
6	Steel butt hinges	IS-1341-1962 Specification for steel butt hinges (revised)		
7	Continuous (piano) hinges	IS: 3818-1966 Specification for continuous (piano) hinges.		
8	Steel backflap hinges	IS: 3843-1966 Specification for steel backflap hinges.		

[No. CMD/13 : 10]

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर 70

एस० ओ० 3565—भारतीय राजपत्र के भाग 2 खण्ड 3 के उपखण्ड 2 में दिनांक 15 अगस्त, 1970 को प्रकाशित औद्योगिक विकास और आंतरिक व्यापार (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना सं० एस० ओ० 2715 दिनांक 3 अगस्त 1970 के आंशिक संशोधन के रूप में भारतीय मानक संस्था की ओर से सूचित किया जाता है कि कब्जों की विशिष्टियों के एक साथ समूहीकरण के फलस्वरूप निष्कासित (एक्स्ट्रूडेड) एल्युमिनियम के बट कब्जों पर मुहर लगाने की फीस में परिवर्तन किया गया है। यहां अनुसूची में मुहर लगाने की जो परिवर्तित फीस ब्यौरे सहित दी गई है वह 16 सितम्बर 1970 से लागू हो जाएगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	वस्तु/वस्तु का वर्ग	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	अलोहस धातु के बट कब्जे	IS:205–1966 अलोहस धातु के बट कब्जों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)		
2	टी नुमा और पत्तीदार कब्जे	IS:206–1962 टी नुमा और पत्तीनुमा कब्जों की विशिष्टि		
3	पार्लियामेन्ट कब्जे	IS:362–1968 पार्लियामेन्ट कब्जों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)		
4	कुंडा और सांकल	IS:363–1961 कुंडा और सांकल की विशिष्टि (पुनरीक्षित)		
5	दोनों ओर काम करने वाले स्प्रिगदार कब्जे	IS:453–1963 दोनों ओर काम करने वाले स्प्रिगदार कब्जों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	100 कब्जे	50 पैसे
6	इस्पात के बट कब्जे	IS:1341–1962 इस्पात के बट कब्जों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)		
7	अट्ट (पियानो) कब्जे	IS:3813–1966 अट्ट (पियानो) कब्जों की विशिष्टि		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
8	इस्पात के बैकफ्लैप कब्जे	IS:3843-1969 इस्पात के बैकफ्लैप कब्जों की विशिष्टि	100 कब्जे	50 पैसे

[सं० सी० एम० डी० 13: 1०]

S. O. 3566—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standard Institution (Certification Marks), Regulations, 1955 as amended from time to time, the India Standards Institution, hereby, notifies that the licence, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 1 October 1970.

Licence No. & date	Name and address of the licensee	Article/Process covered by the licence	Relevant Indian Standard
CM/L-161 15-1-1960	M/s Patiala Biscuit Manufacturers Pvt Ltd, Rajpura (Punjab)	Biscuits	IS:1011-1968 Specification for biscuits

No. MDD 55 : 161

(DR) A. K. GUPTA
Deputy Director General, ISI.

एस० ओ० 3566—समय समय पर संशोधित मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955, के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा सूचित किया जाता है कि जिस लाइसेंस का ब्यौरा नीचे दिया गया है वह 1 अक्टूबर, 1970 से रद्द कर दिया गया है।

लाइसेंस संख्या और तारीख	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किये लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
सी एम/एल-161 15-1-1960	मेसर्स पटियाला बिस्कुट मैन्युफैक्चरर्स प्रा० लि० राजपुरा (पंजाब)	बिस्कुट	IS: 1011-1968 बिस्कुटों की विशिष्टि

[सं० एम डी०डी०/55:161]

(डा०) ए० के० गुप्ता,
उपमहानिदेशक।

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 14th October 1970

S.O. 3567.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. BM & BR BO to GGS I. in Gujarat State, Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpure Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Laying of pipline From well No. BM and BRBO TO GGS I.

State : Gujarat Dist : Kaira Taluka : Matar

Village	S. No.	Hectare	Are	P. Are.
Nawagam	500	0	2	02
Kathawada	293/4	0	3	00

[No. 11(2)/70-Lab & Legis.]

पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय

(पैट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3567.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में————————कुआं संख्या बी० एम० तथा बी० आर०, बी० ओ० से जी० जी० एस० I तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः, अब, पैट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी,————————तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा, रोड, बरौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधी व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

कुआं संख्या बी० एम तथा बी आर०, बी० ओ० से जी० जी० एस I तक पाइपलाइन बिछाने

राज्य : गूजरात जिला : कैरा तालुका : मातर

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	आर०	पी० आर०
नावागांव	500	0	2	02
काठवाड़ा	293/4	0	3	00

[संख्या 11(2)/70-लेबर एण्ड लेजिस]

ERRATUM

New Delhi, the 14th October 1970

S.O. 3568.—In the notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines & Metals (Department of Petroleum) No. 29(7)/68-IOC/Lab. & Legi. Dated 6-5-70, under S.O. No. 1799, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub Section (ii) dated 23-5-70.

At page No. 2342—43 Village :—Kamod Taluka :—Dascroi

	H.	Are	P.	Are
Omit S. No. 28/P	0	72	60	

[No. 11(2)/70-Lab. & Legis.]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3568.—भारत सरकार के पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना संख्या 29(7)/68-आई० ओ० सी०/लेबर एण्ड लेजिस दिनांक 6-5-70 जिसका कानूनी आदेश संख्या 1799 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 के उपखण्ड (II) दिनांक 23-5-70 को प्रकाशन हुआ था, के पृष्ठ संख्या 2342-43, गांव: कमोद, तालुकः—दसकरोई में

सवक्षण संख्या 28/पी, हैक्टर 0 आर 72 पी आर 60 का विलोप किया जाए ।

[संख्या 11(2)/70-आई० ओ० सी०/लेबर एण्ड लेजिस]

S. O. 3569.—In the notification of Government of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals No. 29(7)/68-IOC-Lab. dt. 23-12-68 under S.O. No. 40 in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 4-1-1969 ;

At page No. 35, 36 & 37 village $\frac{\text{Nawagam}}{\text{Kathawada}}$ Taluka Mater ;

"READ"					"FOR"				
Name of Village	S. No.	H.A.	P.	Are	Name of Village	S. No.	H.A.	P.	Are.
(i) Nawagam .	504	0	0	50	Nawagam . .	504	0	1	00
,, . .	501	0	10	62	,, . .	501	0	9	50
,, . .	746	0	2	00	,, . .	746	0	4	00
(ii) Kathawada .	292	0	1	0	Kathawada .	292/1 292/2 292/3	0	4	10
(iii) Pansoli Omit S. No. 297									

[No. 11(27)/70-Lab. & Legis.]

का० आ० 3569.—भारत सरकार के पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 29(7)/68-आई० ओ० सी० लेबर, दिनांक 23-12-68, जिसका कानूनी आदेश संख्या 40 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 के उप-खण्ड (ii) दिनांक 4-1-69 को प्रकाशन हुआ था, के पृष्ट संख्या 35, 36 तथा 37, गांव नावागांव/काठवाड़ा, तालुका मातर में

"पढ़िये"					'के लिए'				
गांव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	आर	पी आर	गांव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	आर	पी आर
नवागांव	504	0	0	50	नवागांव	504	0	1	00
"	501	0	10	62	"	501	0	9	50
"	746	0	2	00	"	746	0	4	00
काठवाड़ा	292	0	1	0	काठवाड़ा	292/1 292/2 292/3	0	4	10

पनसोली सर्वेक्षण संख्या 297 का विलोप किया जाए ।

[संख्या 11(2)/70-लेबर एण्ड लेजिस]

S. O. 3570.—In the notification of Government of Indian the Ministry of petroleum & Chemicals & Mines, & Metals, Department of Petroleum No. 29(7)/68-IOC/Lab & Legis. dated 6-5-70 under S.O. No. 1802 in the Gazette of India, Part II, Section 3 sub-section (ii) dated 23-5-70.

At page No. 2343 Village :—Kathwada Taluka :—Matar.

Omit S. No. 461, 462, 463P, 463/P, 463/P with the area shown against them and also Nawagam Bareja Road.

[No. 11(2)/70-Lab. & Legis.]

का० श्रा० 3570.—भारत सरकार के पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना संख्या 29(7)/68-आई० ओ० सी०/लेबर एण्ड लेजिस दिनांक 6–5–70, जिसका कानूनी आदेश संख्या 1802 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 के उपखण्ड (ii) दिनांक 23–5–70 को प्रकाशन हुआ था, के पृष्ठ संख्या 2343, गांव काठवाड़ा, तालुका मातर में

सर्वेक्षण संख्या 461, 462, 463/पी०, 463/पी, 463/पी का उनके सामने दर्शाये गये क्षेत्र सहित और नवागांव बरेजा रोड का भी विलोप किया जाये ।

[संख्या 11(2)/70-लेबर एण्ड लेजिस]

S. O. 3571.—In the notification of Government of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals & Mines & Metals (Department of Petroleum) No. 29(7)/68-IOC/Lab. & Legis. dated 6-5-70 under S.O. No. 1797 in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 23-5-70.

At page No. 2340-41 village ; Bareja Taluka : Dascroi

"READ"					"FOR"				
Name of Village	S. No.	Area in H.	Are.	P. Are.	Name of village	S. No.	Area in H.	Are.	P. Are
(i) Bareja . .	640	0	5	20	Bareja . .	640	0	4	75
	641	0	4	55		641	0	2	60

(ii) Omit S. No. 642

[No. 11(2)/70-IOC/Lab. & Legis.]

का० श्रा० 3571.—भारत सरकार के पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना संख्या 29(7)/68-आई० ओ० सी०/लेबर एण्ड लेजिस दिनांक 6–5–70, जिसका कानूनी आदेश संख्या 1797 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 के उप-खण्ड, (ii) दिनांक 23–5–70 को प्रकाशन हुआ था, के पृष्ट संख्या 2340–41, गांव: बरेजा, तालुका: दसकरोई में

"पढ़िये"		——क्षेत्र फल——			'के लिए'		——क्षेत्रफल——		
गांव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	आर	पी आर	गांव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	आर	पी आर
(I) बरेजा	640	0	5	20	बरेजा	640	0	4	75
	641	0	4	55		641	0	2	60

(II) सर्वेक्षण संख्या 642 का विलोप किया जाये ।

[संख्या 11(2)/70-लेबर एण्ड लेजिस]

S.O. 3572.—In the notification of Goverment of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals & Mines & Metals Department of Petroleum No. 29(7//68-IOC/Lab. & Legis. dated 4-6-70 under S. O. No. 2512 in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated 25-7-70.

At page No. 3228 Village : Pansoli Taluka : Matar.

'HEAD'				'FOR'			
S. No.	H.	A.	P. Are	S. No.	H.	A.	P. Are
305/3 . .	0	22	50	305/Part . . .	0	12	00
				305/Part . . .	0	04	50
				305/Part . . .	0	06	00
305/2 . . .	0	06	00	305/Part . . .	0	08	10
293/2/E . . .	0	01	50	293 . . .	0	01	50
267/Part . . .	0	01	55	267/Part . . .	0	04	65
249/Part . . .	0	17	05	249/Part . .	0	15	90

[No. 11(2)/70-Lab. & Legis.]

M. V. S. PRASADA RAU, Under Secy.

का० आ० 3572.—भारत सरकार के पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (पैट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना संख्या 29(7)/68-आई० ओ० सी०। लेबर एण्ड लेजिस दिनांक 4–6–70, जिसका कानूनी आदेश संख्या 2512 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 के उपखण्ड (ii) दिनांक 25–7–70 के प्रकाशन हुआ था, के पृष्ट संख्या 3228, गांव पनसोली, तालुका: मातर में

'पढ़िए'				'के लिए'			
सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	आर	पी आर	सर्वेक्षण संख्या	हैक्टर	आर	पी आर
305/3	0	22	50	305/भाग	0	12	00
				305/भाग	0	04	50
				305/भाग	0	06	00
305/2	0	06	00	405/भाग	0	08	10
293/2/ई	0	01	50	295	0	01	50
267/भाग	0	01	55	267/भाग	0	04	65
249/भाग	0	17	05	249/भाग	0	15	90

[संख्या 11(2)/70-लेबर एण्ड लेजिस]

म० वे० शिव प्रसाद राव, अवर सचिव

(पेट्रोलियम तथा रसायन विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1970

एस० ओ० 3004—आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 16 मई, 1970 को केन्द्रीय सरकार ने औषधि (कीमत नियन्त्रण) आदेश, 1970 जारी किया था। उक्त आदेश के पैरा 5 के अन्तर्गत, आवश्यक प्रपुन्ज औषधियों के अलावा जिनकी कीमतें निर्धारित की गई, अन्य सारी प्रपुन्ज औषधियों के विक्रय-मूल्य 15 मई, 1970 को प्रवृत्त स्तरों पर स्थिर किये गये हैं। शेषप्रपुन्ज औषधियों में से अधिक महत्वपूर्ण औषधियों के उचित विक्रय मूल्य निर्धारण करने के लिए, उनके लागत-ढांचा की जांच करना आवश्यक समझा गया है। निर्धारित सूत्र के अनुसार फारमूलेशन्ज के पुनरीक्षित मूल्यों के परिकलन के लिए, सरकार को अल्प सूचना पर परिवर्तन लागतों और पैकेजिंग के लिए मानकों को भी जारी करना पड़ा। इन मानकों के विरुद्ध अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं, जिन पर विचार करने की आवश्यकता है। इनका पुनरीक्षण करना है। अतः सरकार ने एक कार्यकारी दल की स्थापना का निर्णय किया है, जो इण्डस्ट्रियल कास्टस एण्ड प्राइसिज ब्यूरो के चेयरमैन के अधीन कार्य करेगा। इस दल का गठन तथा विचारार्थ विषय निम्न प्रकार हैं :—

गठन

1. श्री एन० एन० वांचू	चेयरमेन
2. श्री जी० के० अभयंकर	सदस्य
3. औषधि नियन्त्रक, (भारत), डी जी एच एस	,,
4. डा० ए० सेथ आरमैहा सीनियर आई० ए० डी० जी० टी० डी०	,,
5. मुख्य लागत लेखाअधिकारी, वित्त मंत्रालय या उसका नामित	,,
6. औद्योगिक विकास, अन्तर व्यापार और समवाय-कार्य मंत्रालय के आथक सलाहकार	,,
7. केन्द्रीय औषधि गवेषणा संस्थान के निदेशक	,,
8. श्री मनमोहन सिंह, दिल्ली स्कूल आफ इकोनोमिक्स में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय	,,
9. सलाहकार (औषधि) पैट्रोलियम तथा रसायन विभाग	सदस्य सचिव

विचारार्थ विषय

(i) परिशिष्ट में दर्शायी गई 25 प्रपुन्ज औषधियों के लागत ढांचा का अध्ययन करना और उनके लिए उचित विक्रय मूल्यों की सिफारिश करना,

(ii) सरकार द्वारा निर्धारित परिवर्तन मूल्यों और पैकेजिंग के लिए मानकों का पुनरीक्षण करना और औषधि (कीमत नियन्त्रण आदेश, 1970 के उद्देश्यों तथा प्राप्त हुए अभ्यावेदनों को ध्यान में रखते हुए, सिफारिश करना कि किस सीमा तक उनका संशोधन करना आवश्यक है,

(iii) उपर्युक्त विषयों के अध्ययन के लिए किसी अन्य आवश्यक मद का अध्ययन करना।

कार्यकारी दल ऐसी पद्धति को अपनायेगा, जो उनके द्वारा उचित समझी जायेगी और वह अपनी रिपोर्ट को यथा शीघ्र प्रस्तुत करेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के कई मंत्रालयों, प्रधान मंत्री का सचिवालय, केबिनेट सचिवालय, संसद सचिवालय, राष्ट्रपति के निजी सचिव तथा सेन्य सचिव, योजना आयोग, तकनीकी विकास के महा निदेशालय, भारत के नियंत्रक तथा महा-लेखा परीक्षक, वाणिज्य, निर्माण एवं विविध के महालेखाकार को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को प्रति आम सूचना के लिए भारतीय राजपत्र में प्रकाशित की जाए ।

परिशिष्ट

सल्फाज	(1) सल्फासीटामाइड/सोडियम
	(2) सल्फागुनिडिन
	(3) सल्फाडीमीडीन
	(4) सल्फाथियाजोल
	(5) सल्फाफेनाजोल
	(6) सल्फासोमीडिन
एण्टी-टी बी	थियासिटाजोन
कोढ़ अवरोधी	डपसोन
फाइलेरिया अवरोधी	डी० ई० सी० स्ट्रेट
संवेदनहारी	(1) प्रोकेन एच सी एल
	(2) जाइलोकेन
एनालजैसिक्स/एण्टी-पाइरेटिक्स एण्ड सेडाटि-क्स	एस्परीन
	फेनासिटिन
	पेरासिटामोल
	मेटासीग्रोल
	पेथिडिन
	फेनोबारबीटोन
बेज ग्रोरिजन के	कैफीन/ग्रौर इसके साल्टस (सिटरेट), क्वनीन ग्रौर इसके साल्टास (2 एच सी एल/एच$_2$ एस ग्रो$_4$)
विटामिन	बी/निकोटिनिक एसिड/एमाइड
एण्टी हिस्टामाइन	बैटामेथासोन
ग्रन्य	जेलाटिन कैपसूल्ज
	ग्राधान विलय
	डिपथेरिया एण्टी-टोक्सिन

[सं० 17(10)/70-सी एच III]

बी० मुकर्जी, सचिव ।

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Cooperation)

New Delhi, the 17th October 1970

S.O. 3573.—In exercise of the powers conferred by Section 5B of the Multi-Unit Cooperative Societies Act, 1942 (6 of 1942), and in supersession of the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Cooperation) Notification No. 7-4|68-Credit, dated the 12th February, 1968, the Central Government hereby directs that the following amendments shall be made in the Notification of the Government of India in former Ministry of Community Development and Cooperation (Department of Cooperation) No. S.O. 1593, dated the 28th June, 1961, published at page 1555 of Part II, Section 3(ii) of the Gazette of India of the 8th July, 1961, namely:—

In the said notification against serial No. 7 for the entry "Shri R. P. Kapoor," the entry "Shri Amar Nath Verma" shall be substituted.

[No. 7-4|68-Coord.]

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली 17 अक्तूबर 1970

का० आ० 3573—बहु इकाई सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1942 (1942 का 6) की धारा 5ब द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (सहकारिता विभाग) की अधिसूचना सं० 7-27/68-क्रेडिट, तारीख 12 फरवरी, 1968 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि 8 जुलाई, 1961 के भारत के राजपत्र, भाग 2 खंड 3(ii) पृष्ठ 1555 (अंग्रेजी) में प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (सहकारिता विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1593, तारीख 28 जून, 1961 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएँगे, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं० 7 के सामने "श्री आर० पी० कपूर" प्रविष्टि के स्थान पर "श्री अमर नाथ वर्मा" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी ।

सं० 7-4/68 कोर्ड.

S.O. 3574.—In exercise of the powers conferred by Section 5B of the Multi-Unit Cooperative Societies Act, 1942 (6 of 1942) and in supersession of the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Department of Cooperation) Notification No. 7-4|66-Credit, dated the 22nd February, 1969, the Central Government hereby directs that all the powers or authorities exercisable by the Central Registrar of Cooperative Societies under the said Act shall also be exercisable by Shri D. A. Swayamprakasam, Joint Registrar of Cooperative Societies (Intensive Agricultural Area Programme), Tamil Nadu in respect of Multi-Unit Cooperative Societies which are or are deemed to be actually registered in the State of Tamilnadu.

[No. 7-4|68-Coord.]

S. SATYABHAMA, Dy. Secy.

का. आ. 3574—बहु इकाई सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1942 (1942 का 6) की धारा 5ब द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (सहकारिता विभाग) की अधिसूचना सं० 7-4/66-क्रेडिट, तारीख 22 फरवरी, 1969 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के अधीन सहकारिता सोसाइटी के केन्द्रीय रजिस्ट्रार द्वारा प्रयोक्तव्य सभी शक्तियों या प्राधिकार श्री डी० ए०

स्वयमप्रकाशम, संयुक्त रजिस्ट्रार, सहकारी सोसाइटी (सघन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम) तमिलनाडु के द्वारा भी बहु इकाई सहकारी सोसाइटी के, जो तमिलनाडु राज्य में वास्तव में रजिस्ट्रीकृत हैं, या रजिस्ट्रीकृत समझे जाते हैं, संबंध में प्रयोक्तव्य होंगे ।

[सं० 7-4/68-कोर्ड]

एस० सत्यभामा, उप सचिव ।

MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING AND WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 20th October 1970

S.O. 3575.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-12/60-MI, dated the 9th January, 1961, the Central Government has directed that the Medical qualification "M.D." granted by the Western Reserve University, Cleveland, Ohio, United States of America shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Symon Satow who possesses the said qualification is for the time being attached to the Frances Newton Hospital, Ferozepore Cantonment for the purposes of teaching, research and charitable work.

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

(1) a further period ending with the 31st December, 1970, or

(2) the period during which Dr. Symon Satow is attached to the said Frances Newton Hospital, Ferozepore Cantonment whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. F. 19-25/70-MPT.]

M. C. MISRA, Dy. Secy.

स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, आवास एवं नगर विकास मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3575.—यतः भारत सरकार में भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय के दिनांक 9 जनवरी, 1961 की अधिसूचना सं० 16-12/60-एम० आई/द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी, क्लीवलैंड ओहियो (यू० एस० ए०) द्वारा अनुदत्त "एम० डी०" नामक चिकित्सा अर्हता मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० साइमन सताव को जिनके पास कि उक्त अर्हता है, फिलहाल फिरोजपुर छावनी स्थित फ्रांसेस न्यूटन अस्पताल के साथ अध्यापन, अनुसंधान और धर्मार्थ-कार्य के प्रयोजनों के लिए लगाया गया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 14 की उप धारा (1) के परन्तुक के खण्ड (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा

(i) 31 दिसम्बर, 1970 को समाप्त होने वाली एक और अवधि को, अथवा

(ii) डा० साइमन सताव की फिरोजपुर छावनी स्थित फ्रान्सेस न्यूटन अस्पताल से संबद्ध रहने की अवधि को;

जो भी कम हो, वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है कि जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर की मेडिकल प्रैक्टिस सीमित होगी ।

[सं० प० 19-25/70-एम०पी०टी०]

एम० सी० मिश्र, उप सचिव ।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 14th October 1970

S.O. 3576.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 9 read with sub-rule (2) of rule 9 and sub-rule (3) of rule 8 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby re-appoints Smt. Mary Clubwala Jadhav after consultation with the Central Board of Film Censors, as a member of the Advisory Panel of the said Board at Madras with effect from 14th October, 1970 to 31st December, 1970.

[No. 11/12/69-F(C).]

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1970

एस० ओ० 3576 .—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 8 के उपनियम 3 और नियम 9 के उप नियम 2 के साथ पठित नियम 9 के उप नियम (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्श कर के एतद्द्वारा श्रीमती मैरी क्लबवाला जाधव को 14 अक्टूबर, 1970 से 31 दिसम्बर, 1970 तक उक्त बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल का फिर से सदस्य नियुक्त किया है ।

[संख्या फा० 11/10/69-एफ० (सी०)]

S.O. 3577.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 8 read with sub-rule 2 of rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby re-appoints the following persons after consultation with the Central Board of Film Censors as a member of the Advisory Panel of the said Board at Bombay with effect from 14th October, 1970 to 31st December, 1970.

1. Prof. R. N. Pandey.
2. Dr. (Miss) Lobhuben S. Soneji.

[No. 11|12|69-F(C).]

एस० ओ० 3577 .—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावलि, 1958 के नियम 9 के उप नियम 2 के साथ पठित नियम 8 के उप नियम (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्श करके एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को 14 अक्टूबर, 1970 से 31 दिसम्बर, 1970 तक उक्त बोर्ड के बम्बई सलाहकार पैनल का फिर से सदस्य नियुक्त किया है :—

1. प्रोफेसर आर० न० पांडे ।
2. डा० (मिस) लभुबेन एस० सोनेजी ।

[संख्या फा० 11/12/69-एस (.सी.)]

New Delhi, the 15th October 1970

S.O. 3578.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 8 read with sub-rule 2 of rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby reappoints Smt. Leela Damodara Menon as a member of the Advisory Panel, Central Board of Film Censors, at Madras with effect from 26th October, 1970 to 31st December, 1970.

[No. 11|10|69-F(C).]

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर, 1970

एस० ओ० 3578 .—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उप नियम 2 के साथ पठित नियम 8 के उप नियम (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने एतद्द्वारा श्रीमती लीला दामोदर मेनन को 26 अक्तूबर, 1970 से 31 दिसम्बर, 1970 तक केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल का फिर से सदस्य नियुक्त किया है ।

[संख्या फाइल 11/10/69–एफ0सी0]

S.O. 3579.—In exercise of the powers conferred by section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 8 read with sub-rule 2 of rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby reappoints Shri Vicki Kapoor after consultation with the Central Board of Film Censors as a member of the Advisory Panel of the said Board at Bombay with effect from 31st October, 1970 to 31st December, 1970.

[No. 11|12|69-F(C).]

VIRENDRA D. VYAS, Dy. Secy.

एस0 ओ0 3579 .—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावली 1958 के नियम 9 के उप नियम 2 के साथ पठित नियम 8 के उप नियम (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्श करके एतद्द्वारा श्री विकी कपूर को 31 अक्तूबर, 1970 से 31 दिसम्बर, 1970 तक उक्त बोर्ड के बम्बई सलाहकार पैनल का फिर से सदस्य नियुक्त किया है ।

[संख्या फाइल 11/12/69–एफ० सी०.]

वीरेन्द्र देव व्यास, उप सचिव ।

ORDER

New Delhi, the 22nd October 1970

S. O. 3580.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of the Section 12 and Section 16 of the Cinematorgraph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-Section (3) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act 1953 (Bombay Act XI of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	Maharashtra News No. 220	296·00 M	Director or Publicity, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.		Film dealing with news & current events (For release in Maharashtra Circuit only).

[No. F. 28/1/70-FP App. 1513]

K. K. KHAN, Under Secy

आदेश

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर 1970

एस० ओ० 3580.—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्द्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म, को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तरों सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37 वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16.

(2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 11वां बम्बई अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (3) तथा 9.

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं को फिल्म है या डाकुमैन्ट्री फिल्म है
	2	3	4	5	6
(1)	महाराष्ट्र समाचार संख्या 220	296.00 मीटर	समाचार निदेशक फिल्म सेन्टर, बम्बई 34	महाराष्ट्र सरकार, 68 तारदेव रोड,	समाचार और सामयिक घटनाओं को फिल्म (केवल महाराष्ट्र सर्किट के लिये)।

संख्या फ० 28/1/70—एफ० पी० परिशिष्ट 1513

क० क० खान, अवर सचिव ।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 17th October 1970

S.O. 3581.—In exercise of the powers conferred by sub-regulations (1), (2), (3) and (4) of regulation 11 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Central Government hereby constitutes the Board of Mining Examinations, in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) No. S.O. 2634, dated the 27th July, 1967, with the Chief Inspector of Mines as its Chairman and appoints the following persons as members of the Board for a period of three years, namely:—

Chairman

1. Chief Inspector of Mines (Ex-office)

Members

2. Shri L. D. Hughes, General Manager, M/s. Bengal Coal Co. Ltd., P. O. Sanctoria, Distt. Burdwan, West Bengal.
3. Shri K. Rai, General Manager, (Karanpura), M/s. National Coal Development Corporation Ltd., P. O. Barkakhana, Ditt. Hazaribagh.
4. Shri S. K. Nargundkar, Executive Adviser, The East Indian Coal Company Ltd., P. O. Jealgora, Distt. Dhanbad.
5. Shri R. N. Sharma, Chief Mining Engineer, M/s. Tata Iron and Steel Company Ltd., Jamadoba, P. O. Jealgora, Distt. Dhanbad.
6. Dr. K. N. Sinha, Director, Central Mining Research Station, Council of Scientific & Industrial Research, Dhanbad, P. O. Dhanbad, Distt. Dhanbad.

[No. 3/2/70-MI.]

श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 17 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3581:—कोयला खान विनियम 1957 के विनियम 11 के उपविनियम (1), (2), (3) और (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2634 तारीख 27 जुलाई, 1967 को अधिक्रांत करते हुए एक खनन परीक्षा-बोर्ड गठित करती है जिसका अध्यक्ष मुख्य खान निरीक्षक होगा। और निम्नलिखित व्यक्तियों को तीन वर्ष की कालावधि के लिए उस बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात :—

1. मुख्य खान निरीक्षक (पदेन)	अध्यक्ष
2. श्री एल० एल० डी० ह्यूस, महा प्रबन्धक, मेसर्स बंगाल कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर सैंक्टोरिया, जिला बर्दवान, पश्चिमी बंगाल	सदस्य
3. श्री के० राय, महा प्रबन्धक (कर्णपुरा), मेसर्स राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, डाकघर बड़काखाना जिला हजारीबाग	सदस्य
4. श्री एस० के० नरगुन्डकर, कार्यकारी सलाहकार, दि ईस्ट इंडियन कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर जियलगोड़ा, जिला धनबाद	सदस्य
5. श्री आर० एन० शर्मा, मुख्य खनन इंजीनियर, मेसर्स टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड, जामदोबा डाकघर जियलगोड़ा, जिला धनबाद	सदस्य
6. डा० के० एन० सिन्हा, निदेशक, केन्द्रीय खान अनुसंधान केन्द्र, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसन्धान परिषद, धनबाद, डाकघर धनबाद, जिला धनबाद।	सदस्य

[सं 3/2/70—एम०]

S.O. 3582—In exercise of the powers conferred by sub-regulations (1), (2), (3) and (4) of regulation 11 of the Metalliferous Mines Regulations, 1961, the Central Government hereby constitutes a Board of Mining Examinations, in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) No. S.O. 2631, dated the 26th July, 1967, with the Chief Inspector of Mines as its Chairman and appoints the following persons as members of that Board for a period of three years, namely:—

Chairman

1. Chief Inspector of Mines
(Ex-officio)

Members.

2. Shri T. B. Malhotra,
Managing Director,
Uranium Corporationof India
Jaduguda Mines,(Singhbum).
3. Shri P. N. Vijaya Raghavan,
Superintendent
Mysore/Champion Reef Amalgamated
Mines, K.G.F., Oorgaum.
4. Shri S. S. Manjrekar,
Assistant General Superintendent
(Mines), Noamundi Iron Ore Mines,
P.O. Noamundi (Singhbhum).
5. Shri H. N. Chopra,
Agent, M/s Indian Iron & Steel Co. Ltd.,
Gua Ore Mines, P.O. Gua,
Distt. Singhbhum.
6. Dr. K. N. Sinha,
Director,
Central Mining Research Station,
Council of Scientific & Industrial
Research, Dhanbad, P.O. Dhanbad,
Distt. Dhanbad.

[No. 3/3/70-MI]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

का० आ० 3582—धातु उत्पादक खान विनियम, 1961 के विनियम 11 के उपविनियम (1), (2) (3), और (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2631 तारीख 26 जुलाई, 1967 को अधिक्रांत करते हुए एक खनन परीक्षा-बोर्ड गठित करती है जिसका अध्यक्ष मुख्य खान निरीक्षक होगा और निम्नलिखित व्यक्तियों को तीन वर्ष की कालावधि के लिए उस बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात्:—

1.	मुख्य खान निरीक्षक (पदेन)	अध्यक्ष
2.	श्री टी० बी० मल्होत्रा, प्रबन्ध निदेशक, भारतीय यूरेनियम निगम, जादुगुडा खान, (सिंहभूम)	सदस्य
3.	श्री पी० एन० विजय राघवन, अधीक्षक, मैसूर/चैम्पियन रीफ अमलगमेटड माइन्स, के० जी० एफ० ऊरगांव	सदस्य
4.	श्री एम० एस० मन्जरेकर, सहायक महा-अधीक्षक (खान), नोआमंडी लौह अयस्क खान, डाकघर नोआमंडी (सिंहभूम)	सदस्य
5.	श्री एच० एन० चोपड़ा, अभिकर्ता, मेसर्स इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटड, गुआ अयस्क खान, डाकघर गुआ जिला सिंहभूम	सदस्य
6.	डा० के० एन० सिन्हा, निदेशक, केन्द्रीय खनन अनुसंधान केन्द्र, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद धनबाद डाकघर धनबाद, जिला धनबाद	सदस्य

[सं० 3/3/70-एम -1]

आर० कुन्जीथापदम्

अवर सचिव (एफ० एम०)

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 17th October 1970

S.O. 3583.—In pursuance of clause (c), of sub-paragraph (1) of paragraph 4 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, the Central Government hereby appoints Shri Atmaram Bhogilal Sutaria as a member of the Regional Committee set up for the State of Gujarat and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Department of Social Security No. S.O. 1721, dated the 18th May, 1965, namely:—

In the said notification, against item 5, for the entry in the first column, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Atmaram Bhogilal Sutaria, B-11, New Cloth Market, Ahmedabad-2".

[No. 12(7)67-PF.II.]

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 17 अक्तूबर 1970

का० आ० 3583 कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम 1952 के पैरा 4 के उपपैरा (1) के खण्ड (ग) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आत्मा राम भोगीलाल सुतरिया को गुजरात राज्य के लिये स्थापित प्रादेशिक समिति का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के भूतपूर्व सामाजिक सुरक्षा विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 1721, तारीख 18 मई, 1965 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात :—

उक्त अधिसूचना में मद 5 के सामने प्रथम स्तम्भ में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायगी अर्थात :—

"श्री आत्माराम भोगीलाल सुतरिया,
बी—11 न्यू क्लाथ मार्केट,
अहमदाबाद—2"

[संख्या 12(7)/67-पी० एफ०/II]

New Delhi, the 21st October 1970

S.O. 3584.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hazarat and Company, 12, Sidhpura Industrial Estate, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62, including its branch at Khoshed Building, Sir P. M. Road, Bombay-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1969.

[No. 8/130/70/PF-II(i).]

नई दिल्ली, 21 अक्तूबर 1970

का० आ० 3584.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स हजरत एण्ड कम्पनी 12 सिद्धपुरी इंडस्ट्रियल एस्टेट एस० वी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम) मुम्बई, 62 नामक स्थापन जिसमें इसकी खोशेद बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड, मुम्बई, 1 की शाखा सम्मिलित है से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1969 की जुलाई के इकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/130/70पी० एफ० 2-(i)]

S.O. 3585.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st July, 1969, the establishment, known as Messrs Hazarat and Company, 12, Sidhpura Industrial Estate, S. V. Road, Goragaon (West), Bombay-62 including its branch at Khoshed Building, Sir P. M. Road, Bombay-1 for the purposes of the said proviso.

[No. 8/130/70/PF-II (ii).]

का० आ० 3585 कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात एतद्द्वारा मैसर्स हजरत एण्ड कम्पनी, 12 सिद्धपुरा इंडस्ट्रीयल एस्टेट, एस० वी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), मुम्बई-62 नामक स्थापना को जिसमे इसकी खोशेद बिल्डिंग सर पी० एम० रोड, मुम्बई-1 की शाखा सम्मिलित है, 31 जुलाई, 1969 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या 8/130/70—पी० एफ० 2]

S.O. 3586.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Chittoor District Co-operative Printing Press Limited., Gandhi Road Chittoor, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1970.

[No. 8/65/70/PF.II(i).]

का० आ० 3586.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स दि चित्तूर डिस्ट्रिक्ट कॉआपरेटिव प्रिंटिंग प्रेस लिमिटेड, गांधी रोड, चित्तूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहियें;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद् द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1970 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 3/65/70-पी०एफ०2(i)

S.O. 3587.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Accurate Moulds and Dies, United Industrial Estate, Shanti Nagar, Vakola Pipe Line, Santa Cruz, Bombay-55 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the 28th day of February, 1970.

[No. 8/131/70/PF-II(i).]

का० आ० 3587.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स एक्यूरेट मोल्ड्स एण्ड डाईज, यूनाइटड इण्डस्ट्रियल एस्टेट, शान्ति नगर, वकोला पाइप लाइन, शान्ताक्रुज, मुम्बई-55 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1970 की फरवरी के अठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/131/70-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 3588.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 28th February, 1970 the establishment known as Messrs Accurate Moulders and Dies, United Industrial Estate, Shanti Nagar, Vakola Pipe Line, Santacruz, Bombay-55 for the purposes of the said proviso.

[No. 8/131/70-PF.II(ii).]

का० आ० 3588.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा मैसर्स एक्यरेट मोल्डड्स एण्ड डाईज, युनाइटेड इण्डस्ट्रियल एस्टेट, शान्तिनगर, वकोला पाइप लाइन शान्ताक्रुज, मुम्बई 55 नामक स्थापन को 28 फरवरी, 1970 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या 8/131/70-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 3589.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Surendra Industries, Village Beraberi, Post Office R-Gopalpur, District 24-Parganas, including its office at 21A, R. G. Kar Road, Calcutta-4 and Godown at Daspara, Ultandanga, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1969.

[No. 8|119|70-PF.II.]

का० आ० 3589.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुरेन्द्र इडस्ट्रीज, गांव बेराबेरी, डाकघर आर-गोपालपुर, जिला 24-परगना नामक स्थापन, जिसमें 21ए, आर० जी० कार रोड कलकत्ता-4 का इसका कार्यालय और दासपाड़ा, उल्टाडांगा का गोदाम सम्मिलित है से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1969 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० 8/119/70-पी० एफ० 2)]

S.O. 3590.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gemini Studios, 'Movieland' 121, Mount Road, Madras-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1969.

[No. 8/33/70-PF.II(ii).]

का० आ० 3590.—यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स जेमिनि स्टूडियोज 'मूवी लैंड' 121 माउंट रोड मद्रास-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1969 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/33/70-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 3591.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 1st May, 1969, the establishment known as Messrs Gemini Studios, 'Movieland' 121, Mount Road, Madras-6 for the purposes of the said proviso.

[No. 8|33|70-PF.II(ii).]

का० आ० 3591.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा मेसर्स जेमिनि स्टूडियोज, मूवीलैंड 121 माउंट रोड मद्रास-6 नामक स्थापन को प्रथम मई, 1969 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या 8/33/70-पी०एफ02(ii)]

S.O. 3592.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment, known as Messrs Nissho-Iwai Company Limited, Mehar Chambers, 2nd Floor, Nicol Road, Ballard Estate, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1969

[No. 8/115/70/PF.II(i).]

का० आ० 3592.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स निस्सो-इवई कम्पनी लिमिटेड, मेहर चेम्बर्स, दूसरी मंजिल, निकाल रोड, बेलार्ड एस्टेट, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या 8/115/70-पी० एफ० 2(i)]

S.O. 3593.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 5 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 1st March, 1969, the establishment known as Messrs. Nissho-Iwai Company Limited, Mehar Chambers, 2nd Floor, Nicol Road, Ballard Estate, Bombay-1, for the purposes of the said proviso.

[No. 8/115/68-PF.II(ii).]

का० आ० 3593.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा मेसर्स निस्सो-इवई कम्पनी लिमिटेड, मेहर चेम्बर्स, दूसरी मंजिल, निकाल रोड, बेलार्ड एस्टेट, मुम्बई-1 नामक स्थापन को प्रथम मार्च 1969 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० 8/115/70-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 3594.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Royal Talkies, 1527, C Ward, Laxmipuri, Kolhapur have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1969.

[No. 8/8/70-/PF-II.]

का० आ० 3594.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स रायल टाकीज, 1527, सी-वार्ड, लक्ष्मीपुरी, कोल्हापुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1969 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

संख्या 8/8/70-भ० नि० 2]

S.O. 3595.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Anjilivel Estate, Parakkuttom, Post Office Adoor, Kunnathur Taluk, Kerala State have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment with effect from the 30th September 1970.

[No. 8/97/70-PF.II.]

का० आ० 3595.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स अंजिलिवेल एस्टेट, परक्कुट्टाम, डाकघर अडूर, कुन्नाथुर तालुक, केरल राज्य नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा तीस सितम्बर 1970 से लागू करती है ।

[संख्या 8/97/70-पी० एफ० 2]

S.O. 3596.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), read with paragraph 27A of the Employees' Provident Funds Scheme 1952, the Central Government hereby exempts from the operation of the said scheme, the class of employees constituting the clerical and subordinate staff of M/s. Carrit Moran and Company Private Limited, No. 9, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1, (hereinafter referred to as the said establishment) who are entitled to the provident fund benefits and gratuity of the said establishment which are not less favourable than the benefits provided under the said Act and the Scheme subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said establishment shall, in respect of said class of employees, maintain such accounts, submit such returns by the 25th of every month, provide such facilities for inspection by the Provident Fund Inspectors, as the Central Government may direct from time to time.

(2) The employer of the said establishment shall pay to the Employees' Provident Fund in respect of such class of employees inspection charges at such rates as may be specified by the Central Government from time to time.

(3) The employer shall invest the provident fund collections in respect of such class of employees in such manner as the Central Government may direct from time to time.

(4) Where any of the said employees leaves the service of the establishment and obtains re-employment in another establishment to which this Act applies, the employer of the said establishment, shall transfer, within such time as may be specified in this behalf by the Central Government, the amount of accumulations to the credit of that employee in the provident fund of the said establishment left by him to the credit of the said employee in the provident fund of the establishment in which he is re-employed or, as the case may be, in the Fund established under the scheme applicable to the establishment.

(5) The employer of the said establishment shall not at any time after the exemption, without leave of the Central Government, reduce the total quantum of benefits in the nature of provident fund and gratuity which such class of persons were entitled at the time of exemption.

[No. 11(24)/67-PF.II.]

का० आ० 3596 कर्मचारी भविष्य निधि-स्कीम, 1952 के पैरा 27क के साथ पठित धारा 17 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त स्कीम के प्रवर्तन से कर्मचारियों के ऐसे वर्ग को जो मेसर्स कैरिट मोरन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, नं० 9 आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) के लिपिकवर्गीय और अधीनस्थ कर्मचारिवृन्द का गठन करता है और जो उक्त स्थापन की ऐसी भविष्य निधि प्रसुविधाओं और उपदान के हकदार हैं जो उक्त अधिनियम और स्कीम के अधीन उपबन्धित प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं है निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन रहते हुए एतद्द्वारा छूट देती है, अर्थात् :—

(1) उक्त स्थापन का नियोजक कर्मचारियों के उक्त वर्ग के सम्बन्ध में, ऐसा लेखा रखेगा, हर मास की 25 तारीख तक ऐसी विवरणियां देगा, भविष्य निधि निरीक्षकों द्वारा निरीक्षण किए जाने की ऐसी सुविधाओं की व्यवस्था करेगा जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

(2) उक्त स्थापन का नियोजक कर्मचारियों के ऐसे वर्ग के सम्बन्ध में कर्मचारी भविष्य निधि में ऐसी दरों पर निरीक्षण प्रभारों का संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं ।

(3) नियोजक, कर्मचारियों के ऐसे वर्ग के सम्बन्ध में भविष्य निधि संग्रहणों को ऐसी रीति से विनिहित करेगा जिसे केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

(4) जहां उक्त कर्मचारियों में से कोई उक्त स्थापन को सेवा छोड़ता है और ऐसे किसी अन्य स्थापन में पुनः नियोजन अभिप्राप्त करता है जिसे यह अधिनियम लागू होता है वहां उक्त स्थापन का नियोजक, ऐसे समय के भीतर जिसे इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, उस कर्मचारी के खाते में, उक्त स्थापन को जिसे उसमें छोड़ दिया है, भविष्य निधि में संचित रकम का अन्तर उस स्थापन की, जिसमें वह कर्मचारी पुनः नियोजित किया जाता है, भविष्य निधि में, या उस स्थापन को लागू स्कीम के अधीन स्थापित निधि में, जैसी भी स्थिति हो उसके जमा खाते में कर देगा ।

(5) उक्त स्थापन का नियोजक छूट के पश्चात् किसी भी समय, भविष्य निधि और उपदान की कृति की ऐसी प्रसुविधाओं को पूर्ण मात्रा को, जिनको ऐसा व्यक्ति-वर्ग छूट के समय हकदार था, केन्द्रीय सरकार की इजाजत के बिना कम नहीं करेगा ।

[सं० 11(24)/67-म० नि०-2]

S.O. 3597.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tyresoles Goa Limited, Post Box No. 33, Margao, Goa, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1964.

[No. 8/7/70-PF.II.]

का० आ० 3597 यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टायर सोल्स गोवा लिमिटेड, पोस्ट बोक्स संख्या 33, मारगोवा, गोवा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1964 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/7/70—पी० एफ० 2]

S.O. 3598.—Whereas it appears to8 t8he Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment, known as Messrs WMI Calcutta Private Limited, 10, Middleton Row, Calcutta-16 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1969.

[No. 8/116/70/PF. II (1).]

का० आ० 3693.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स डब्ल्यू एम आई कलकत्ता प्राइवेट लिमिटेड, 10, मिडलटन रोड, कलकत्ता-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1969 के अप्रैल के तीसव दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/116/70-पी0एफ0-2(1),]

S.O. 3599.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 30th April, 1969; the establishment, known as Messrs WMI Calcutta Private Limited, 10, Middleton Row, Calcutta-16 for the purposes of the said proviso.

[No. 8/116/70-PF. II (ii).]

का० आ० 3699.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा मेसर्स डबल्यू एम आई कलकत्ता प्राइवेट लिमिटेड, 10 मिडलटन रोड, कलकत्ता-16 नामक स्थापन को 30 अप्रैल, 1969 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या 8/116/70-पी0एफ0-2(ii)]

S.O. 3600.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and all the employees in relation to the establishment known as Messrs Anand Flour Mills Limited (Registered Office), 36, Chowringhee Road, Calcutta-16 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1969.

[No. 8/118/70-P.F. II (1).]

का० आ० 3600.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स आनन्द फ्लोर मिल्स लिमिटेड (रजिस्टर्ड आफिस), 36, चौरंगी रोड कलकत्ता-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और सभी कर्मचारी इस बात पर सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को एतद्द्वारा लागू करती है।

यह अधिसूचना 1969 के नवम्बर के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/118/70-पी0एफ0 (i)]

S.O. 3601.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies, with effect from the 30th November, 1969, the establishment known as Messrs Anand Flour Mills Limited (Registered Office), 36, Chowranghee Road, Calcutta-16 for the purposes of the said proviso.

[No. 8/118/70-PF. II (ii).]

का० आ० 3601.—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् एतद्द्वारा मेसर्स आनन्द फ्लोर मिल्स लिमिटेड (रजिस्टर्ड आफिस) 36, चौरंगी रोड कलकत्ता-16 नामक स्थापन को 30 नवम्बर, 1969 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या 8/118/70-पी0एफ0-2(ii)]

S.O. 3602.—In pursuance of clause (e) of sub-section (1) of section 3A of the Coal Mines Provident Fund and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948) and read with sub-paragraph (1) of paragraph 9 of the Coal Mines Provident Fund Scheme published with the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. PF. 15(5)/48, dated the 11th December, 1948, the Central Government hereby appoints Shri W. J. Jameson as a member of the Board of Trustees, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2451 dated the 17th July, 1967, namely:—

In the said notification, against serial number 12, for the entry, "Shri G. R. Thukral M/s. Andrew Yule and Co., Ltd., 8 Clive Row, Calcutta." the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri W. J. Jameson, Bengal Coal Co., Ltd., P.O. Dishergarh, Dt. Burdwan, West Bengal."

[No. F. 4(5)67-PF-I.]

का० आ० 3602.—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं पी0 एफ0 15(5)/48 तारीख 11 दिसम्बर, 1948 के साथ प्रकाशित कोयला खान भविष्य निधि स्कीम के पैरा 9 के उपपैरा (1) के साथ पठित कोयला खान भविष्य निधि और बोनस स्कीम अधिनियम 1948 (1948 का 46) की धारा 3क की उपधारा (1) के खण्ड (ङ) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री डब्ल्यू0 जे0 जेम्सन को न्यासीबोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के

श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2451 तारीख 17 जुलाई, 1967 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम संख्या 12 के सामने "श्री जी० आर० ठुकराल मेसर्स एड्रियु यूल एण्ड कम्पनी लिमिटेड, 8 क्लाइव रो, कलकत्ता।" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"श्री डब्ल्यू० जे० जेम्सन,
बंगाल कोल कम्पनी लिमिटेड
डाकघर दिशेरगढ़,
जिला बर्दवान,
पश्चिमी बंगाल ।"

[सं० 4(5)/67 पी० एफ० I]

S.O. 3603.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies that, with effect from the 31st March, 1969 section 6 of the said Act shall in its application to Messrs Hursookdas Balkissendas, 22, Burtolla Street, Calcutta-7 be subject to the modification that for the words "Six and a quarter per cent", the words "eight per cent" were substituted.

[No. 8/169/69-PF II (ii).]

का० आ० 3603—कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात एतद्द्वारा यह विनिर्दिष्ट करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 6 इक्तीस मार्च, 1969 से मेसर्स हुरसुकदास बाल किशन दास, 22, बड़तल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता—7 को लागू होने के सम्बन्ध में इस उपांतरण के अध्यधीन होगी कि "सवा छह प्रतिशत" शब्दों के स्थान पर "आठ प्रतिशत" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएं ।

[सं० 8/169/69-पी० एफ० II (ii).]

New Delhi, the 22nd October 1970

S.O. 3604.—Whereas the State Government of Mysore, has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Dr. H. G. Sattur, Director of Health and Family Planning Services, Government of Mysore to be a member of the Medical Benefit Council in place of Dr. H. Shama Sastry;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2899 dated the 27th September, 1966, namely:—

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of section 10)", for the entry against item (12), the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. H. G. Sattur, Director of Health and Family Planning Services, Government of Mysore, Bangalore."

[No. F. 3/3/69-HI-(i).]

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1970

का०आ० 3604.—यतः मैसूर राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अनुसरण में डा० एच० जी० सत्तुर, निदेशक, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन सेवा, मैसूर राज्य सरकार, बैंगलूर को डा० एच० शामा शास्त्री के स्थान पर कर्मचारी चिकित्सा प्रसुविधा परिषद् का सदस्य नामनिर्दिष्ट किया है :

अतः अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2899 तारीख 27 सितम्बर, 1966 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में "(सबंधित राज्य सरकारों द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मद (12) के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

"डा० एच० जी० सत्तुर,
निदेशक, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन सेवा, बैंगलूर।"

[सं० फा० 3/3/69-एच आई]

S.O. 3605.—Whereas the State Government of Orissa, has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Dr. N. N. Parida, Administrative Medical Officer, Employees' State Insurance Scheme, Government of Orissa to be a member of the Medical Benefit council in place of Dr. B. K. Acharaya;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2899, dated the 27th September, 1966, namely:—

In the said notification, under the heading "(Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of section 10)", for the entry against item (13), the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. N. N. Parida, Administrative Medical Officer, Employees State Insurance Scheme, Government of Orissa, Bhubaneswar."

[No. F 3/3/69-HI-(ii).]

का० आ० 3605.—यतः उड़ीसा राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अनुसरण में एन० एन० परीदा, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम, उड़ीसा सरकार को डा० बी० के० आचार्य के स्थान पर कर्मचारी चिकित्सा प्रसुविधा परिषद का सदस्य नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और

पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2899, तारीख 27 सितम्बर, 1966 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "संबंधित राज्य सरकारों द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मद (13) के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

"डा० एन० एन० परीदा,
प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा स्कीम,
उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर"

[सं० फा० 3/3/69-एच आई]

S.O. 3606.—In exercise of th epowers conferred by section 73F of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2971 dated the 16th July, 1969 the Central Government, having regard to the location of the Central Engineering Workshop, Bangalore, belonging to the Bangalore Municipal Corporation in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said workshop from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 4th July, 1970 upto and inclusive of the 3rd July, 1971.

[No. F. 601(12)/70-HI.]

का० आ० 3606.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2971 तारीख 16 जुलाई 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार बैंगलूर नगर निगम की सैन्ट्रल, इंजीनियरिंग वर्कशाप, बैंगलूर की ऐसे क्षेत्र में जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 4 जुलाई 1970 से 3 जुलाई 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(12)/70-एच आई]

New Delhi, the 23rd October 1970

S.O. 3607.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government, having regard to the location of the factories, specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in areas, specified in column (3) of the said Schedule in the State of Kerala in which the provisions of Chapter IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the official Gazette or until the enforcement of provision of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

Serial No.	Name of District	Name of Area	Name of Factory
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Cannanore	Kanhirode	M/s. Kanhirode Weavers Co-operative Production and Sales Society Limited No. LL44 Koodali.
2.	Ernakulam	Chaupannur	M/s. Grace Tiles Works, Angamaly.
		Kanayannur	M/s. O.E.N. India Limited Mulanthuruthy.
3.	Kothayam	Konnathady	M/s. Panniar Power Station, Vellathuval.
		Changanacherry	M/s. Vijaya Match and Timber Industries.
4.	Quilon	Paravoor	M/s. Flarco, Paravoor.
		Thekkumbagaom	M/s. Kerala Seafoods, Neendakara.
5.	Trichur	Vadakkmuri	M/s. Resionons and Chemicals Products.

[No. F. 602(25)/70-HI.]

नई दिल्ली, 23 अक्तुबर, 1970

का० आ० 3607.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट कारखानों की उक्त अनुसूची के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट केरल राज्य के क्षेत्र में जिनमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखानों को उक्त अधिनियम के अध्याय 5—क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के लिए या तब तक के लिए जब तक उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उन क्षेत्रों में प्रवृत्त नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है।

अनुसूची

क्रम संख्या	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	कन्नानूर	कान्ही रोड	मैसर्स कान्ही रोड वीवर्स कोआपरेटिव प्रोडक्शन एण्ड सेल्स सोसाइटी लिमिटेड, सं० एल एल 44 कूडली।
2.	एर्नाकुलम	चौपन्नूर	मैसर्स ग्रेस टाइल्स वर्क्स, अंगामेलीग।
		कनायान्नूर	मैसर्स ओ० ई० एन इंडिया लि०, मुलन थुरुथी।

क्रम संख्या	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
3.	कोट्टायम	कोन्नाथडी	मसर्स पल्लियर पवर स्टेशन, वेल्ला-थुवल ।
		चंगन्नचेरि	मैसर्स विजय मेच एण्ड टिम्बर-इंडस्ट्रीज ।
4.	क्विलान	परावूर	मैसर्स फनारको, परावूर ।
		थेक्कुमबगाओम	मैसर्स केरल सी फूड्स, निदंकारा ।
5.	त्रिचूर	वडक्कुमुरी	मैसर्स रेजिनन्स एण्ड केमिकल्स प्रोडक्टस ।

[सं० फा० 602(25)/70-एच० आई०]

S.O. 3608.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2766, dated the 4th July, 1969, the Central Government, having regard to the location of the factory, namely, the Government Text Book Press, Mysore in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 29th June, 1970 upto and inclusive of the 28th June, 1971.

[No. F. 601(16) 70-HI.]

का० आ० 3608.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2766 तारीख 4 जुलाई 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार सरकारी पाठ्य-पुस्तक मुद्रणालय, मैसूर की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त मुद्रणालय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 29 जून, 1970 से 28 जून, 1971, तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(16)/70-एच० आई०]

S.O. 3609.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2521, dated the 21st June, 1969 the Central Government having regard to the location of the factory, namely, Bombay Electric Supply and Transport Undertakings Bus Garage at Wadala, Bombay, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 10th June, 1970 upto and inclusive of the 9th June, 1971.

[No. F. 601(7)70-HI.]

का० आ० 3609.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2521 तारीख 21 जून,

1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार कारखाने, अर्थात मुम्बई विद्युत प्रदाय और परिवहन उपक्रम बस गैरेज, वडाला, मुम्बई की ऐसे क्षेत्र, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 10 जून 1970 से 9 जून 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(7)/70-एच० आई०]

S.O. **3610.**—Whereas the Central Government was satisfied that Harduaganj Power Station was situated in Harduaganj area which was a sparse area (that is, an area whose insurable population was less than 500) in the district of Aligarh in the State of Uttar Pradesh;

And, whereas by virtue of its location in a sparse area, the aforesaid factory was granted exemption from the payment of the employer's special contribution under section 73-F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) until enforcement of the provisions of Chapter V of the said Act in that area by the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment, No. S.O. 2665, dated the 2nd November, 1961;

And, whereas the Central Government is satisfied that the insurable population of the Harduaganj area in the district of Aligarh in the State of Uttar Pradesh has now exceeded 500, and it is no longer a sparse area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 73-F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the said notification, namely:—

In Schedule VI to the said notification, under the heading "Agra Division" in serial No. 2, the entry "Harduaganj" in column (4) and the corresponding entries in column (2) and (5) shall be omitted.

[No. F. 603(3)/70-HI.]

का० आ० **3610.**—यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया था कि हरदुआगंज पावर स्टेशन, हरदुआगंज क्षेत्र में स्थित था जो उत्तर प्रदेश राज्य के अलीगढ जिले में विखरे हुई आबादी का क्षेत्र (अर्थात ऐसा क्षेत्र जिसकी बीमा योग्य आबादी 500 से कम थी) था ;

और, यतः बिखरी हुई आबादी के क्षेत्र में उसकी अवस्थिति के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त कारखाने को, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 2665, ता० 2 नवम्बर, 1961, द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73 च के अधीन नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से तब तक के लिए छूट दे दी थी जब तक कि उस अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उस क्षेत्र में प्रवर्तित नहीं हो जाते ;

और, यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश राज्य के अलीगढ जिले में हरदुआगंज क्षेत्र की बीमा योग्य आबादी अब 500 से बढ़ गई है, और वह अब बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र नहीं है ;

अतः अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948(1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 6 में "आगरा डिवीजन" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 2 में, (स्तम्भ 4) में "हरदुआगंज" प्रविष्टि और स्तम्भ 2 और (5) में तत्स्थानी प्रविष्टियों का लोप कर दिया जाएगा ।

[सं० फा० 603(3)/70-एच० आई०]

S.O. 3611.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2660 dated the 26th June, 1969 the Central Government, having regard to the location of the factory; namely, Drainage Main Pumping Station, Ramnad Road, Madurai belonging to the Madurai Muncipality, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 31st May, 1970 upto and inclusive of the 30th May, 1971.

[No. F. 601(14)/70-HI.]

का० आ० 3611.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2660 तारीख 26 जून, 1969 के क्रम में केन्द्रीय सरकार कारखाने, अर्थात् मदुरई नगर पालिका के ड्रेनेज मेन पंपिंग स्टेशन, राम नद रोड, मदुरई की ऐसे क्षेत्र में जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने की उक्त अधिनियम के अध्याय 5 क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 31 मई, 1970 से 30 मई, 1971 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है।

[सं० फा० 601 (14)/70-एच० आई०]

New Delhi, the 27th October 1970

S.O. 3612.—Whereas the Central Government was satisfied that Integrated Wood Industries Honnali Road was situated in Shimoga area which was a sparse area (that is, an area whose insurable population was less than 500) in the district of Shimoga in the State of Mysore;

And, whereas by virtue of its location in a sparse area, the aforesaid factory was granted exemption from the payment of the employer's special contribution under section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) until enforcement of the provisions of Chapter V of the Act in that area by the Central Government in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1117, dated the 30th March, 1966;

And, whereas the Central Government is satisfied that the insurable population of the Shimoga area in the district of Shimoga in the State of Mysore has now exceeded 500, and it is no longer a sparse area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the said notification, namely:—

In the Schedule to the said notification, Serial No. 6 and the entries relating thereto shall be omitted.

[No. F. 6/13/68-HI.]

नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3612.—यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया था कि इन्टीग्रेटेड वुड इंडस्ट्रीज होनाली रोड, शिमोगा क्षेत्र में स्थित था जो मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र (अर्थात् ऐसा क्षेत्र जिसकी बीमा योग्य आबादी 500 से कम थी) था ;

और, यतः उसकी बिखरी हुई आबादी के क्षेत्र में अवस्थिति के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त कारखाने को, भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1117, तारीख 30 मार्च, 1966 द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73घ के अधीन नियोजक के

विशेष अभिदाय के संदाय से तब तक के लिए छूट दे दी थी जब तक कि उस अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उस क्षेत्र में प्रवर्तित नहीं हो जाते;

और, यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में शिमोगा क्षेत्र की बीमा योग्य आबादी अब 500 से बढ़ गई है, और वह अब बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र नहीं है।

अतः, अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं० 6 और उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप कर दिया जाएगा।

(सं० फा० 6/13/68 एच आई)

S.O. 3613.—Whereas the Central Government was satisfied that Sub-Station, Mysore State Electricity Board was situated in Shimoga area which was a sparse area (that is, an area whose insurable population was less than 500) in the district of Shimoga in the State of Mysore;

And, whereas by virtue of its location in a sparse area, the aforesaid factory was granted exemption from the payment of the employer's special contribution under section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), until enforcement of the provisions of Chapter V of the Act in that area by the Central Government in the notification of the Government of India in the late Department of Social Security S.O. No. 946, dated the 19th March, 1965;

And, whereas the Central Government is satisfied that the insurable population of the Shimoga area in the district of Shimoga in the State of Mysore has now exceeded 500, and it is no longer a sparse area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the said notification, namely:—

In the Schedule to the said notification against Serial No. 9 the entry "Shimoga" in column 3 and the corresponding entries in column 4 shall be omitted.

[No. F. 6/13/68-HI.]

का० आ० 3613.—यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया था कि सब-स्टेशन, मैसूर राज्य विद्युत बोर्ड, शिमोगा क्षेत्र में स्थित था जो मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र (अर्थात् ऐसा क्षेत्र जिसकी बीमा योग्य आबादी 500 से कम थी) था;

और, यतः उसकी बिखरी हुई आबादी के क्षेत्र में अवस्थिति के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त कारखाने को, भारत सरकार के भूतपूर्व सामाजिक सुरक्षा विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 946, तारीख 19 मार्च, 1965 द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73 च के अधीन नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से तब तक के लिए छूट दे दी थी जब तक कि उस अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उस क्षेत्र मे प्रवर्तित नहीं हो जाते;

और, यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में शिमोगा क्षेत्र की बीमा योग्य आबादी अब 500 से बढ़ गई है, और वह अब बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र नहीं है;

अतः, अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना मे और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में क्रम सं० 9 के सामने स्तंभ 3 मे "शिमोगा" प्रविष्टि और स्तंभ 4 में तत्स्थानी प्रविष्टियों का लोप कर दिया जाएगा।

[सं० फा० 6/13/68-एच०आई०]

S.O. 3614.—Whereas the Central Government was satisfied that—

1. Government Saw Mills.
2. The Mysore Match Co. Ltd.
3. The Government Sandle Wood Industries.
4. The Central Karnatak Motor Service Ltd.
5. The Indian Hume Pipe Co. Ltd.
6. Arokya Match Factory.
7. Anand Saw Mills.

were situated in Shimoga area which was a sparse area (that is, an area whose insurable population was less than 500) in the district of Shimoga in the State of Mysore;

And, whereas by virtue of their location in a sparse area, the aforesaid factories were granted exemption from the payment of the employer's special contribution under section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), until enforcement of the provisions of Chapter V of the Act in that area by the Central Government in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 2665, dated the 2nd November, 1961;

And, whereas the Central Government is satisfied that the insurable population of the Shimoga area in the district of Shimoga in the State of Mysore has now exceeded 500, and it is no longer a sparse area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the said notification, namely:—

In Schedule I to the said notification, against Serial No. 17, the entry "Shimoga" in column 4 and the entries relating thereto in column 5 shall be omitted.

[No. F. 6/13/68-HI.]

का० आ० 3614.—यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया था कि

1. गवर्नमेंट सा मिल्स
2. दि मसूर मैच कं० लि०
3. दि गवर्नमेंट सन्दल वुड इंडस्ट्रीज
4. दि सैन्ट्रल कर्नाटक मोटर सर्विस लि०
5. दि इंडियन ह्यूम पाइप कं० लि०
6. अरोक्या मैच फैक्टरी
7. आनन्द सा मिल्स,

शिमोगा क्षेत्र मे स्थित थे जो मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र (अर्थात् ऐसा क्षेत्र जिसकी बीमा योग्य आबादी 500 से कम थी) था;

और, यतः उनकी बिखरी हुई आबादी के क्षेत्र में अवस्थिति के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त कारखानों को, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2665, तारीख 2 नवम्बर, 1961 द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73 च के अधीन नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से तब तक के लिए छूट दे दी थी जब तक कि उस अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उस क्षेत्र मे प्रवर्तित नहीं हो जाते;

और, यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में शिमोगा क्षेत्र की बीमा योग्य आबादी अब 500 से बढ़ गई है, और वह अब बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र नहीं है;

अतः, अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची 1 में, क्रम संख्या 17 के सामने, स्तंभ 4 में "शिमोगा" प्रविष्टि और स्तंभ 5 में उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप कर दिया जाएगा।

[सं० फा० 6/13/68-एच०आई०]

S.O. 3615.—Whereas the Central Government was satisfied that Bharat Founders, Garden Area, was situated in Shimoga area which was a sparse area (that is, an area whose insurable population was less than 500) in the district of Shimoga in the State of Mysore;

And, whereas by virtue of its location in a sparse area, the aforesaid factory was granted exemption from the payment of the employer's special contribution under section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), until enforcement of the provisions of Chapter V of the Act in that area by the Central Government in the notification of the Government in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3150, dated the 30th August, 1967;

And, whereas the Central Government is satisfied that the insurable population of the Shimoga area in the district of Shimoga in the State of Mysore has now exceeded 500, and it is no longer a spare area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the said notification, namely:—

In the Schedule to the said notification, Serial No. 5 and the entries relating thereto shall be omitted.

[No. F. 6/13/68-HI.]

का० आ० 3615 .—यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया था कि भारत फाउन्डर्स गार्डन एरिया, शिमोगा क्षेत्र में स्थित था जो मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र (अर्थात् ऐसा क्षेत्र जिसकी बीमा योग्य आबादी 500 से कम थी) था;

और यतः उसकी बिखरी हुई आबादी के क्षेत्र में अवस्थिति के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त कारखाने को, भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 3150 तारीख 30 अगस्त, 1967 द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च के अधीन नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से तब तक के लिए छूट दे दी थी जब तक कि उस अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उस क्षेत्र में प्रवर्तित नहीं हो जाते;

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में शिमोगा क्षेत्र की बीमा योग्य आबादी अब 500 से बढ़ गई है, और वह अब बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र नहीं है;

अतः, अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73 च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं० 5 और उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप कर दिया जाएगा ।

[सं० फा० 6/13/68 एच आई]

S.O. 3616.—Whereas the Central Government was satisfied that National Education Society Village Industries, Balrajurs Road, was situated in Shimoga area which was a sparse area (that is, an area whose insurable population was less than 500) in the district of Shimoga in the State of Mysore;

And, whereas by virtue of its location in a sparse area, the aforesaid factory was granted exemption from the payment of the employer's special contribution under section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), until enforcement of the provisions of Chapter V of the Act in that area by the Central Government in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2263, dated the 31st May, 1969;

And, whereas the Central Government is satisfied that the insurable population of the Shimoga area in the district of Shimoga in the State of Mysore has now exceeded 500, and it is no longer a sparse area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the said notification, namely:—

In the Schedule to the said notification against Serial No. 9, the entry "Shimoga" in column 3 and the corresponding entry in column 4 shall be omitted.

[No. F. 6/13/68-HI.]

का० आ० 3616.—यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया था कि राष्ट्रीय शिक्षा तोताद्री ग्राम उद्योग, बालराजुर्स रोड, शिमोगा क्षेत्र में स्थित था जो मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र (अर्थात् ऐसा क्षेत्र जिसकी बीमा योग्य आबादी 500 से कम थी) था;

और, यतः उसकी बिखरी हुई आबादी के क्षेत्र में अवस्थिति के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त कारखाने को, भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2263 तारीख 31 मार्च, 1969 द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च के अधीन नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से तब तक के लिए छूट दे दी थी जब तक कि उस अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उस क्षेत्र मे प्रवर्तित नहीं हो जाते।

और यतः केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि मैसूर राज्य के शिमोगा जिले में शिमोगा क्षेत्र की बीमा योग्य आबादी अब 500 से बढ़ गई है, और वह अब बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र नहीं है।

अतः, अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं० 9 के सामने स्तम्भ 3 में 'शिमोगा" प्रविष्टि और स्तम्भ 4 में तत्स्थानी प्रविष्टि का लोप कर दिया जाएगा।

[सं० फा० 6/13/68 एच आई]

S.O. 3617.—In pursuance of paragraph 4 of the Employees' Provident Funds Scheme 1952, the Central Government hereby sets up a Regional Committee for the State of Assam, consisting of the following persons, namely :—

Chairman

1. The Secretary to the Government of Assam, Labour Department, Shillong.

Members

2. The Deputy Secretary to the Government of Assam, Finance Department, Shillong.
3. The Commissioner of Labour, Government of Assam, Shillong. — Representatives of the State Government.
4. Shri B.P. Bakshi. Steelsworth Private Limited, Tinsukia, Assam.
5. Shri R.K. Jajodia, Lynx Machinery Limited, 23A Netaji Subhas Road, Calcutta. — Representatives of employers.
6. Shri N.M. Goswami, Personnel Officer, The Assam Match Company Limited, P.O. Dhubri, Assam.

7. Shri Barin Chowdhury, Barpathar, Tambulbari, P.O. Tinsukia, District Lakhimpur, Assam.
8. Shri Radhakanta Tanti, Assistant Secretary, Surma Upatyaka Cha Sramki Union, Kulinagar Tea Estate, Ramkrishnanagar, District Cachar, Assam.
9. Shri A.C. Saikia, General Secretary, I.N.T.U.C. Assam Branch (Non-Plantation), Ulubari, Gauhati, Assam.

} Representatives of employees.

[No. P.F.II 10(3) 59]

DALJIT SINGH, Under Secy.

का० आ० 3617.—कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 4 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा असम राज्य के लिए एक प्रादेशिक समिति की स्थापना करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे, अर्थात् :—

अध्यक्ष

1. सचिव, असम सरकार, श्रम विभाग, शिलांग।

सदस्य

2. उपसचिव, असम सरकार, वित्त विभाग, शिलांग।
3. श्रम आयुक्त, असम सरकार, शिलांग।

} राज्य सरकार के प्रतिनिधि

4. श्री बी० पी० बख्शी, स्टील्सवर्थ प्राइवेट लिमिटेड तिनसुकिया, असम।
5. श्री आर०के० जजोदिया, लिक्स मशीनरी लिमिटेड, 23-ए नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।
6. श्री एन० एम० गोस्वामी, कार्मिक अधिकारी, असम मैच कंपनी लिमिटेड, डाकघर, धुब्रि, असम।

} नियोजकों के प्रतिनिधि

7. श्री बरीन चौधरी, बरपथार, तुम्बुलबाड़ी, डाकघर तिनसुकिया, जिला लखीमपुर, असम।
8. श्री राधाकान्त तांती, सहायक सचिव, सुरमा उपत्यका चा श्रमिक यूनियन, कालीनगर टी एस्टेट, रामकृष्णनगर, जिला कछार, असम।
9. श्री ए० सी० सेकिया, महासचिव, आई० एन० टी० यू० सी० असम शाखा, (नान-प्लांटेशन), उलुबाड़ी, गोहाटी, असम।

} कर्मचारियों के प्रतिनिधि

[सं० पी० एफ० II 10(3) 59]

दलजीत सिंह, अवर सचिव।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 19th October 1970

S.O. 3618.—Whereas the Central Government, being satisfied that the public interest so required, had declared by a notification made in pursuance of the provisions of the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), [being the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1344 dated the 3rd April, 1970], the service in the uranium industry, to be a public utility service for the purpose of the said Act for a period of six months from the 20th April, 1970;

And whereas the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 20th October, 1970.

[No. F. 1/72/70-LR. I.]

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3618.—यतः केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (vi) के परन्तुक के उपबंधों के अनुसरण में एक अधिसूचना [भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं का० आ० 1344 तारीख 3 अप्रैल 1970] द्वारा यूरेनियम उद्योग में सेवा को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अप्रैल, 1970 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय कि लोक हित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है ।

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अक्तूबर 1970 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं० फा० 1/72/70-एल०आर० I]

New Delhi, the 22nd October 1970

S.O. 3619.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th October, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

PRESENT

Shri Gopal Narain Sharma,
Presiding Officer

CASE NO. CIT-5 OF 1970

Reference.—Government of India, Ministry of Labour and Employment, New Delhi Order No. 2381/69/LRIII, dated 12th January, 1970.
In the matter of an Industrial Dispute

BETWEEN

The Punjab National Bank Association, Ajmer

AND

The Punjab National Bank, New Delhi

Date of Award 25th April, 1970

AWARD

The Central Government by its order dated 12th January, 1970 referred the following dispute in relation to the employers of the Punjab National Bank Limited and their workmen to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the Management of the Punjab National Bank was justified in transferring Shri S. R. Sachdeva, Clerk-cum-Godown-keeper from Beawar to Nadbai? If not, to what relief is he entitled?

During the pendency of proceedings the parties amicably settled the dispute out of Court in the following terms and prayed for passing an award in terms of settlement:—

(1) After mutual discussions it has been agreed between the parties above-named that Shri S. R. Sachdeva will be transferred from P.O. Nadbai to an office in class III area preferably Pushkar (if it is in class III area and where the Bank's office is going to be opened shortly), near Beawar as and when there is first vacancy.

(2) It is, therefore, prayed that this Hon'ble Tribunal be pleased to give an award in terms of the above settlement.

The settlement appears to be fair and reasonable. Hence an award in the terms mentioned above is passed. It may be submitted to the Central Government for publication.

[No. 23/81/69/LRIII.]

GOPAL NARAIN SHARMA,
Presiding Officer,
Central Government Industrial Tribunal,
Rajasthan, Jaipur.

ORDERS

New Delhi, the 19th October 1970

S.O. 3620.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court with headquarters at Jullundur, constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment, No. S.O. 458, dated the 5th February, 1963;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Jasmer Singh as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[No. F. 1/59/70-LR. I.]

आदेशों

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर 1970

का० आ० 3620.—यतः भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं का० आ० 458 तारीख 5 फरवरी 1963 द्वारा गठित श्रम न्यायालय जिसका मुख्यालय जालन्धर है पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हो गया है;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री जसमेर सिंह को उपर्युक्त रूप में गठित श्रम न्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है ।

[सं० फा० 1/59/70-एल०आर०I].

New Delhi, the 22nd October 1970

S.O. 3621.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Premier Insurance Company Limited, Mysore and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government consideres it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri B. M. Jayamahadeva Prasad shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the Management of the Premier Insurance Company Limited, Mysore are justified in declaring the workmen of the Premier Insurance Company Limited, Mysore as surplus as on 1st June, 1969, and take steps to retrench them or to absorb them as fresh workmen with less favourable service conditions under the Canara Motor and General Insurance Company Limited, even though they work as group companies? If not, to what relief the workmen are entitled to?"

[No. 40/26/70-L.R. I.]

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3621.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में प्रीमियर इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० एम० जयमहादेव प्रसाद होंगे, जिनका मुख्यालय बैंगलूर होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या प्रीमियर इंश्योरेंश कम्पनी लिमिटेड, मैसूर के प्रबन्धतंत्र का प्रीमियर इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, मैसूर के कर्मकारों को प्रथम जून, 1969 की स्थिति के अनुसार अधिशेष करना और उनकी छंटनी करने के लिए कार्यवाही करना या उन्हें कनारा मोटर एंड जनरल इंश्योरेंश कम्पनी लिमिटेड के अधीन, यद्यपि वे कम्पनियों के ग्रुप के रूप में कार्य करती हैं, सेवा की कम अनुकूल शर्तों पर नए कर्मकारों के रूप में आमेलित करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[सं० 40/26/70—एल० आर० 3]

S.O. 3622.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri P. P. R. Sawhny shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Central Bank of India in not giving the officiating chances to Shri P. S. Nagpal, Clerk of their Miller Ganj branch, Ludhiana as Special Assistant is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. 23/79/70/LRIII.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

का० आ० 3622.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में सैन्ट्रल बैंक आफ इंडिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० पी० आर० साहनी होंगे जिनका मुख्यालय चंडीगढ़ होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या सैन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया के प्रबन्धतंत्र की अपनी मिलर गंज, शाखा, लुधियाना के लिपिक, श्री पी० एस० नागपाल को विशेष सहायक के रूप में स्थानापन्न के अवसर न देने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० 23/79/70—एल आर० III]

एस० एस० सहस्रनामन, अवर सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 22nd October 1970

S.O. 3623.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the Bombay Port Trust, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th October, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, BOMBAY

REFERENCE No. CGIT-2/15 OF 1968

Employer in Relation to the Bombay Port Trust, Bombay

AND

Their workmen represented by the Bombay Port Trust Employees' Union, Bombay.

PRESENT:

Shri N. K. Vani, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers—Shri R. K. Shetty, Dy. Legal Adviser, Bombay Port Trust, Bombay.

For the workmen—Shri S. K. Shetye, General Secretary, Bombay Port Trust Employees' Union, Bombay.

STATE: Maharashtra. INDUSTRY: Ports and Docks.

Dated the 29th September, 1970

AWARD

By Order No. 28/97/66-LRIV, dated 12th July, 1966, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) referred to the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, for adjudication, an industrial dispute, existing between the employers in relation to Bombay Port Trust, Bombay and their workmen represented by the Bombay Port Trust Employees' Union, Bombay, in respect of the matter set forth in the schedule, mentioned below:—

SCHEDULE

"Whether the painting of the sides above the water line of the D.S.D. 'Vikram', while lightened and anchored in stream, is a part of the normal duties of its crews? If not, to what relief are they entitled and from what date?"

2. Later on, this reference was transferred to this Tribunal No. 2 for adjudication by order No. 22/8/68-LRIII dated 25th November, 1968.

3. The facts giving rise to this reference are as follows:—

4. The employers purchased the Dredger D.S.D. 'Vikram' in the year 1962 at a cost of Rs. 84 lakhs. Thereafter Lascars and other staff were appointed on this vessel, by transfer etc.

5. Suction Dredgers, D.S.D. 'Vikram', S.D. 'Spotbill' S. D. 'Widgeon' carry out dredging operations in the channel. They are, therefore, anchored at anchorage off Princes and Victoria Docks channel, so that their movements may not be restricted depending upon the opening and closing of the Lock Gates.

6. As the dredger 'Vikram' is very big to be berthed at one of the berths of the employers, it has always to remain in the stream. The maintenance work of the dredger has to be carried out, when the vessel is lightened and anchored in the stream.

7. While Captain Dyson was the Dredging Master, in charge of 'Vikram', the Deck crew Lascars refused to obey his orders on 21st November, 1964 for painting the shipsides above the water level, while the ship was laid at anchor in the harbour off Princes Dock. The Lascars were saying that they were prepared to carry out the work provided the vessel was brought alongside the harbour wall or inside the basin but not in the harbour when it was lying at anchor. Shri Dyson, therefore, made report Ex. 6/E dated 27th November, 1964 to the Chief Engineer, Bombay Port Trust, complaining that the Lascars disobeyed his orders to carry out the work which they were doing in the past and which work was traditionally expected to be carried out by them.

8. Later on, the employers in relation to Bombay Port Trust and their workmen represented by the Bombay Port Trust Employees' Union, Bombay made a joint application to the Central Government for making reference of an industrial dispute, existing between them in respect of the matter set forth in the said application, to an Industrial Tribunal. On account of this, the present reference was made to the Tribunal, by the Government.

9. Shri S. K. Shetye, General Secretary of the Bombay Port Trust Employees' Union (hereinafter referred to as the Union') has filed written statement at Ex.1/W. According to him:—

(1) The shipside painting above the water line of the vessel while lightened and anchored in stream, is not a part of the normal duties of the crews of the vessel.

(ii) Prior to the commissioning of D.S.D. 'Vikram', the Lascars were not required to attend to the work of painting the sides of any vessel.

(iii) The work of painting the sides above water line of D.S.D. Vikram while lightened and anchored in stream involves risk and hazards to the lives of the Lascars required to attend the job.

(iv) The members of the crews of D.S.D. 'Vikram' were reluctant to attend to the work of painting the sides of the vessel in stream, as they were very much afraied of doing this work as it was full of risks. They were, therefore, persuaded to attend to the said work, by giving an assurance to refer the matter for adjudication.

(v) The members of the crews of D.S.D. Vikram, who are required to attend to the painting of the sides of the vessel in stream, be paid a special allowance of Rs. 10/- per month, per head, for doing the said work with retrospective effect from the date they are required to attend to the job.

(vi) Equity, Social justice and fair play fully justify the Lascars' claim for special allowance.

(vii) Lascars of the Dredging Section, who are required to grease wires of the Pulley Blocks of F.C. Shravan, are paid Rs. 5/- per month as special allowance, as per the decision of the Industrial Tribunal in Ref. No. CGIT-57 of 1963.

10. Shri S. D. Chittar, Secretary, Bombay Port Trust (hereinafter referred to as employer) has filed written statement and rejoinder on behalf of the Trustees of the Port of Bombay at Ex. 2/E. According to him.—

(i) The terms of the present reference are vague anad indefinite. They do not specify the category of workmen supposed to carry out the painting work of sides of the dredger 'Vikram'.

(ii) It is one of the traditional duties of the Lascars to paint the sides of the dredger above the water level while lightened and anchored.

(iii) The Lascars, in fact, have been doing this work right from the year 1962, when D.S.D. Vikram was commissioned till 1964, when they refused to carry out the said painting work at the instance of the Union.

(iv) It is one of the fundamental duties of seamen all over the world such as the Lascars to carry out vessels' maintenance work including painting the sides of the vessels above the water level, when lightened and anchored.

(v) Lascars of the Dredgers 'Widgeon' and 'Spotbill carry out the work of painting the sides of the said dredgers above the water level when they are lightened and anchored in the stream.

(vi) There is no extra ordinary risk or hazards involved in carrying out the painting above the water level in the stream.

(vii) The D.S.D. 'Vikram' is generally at anchor in the stream when not working. The painting of the ships sides has to be, therefore, carried out, while the vessel is anchored in the stream.

(viii) From the statement of claim, made by the Union, on behalf of the Lascars and the statement of duties of the Lascars, filed by the employers, before the Central Wage Board for Port and Dock Workers, it is clear that the Lascars are admittedly required to work on staging suspended above the water from the top of the jetty and do the scrapping work on staging in a risky and hazardous way. From the list of duties filed by the employers before the said Wage Board, it is clear that the workmen are required to paint outside the ship, which work includes the work of painting the sides of the dredger 'Vikram' above the water level either sitting in a boat or on a scaffold or a staging. Having admitted these duties, to be the duties of the Lascars, it is not open to them now to refuse to carry out the painting work of the sides of D.S.D 'Vikram' above the water level, when lightened and anchored, without payment of a special allowance of Rs. 10/- per head per month.

(ix) As the painting of the ships' sides above the water level when lightened and anchored form part of the normal duties of Lascars, there is absolutely no justification for payment of special allowance at the rate of Rs. 10/- per head per month or any lesser sum for doing the said work.

(x) Any direction to pay a special allowance to the Lascars would create an anomalous situatinon in the Port Trust and would lead to similar claims from other Lascars employed elsewhere in the Port.

(xi) As the term 'retrospective effect' has not been used in the terms of reference, the question of giving any retrospective effect prior to the date of 12th July, 1966 *i.e.* the date of order of reference does not arise.

(xii) If the Union's demand is conceded, it would introduce an element of anomaly in their scales of pay.

(xiii) As per Award in CGIT-57 of 1963 the special allowance of Rs. 5/- is paid to the Lascars of F.C. 'Shrawan', who actually do the work of greasing wires of the Pulley Blocks for each occasion and not per month.

11. Points for consideration are as follows:—

(i) Whether the painting of the sides above the water line of D.S.D. 'Vikram' while lightened and anchored in stream is a part of the normal duties of its crews?

(ii) If not, to what relief are they entitled and from which date.

12. My findings are as follows:

(i) Yes.

(ii) Does not survive.

Reasons

13. The Employers in their written statement Ex. 2/E contend that the terms of reference are vague and indefinite, that they do not specify the category of workmen which is supposed to carry out the painting work of sides of the dredger 'Vikram' and that there is no specific mention of the category on behalf of which the relief is demanded.

14. The categories of workmen which constitute the members of the crew of the D.S.D. 'Vikram' are as follows:—

(i) Master Grade I.

(ii) Mate Grade I.

(iii) Mate Grade II.

(iv) Seacunny.

(v) Winchman.

(vi) Cook.

(vii) Boy.

(viii) Bhandary.

(ix) Engine Room crew.

(x) Lascars.

15. Captain E. S. Marttyres has been examined as a witness on behalf of the Bombay Port Trust *i.e.* the employers at Ex. 8/E. His evidence shows that Lascars are only concerned with actual painting work, and that other categories of deck staff do not paint the sides of the ship. The evidence of Captain Gomes (Ex. 9/E) also shows that Lascars on Pilot Vessel 'Venu' do the duties of painting outside the vessel when anchored and that other categories of deck staff on Pilot Vessel do not paint, the outside of the ship. Abdul Rehman Surve (Ex. 10/W) examined on behalf of the employees by the Union does not say in his evidence that other categories of deck staff on 'Vikram', do painting work. His evidence shows that Lascars are doing painting work. There can be, therefore, no doubt, that only Lascars are concerned with painting work and that this reference relates to them only.

16. As the refernece stands, it is vague, but the facts in record clearly show that the dispute is regarding the painting of the sides above the water line of D.S.D. 'Vikram' when lightened and anchored in stream and that only Lascars on 'Vikram' are involved in this case. The Union has raised dispute on behalf of Lascars, and claimed relief for them. Hence the vagueness in terms of reference is not fatal in this case.

17. Admittedly, D.S.D. 'Vikram' was commissioned in 1962. Suction Dredgers D.S.D. 'Vikram', S.D. 'Spotbill', S.D. 'Widgeon' carry out dredging operations in the channel. They are anchored at anchorage off the Princes and Victoria Docks.

channel so that their movements may not be restricted depending upon the opening and closing of the Lock gates. The dredger vikram is too big to be berthed at one of the berths of the employers. It has always to remain in the stream, and the maintenance work of this dredger has to be carried out when the vessel is lightened and anchored in the stream.

18. The Union's contention is that the Ship side painting above the water line of the vessel while lightened and anchored in stream is not a part of the normal duties of the crews of the vessel *i.e.* the Lascars. In support of this contention reliance is placed on the testimony of Lascar Shri Abdul Rehiman Surve (Ex. 10/W)

19 Shri Abdul Rahiman Surve (Ex. 10/W) is a Lascar, working on 'Vikram' since 1962. According to him:—

(i) In the beginning for about 2 years, he did not do shipside painting work. He was not asked to do this work, during this period. No other Lascar was asked to do painting work. At this time, they were required to do painting work inside. During Survey period entire work of painting outside of ship was done by the contractor.

(ii) Shri Dyson was the Dredging Master. He asked the Lascars to do painting of outside of the ship for the first time. Prior to Shri Dyson Shri Samson was the Sr. Dredging Master, working on 'Vikram'. He never asked the Lascars to do painting outside of the vessel.

(iii) It cannot be said that shipside painting of vessel in the stream is the normal duty of Lascars. Lascars have no objection for painting outside of the vessel in the docks or alongside the berth.

20. The employers, on the other hand have examined (1) Captain E. S. Marttyres (Ex. 8/E), (2) Captain Gomes (Ex. 9/E) and produced documentary evidence to show that the painting of the sides above the water line of D.S.D. 'Vikram' while lightened and anchored in stream is a part of the normal duties of its crews *i.e.* the Lascars.

21. Captain Marttyres (Ex. 8/E) speaks about the traditional duties of the Lascars working on Vikram ship His evidence shows that one of the traditional duties of the Lascars, working on Vikram ship is 'painting on the ship, whenever it is necessary. According to him:—

(i) The dredger 'Vikram' was purchased by Bombay Port Trust in 1962.

(ii) Lascars of Dredger 'Vikram' were carrying out these duties during the years from 1962 to 1964. The Lascars did not make any complaint about the risk involved in the work during 1962 to 1964. The Lascars working on Dredger vessel Vikram from 1962 came to this vessel from other vessel. Before coming to this Vessel, these Lascars were performing similar duties on other vessels. They had not complaint about these duties at that time.

22. On 27th November, 1964, the Chief Engineer, Bombay Port Trust wrote letter (Ex. 6/E) to the Secretary Bombay Port Trust regarding the deck crew Lascars refusing to obey the order on 21st November, 1964 given by the Dredging Master Captain Dyson in charge of 'Vikram', for painting the shipsides above the water level while the ship was laid at anchor in the harbour off Princes Dock. In this letter, he has specifically mentioned that the Lascars were doing this work in the past, and that this work was expected to be carried by the Lascars traditionally. He also brought to the notice of the Secretary, letter No. E/1-6/16936 of 18th September, 1963, addressed to him by the Committee consisting of Sarvashri Vazifdar, Kirpekar and Sassoon for preparing a list of traditional duties of deck crews of Flotillas under the Dy. Conservator and the Engineering Department (*Vide* Ex 7/E).

23. Considering the statements A,B C produced alongwith letter No. E/1-6A/16936 dated 18th September, 1963 (*Vide* Ex. E7/E) and letter Ex. 6/E, it appears that there is some force when Captain Marttyres says that painting work on the ship, whenever it is necessary is a traditional duty of the Lascars working on 'Vikram'.

24 The employers have produced 26 log sheets dated 1st December, 1962, 22nd December 1962, 14th January, 1963, 17th January, 1963, 19th March, 1963, 20th March, 1963, 20th April, 1963, 4th May, 1963, 10th May, 1963, 11th, May, 1963, 16th May, 1963, 29th May, 1963, 5th June, 1963, 6th June, 1963, 13 June 1963, 26th June, 1963, 13th September, 1963, 25th September, 1963, 28th September, 1963, 30th September, 1963, 26th October, 1963, 23rd November, 1963, 7th December,

1963, 8th January, 1964, 23rd January, 1964, 5th February, 1964 relating to Dredger 'Vikram' alongwith letter Ex. 14/X. Out of these 26 Log sheets, there are 11 Log sheets, dated 1st December, 1962, 17th January, 1963, 19th March, 1963, 20th March, 1963, 20th April, 1963, 4th May, 1963, 10th May, 1963, 11th May, 1963, 16th May, 1963, 5th June, 1963, 5th February, 1964, which show that the Lascars working on Vikram had done painting work overside. The other Log sheets also say that they had done painting ship side etc.

25. The Union contends that these documents be not relied upon, as Captain Marttyres says in his cross-examination that Bombay Port Trust does not maintain Ledger record regarding painting vessel and that the same is done as and when required. It is suggested that Log sheets are not genuine documents. I am unable to accept this suggestion. It cannot be imagined even for a moment that the Bombay Port Trust would forge documents. Captain Marttyres has not said that Log sheets are not maintained. What he says is that Ledger record is not maintained. I feel no hesitation in accepting the Log sheets as genuine documents. These documents clearly show that the Lascars were doing the work of painting in question from 1962 till about their refusal in 1964 November. Even, thereafter they are doing this work because the Union has assured them that their dispute would be referred for adjudication.

26. The Bombay Port Trust has produced an extract at Ex. 12/E. In Reference No. 1 of 1963 before Shri Mehar, the Bombay Port Trust has filed written statement on 23rd November, 1963. In that written statement, they had referred to this job specially done by Deck hands employed in Dredging section. One of the jobs is to do chipping, painting etc. It can be inferred from this that painting is one of the normal duties of the Lascars.

27. The Bombay Port Trust has produced extract from the statement showing the duties and responsibilties etc. of the Bombay Port Trust Employees—Form 'C' before the Central Wage Board as Annexure No 1 to Ex. 2/E. Extract from the statement of claim made on behalf of the Lascars by the Bombay Port Trust Employees' Union before the Central Wage Board is produced as Annexure No. 1 (collectively) to Ex. 2/E.

28. In column No. 8 on page 9 in Ex. 2/E, it is mentioned that painting of the vessels inside, outside, hull, bottom etc. is one of the duties and responsibilities of the Lascars. If this staement is considered alongwith the statement of Lascars on page No. 8 in Ex. 2/E, it is clear that Lascars were considering the work of painting of vessels inside and outside as one of their duties.

29. The employers have examined Captain Gomes at Ex. 9/E. According to him:—

(i) He was working as Pilot on Pilot vessel from 1955 till 1966. Thereafter he was appointed as Master Pilot from time to time.

(ii) 18 Lascars work on Pilot Vessel. He is aware of duties and responsibilities of Lascars on Pilot vessel 'Venu'. Lascars of Pilot vessel 'Venu' do the duties of painting outside the vessel when anchored. It is one of the duties of the Lascars to paint outside the ship. Khalasis in the merchant ship paint the merchant ship as and when required.

30. In view of the documentary evidence on record, referred to above, it is difficult to blieve Shri Abdul Rehaman Surve (Ex. 10/W) Lascar, when he says that shipside painting of vessel in the stream is not the normal duty of Lascars and that they were not doing this work before Shri Dyson forced them to do this work. On the other hand the documentary evidence on record supports the statement of Captain Marttyres (Ex. 8/E) that the Lascars are required traditionally to do the work of painting of the outside of the ship when anchored and lightened in the stream and that they were doing this work from 1962 till 1964 i.e. till the date of their refusal to do so.

31. In short, considering the oral and documentary evidence on record and the arguments of both sides, I hold that the painting of the sides above the water line of D.S.D. 'Vikram' while lightened and anchored in stream is a part of the normal duites of its crews. In view of this finding in the affirmative the question as to whether the Lascars on 'Vikram' are entitled to any relief and from any date, does not survive.

32. The Union further contends that the work of painting the sides above water line of D.S.D. 'Vikram' while lightened and anchored in stream involves risk and hazards to the lives of Lascars required to attend to this job. In support of this contention, reliance is placed on the evidence of Lascar Shri Surve (Ex. 10/W) and some admissions given by Captain Marttyre (Ex. 8/E).

33. According to Lascar Shri Abdul Rehaman Surve (Ex. 10/W):—

(i) Lascars refused to do the painting of the outside of the ship because the work was risky. The risk was of falling into the sea and of being carried away. There is also danger of hand and head sustaining injury while painting the outside of the ship, standing in the Jolly Boat.

(ii) When the sea is rough, the Jolly Boat tosses and water enters into it.

(iii) The work of ship side painting of 'Vikram' is more dangerous than the one of any other vessel.

(iv) Painting of side of the 'Vikram' is done by standing on the staging. Painting of the rear portion of the ship side is done by standing in the Jolly Boat.

(v) Painting of shipside of 'Vikram' is more than any other vessels.

(vi) During the last 7 years, 4 to 5 people had fallen into the sea, while painting outside of the ship in the stream.

34. The following facts emerge from the admissions given by Captain Marttyres (Ex. 8/E):—

(i) 'Vikram' is the biggest Dredging vessel with 2500 tonnage.

(ii) In case of 'Vikram' painting work of outside of the vessel is done in the stream. In respect of other vessels, painting work is done either alongside berth or in the sea. F. C. Srawan, G. D. Chilura, Vikas, Flimgo are not required to be anchored in the stream for the purposes of painting, as the painting of these vessels is done inside the Dock or Harbour.

(iii) While chipping, scrapping, washing and painting, the worker has to change the positions. Sometimes he may stand, sometimes he may sit. It is not so easy to paint the bow of the ship as it is to paint the mid ship. The vessel in the stream is likely to roll more than when she is alongside the berth. Under currents in the sea are stronger than those alongside the Harbour wall.

(iv) If a man falls into the sea, a life buoy is thrown in the sea to help that man. Chances of survival of the man falling into the sea alongside the berth are much better than the one falling into the sea in the stream. It is likely that under currents may carry away the man before taking advantage of the life buoy.

35. Employers' witness Captain Gomes (Ex. 9/E) also admits that 'Vikram' is the largest dredging vessel and that the sides of the 'Vikram' are much bigger in size as compared to the sizes of Flotilla crafts.

36. The Union has produced a book giving the sizes of vessels belonging to the Bombay Port Trust. From this book it is clear that measurements of 'Vikram' are as follows:—

	O.A.	B.P.
(a) Length	265′	253·7′
(b) Breadth	48·1	
M.L.D.		
Depth	17·35′	
M.L.D.		
Draft	15′	
(c) H.P.	600	
(d) Gross Tonnage	1962·18	

37. On considering the evidence on record referred to above, it is crystal clear that the work of ship side painting of 'Vikram', while it is lightened and anchored, is enormous and that it involves risk, hazard and danger to the lives of Lascars attending to this work.

38. It may be also noted that at the request of both the parties, I alongwith both the parties visited Dredger 'Vikram' on 13th August, 1970. At that time it was lightened and anchored in the stream. On seeing the vessel in the stream, I could find that the work of shipside painting in that position involved risk, hazard and danger to the lives of the Lascars attending to this work.

39. The Lascars have no objection for painting outside of the vessel in the docks or alongside the berth. This shows that they are not prepared to do shipside painting of vessel in the stream, because it involves risk, hazard and danger

to their life. Otherwise they have no other reason to refuse to do the work, while the ship is in the stream.

40. The Union claims Rs. 10/- per month per head as special allowance for doing this work, with effect from the date they are reuired to do this work on the ground that this work involves risk, hazard and danger.

41. There are number of instance in the Bombay Port Trust when special allowance or special pay has been given to the employees, for doing the wrok, involving risk, hazard and danger to life, though the same work is a part of the normal duty of the employees concerned. Those instances are as follows:—

(i) The Bombay Port Trust is giving Caison allowance to the crew of the Docks Flotilla of the Trustees Port Department, the crew of the Alexandra Dock shore establishment and the workmen of the Merry Wether Dry Dock and Merry Wether Dry Dock Pumping Station for handling Caison, though this work is part of their normal duty.

(ii) The Bombay Port Trust is giving special pay or special allowance to Lascars, Joliy Boat Tindals and Splicemen attached to the shore unit of the Bombay Port Trust Workshop for the work in connection with repairs and maintenance of Light houses, Lightships, Buoys and Beacons in the harbour at the rate of Rs. 6/- per month per head with effect from 7th April, 1969.

(iii) By Trustees' Resolution No. 992, dated 26th October, 1965, the Crane Drivers are allowed an allowance of Rs. 8/- per month for the work of lightening of gland packing, though it is a part of their normal duty.

(iv) The Deck crews including the Master of the steam Anchor Buoy 'Panvel' are given additional allowance for attending to the work connected with the buoys at the rate of Rs. 8/- per month per head with effect from 27th July, 1965.

(v) The special allowance of Rs. 5/- is paid to the Lascars of F. C. Sravan who also do the work of greasing wires of pulley blocks for each occasion and not per month.

42. From the written statement Ex. 2/E of the Bombay Port Trust, it appears that a new berth, which would accommodate the biggest dredger like the D.S.D. 'Vikram' would be ready by the end of the year, 1970. After the berth becomes ready the work of painting outside of the vessel 'Vikram' can be done in the Docks or alongside the berth. In that case there will be no objection on the part of the Lascars to do the painting work, without special allowance, as there will be no danger and risk in doing the work.

43. In view of the instances of allowing special allowance referred to above to the employees for doing work involving risk, danger and hazard, though it forms part of the normal duty of the employees concerned, the Bombay Port Trust authorities may, if they so desire, extend the same benefit to the Lascars involved in this reference, by passing necessary resolution, and redress their grievances.

44. As reference stands, I cannot give any relief, as soon as I hold that the work in question is part of their normal duty.

45. In view of the above findings, this reference fails. I, therefore, pass the following order:—

ORDER

(1) It is hereby declared that the painting of the sides above the water line of the D.S.D 'Vikram' while lightened and anchored in the stream, is a part of the normal duties of its crews and that in view of this finding, the question to what relief are they entitled and from what date, does not survive.

(2) Award is made accordingly.

(3) No order as to costs.

(Sd.) N. K. VANI,
Presiding Officer,
Central Government Industrial Tribunal,
No. 2, BOMBAY.

Dated 29th September, 1970.

[No. 28/97/66-LRIV/P&D.]

AJIT CHANDRA, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 24th October 1970

S O. 3624.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of Shri M R Raju, Arbitrator, in the industrial dispute between the management of Bhilai Steel Plant Bhilai and their workmen which was received by the Central Government on the 20th October, 1970

IN THE MATTER OF ARBITRATION IN THE INDUSTRIAL DISPUTE BETWEEN THE MANAGEMENT OF BHILAI STEEL PLANT AND THEIR WORKMEN REGARDING CLAIM OF SHRI A K CHETTY, MAGAZINE-IN-CHARGE

PRESENT,

Shri M R Raju, Regional Labour Commissioner (Central) and Arbitrator

Representing the employer —

1 Shri R P Singh,Senior Industrial Relations Officer
2 Shri K G Marar Additional Labour Welfare Officer
3 Shri P K Jha Additional Labour Welfare Officer
4 Shri S D Dikshit, Industrial Relations Officer

Representing the workmen —

1 Shri A R Farooqi, President, Bhilai Steel Kamgar Sangh
2 Shri Deo Saran Dubey General Secretary, Bhilai Steel Kamgar Sangh

Dated the 17th October, 1970

AWARD

The management of Bhilai Steel Kamgar Sangh on the other, entered into a settlement on 23rd January 1970 agreeing to refer the following industrial dispute for my arbitration under Section 10A of the I D Act, 1947 —

"Whether the claim of Shri A K Chetty presently employed as Magazine-in-charge with effect from 1st September 1969 in terms of Memorandum of Settlement dated 8th September, 1969 for the post of Magazine in charge in the scale of Rs 250—400 (subsequently revised as Rs 325—475) with effect from 1st June, 1960 is justified? If not from what date and what relief is the workman entitled'

2 The parties also agreed that the arbitrator shall make his award within a period of six months from the date of settlement or within such further time as is extended by mutual agreement It was further stipulated in the agreement that in case the Award is not made within the stipulated period mentioned above, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and that they shall be free to negotiate for fresh arbitration The aforesaid settlement was published by the Ministry of Labour & Employment in the Gazette of India dated 7th March, 1970 The period of six months agreed to between the parties in the earlier settlement had expired on 22nd July 1970 but the parties agreed on 8th July, 1970 to extend the time-limit for giving my award by a further period of three months from the date of expiry of the original agreement *i.e.* 23rd January, 1970

3 After obtaining the statements of the case from the Management I took up the hearing of the case at Bhilai on 8th June, 1970 when the Union handed over the statement of their case along with a few documents to me personally The parties wanted time to file certain documents to be sent by Registered Post by 13th June 1970 exchanging the same between them It was further agreed on 8th June, 1970 that the next date of hearing will be in my office at Delhi on 25th June, 1970 The management requested for adjournment and informed the same to the union Further dates of hearing were fixed as 12th August, 1970, 31st August, 1970, 22nd September 1970 and 1st October, 1970 On all these dates the management and some times both the parties requested for adjournment It appears that the parties entered into mutual discussions after the first date of hearing at Bhilai on 8th June 1970 Although the Union had filed some documents on the date of hearing at Bhilai on 8th June, 1970 the Management had not filed any documents as agreed by them on that date, presumably due to the fact that they were having direct negotiations

4 On 1st October, 1970 the Management representative attended the proceedings which were adjourned to 3rd October, 1970 as it happened to be a public holiday

The Management representative stated that the dispute was mutually settled between them and the copy of the Settlement will be filed before the Arbitrator on or before 12th October, 1970, and requested that the Award may be pronounced in terms of the Settlement. Accordingly the copy of the Settlement was forwarded to the Arbitrator on 12th October, 1970. It is signed by Mr. R. P. Singh, Senior Industrial Relations Officer (Mines), Bhilai Steel Plant and Shri K. G. Marar, Additional Labour Officer, Bhilai Steel Plant on behalf of the Management. It is also signed by Shri Dev Saran Dubey, General Secretary, Bhilai Kamgar Sangh and Shri P. N. Singh, Secretary, Bhilai Steel Kamgar Sangh, Nandini Branch. The Memorandum of Settlement is attested by two witnesses Sarvashri K. R. K. Kutty and V. Sitaramaiah. I am satisfied about the genuineness of the signatures affixed to the settlement. I have perused the terms of settlement. They are fair and equitable between the parties.

5. Award is passed in terms of Memorandum of Settlement dated 29th September, 1970, copy whereof is appended herewith.

(Sd.) M. R. RAJU,
Regional Labour Commissioner (Central)
& Arbitrator.
17-10-70

Copy of.—

FORM H

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Representing Employers:—Sarvashri

1. R. P. Singh, Sr. I.R.O. (M), BSP.
2. K. G. Marar, Addl. L.O., BSP.

Representing workmen:—Sarvashri

1. Deo Saran Dubey, General Secretary, Bhilai Steel Kamgar Sangh, Bhilai.
2. P. N. Singh, Secretary, B.S.K.S., Nandini Branch.

Short Recital of the Case.

By a memorandum of Settlement dated 8th September, 1969, the Parties to the present dispute agreed to refer the matter to arbitration under Section 10A of Industrial Dispute Act, 1947, in case the claim of Shri A. K. Chetty for the post of Magazine In-charge w.e.f. 1st June, 1960 was not resolved before 1st November, 1969. Bypartite negotiations were accordingly held but parties could not resolve the dispute and therefore the matter, as agreed upon, was referred to Shri M. R. Raju, Regional Labour Commissioner (Central) (Verification) for his arbitration vide notification of Government of India, Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. 8(3)/70-LR.IV) dated 20th February, 1970. Arbitration proceedinngs were held at Bhilai on 8th June, 1970 and thereafter parties had joint deliberations on the dispute and come to a bipartite settlement on the following terms and conditions.

Terms of Settlement

(1) Agreed that Shri A. K. Chetty will be given the post of Magazine-in-charge in the scale of Rs. 325—475 w.e.f. 30th November, 1964.

(2) Agreed that the benefits arising out of clause 1 above will be given to the workmen within a period of 45 days from the date of the settlement.

(3) Agreed that the parties will jointly pray to the Arbitrator to pronounce the award accordingly.

(4) This satisfies the Union.

Representating Employers.
Sd/- R. P. SINGH,
Sd/- K. G. MARAR,

Representating Workmen.
Sd/- DEO SARAN DUBEY.
Sd/- P. N. SINGH.

Witness:—1. (Sd.) K. R. K. Kutty.
2. (Sd.) Sitaramaiah.

[No. 8/3/70-LRIV.]

New Delhi, the 26th October 1970

S.O. 3625.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-*cum*-Labour Court (No. 3), Dhanbad, in the matter of an application under section 33A of the said Act, filed by Shri Ramasis Pandey and others, which was received by the Central Government on the 21st October, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD

COMPLAINT NO. 1 OF 1968

PRESENT:

Shri Sachidanand Sinha, M.A.M.L., Presiding Officer.

PARTIES:

Shri Ramasis Pandey and others—*Complainants*

Vs.

APPEARANCES:

Balihari Colliery—*Opp. Party.*

For the Complainants—Shri S. V. Acharya, General Secretary, Hindustan Khan Mazdoor Sangh.

For Opp. Party—S/Shri S. S. Mukherjee and B. Joshi, Advocates.

INDUSTRY: Coal STATE: Bihar

Dhanbad, dated the 16th of September, 1970

AWARD

1. This is a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 arising out of Reference No. 22 of 1968 brought by the workmen (complainants) against the opposite party, employer, alleging that the opposite party has been guilty of contravention of provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947.

2. The case of the complainants is that an industrial dispute regarding retrenchment of complainant No. 1 and 2 and 374 other workmen of the Balihari Colliery of M/s. Balihari Colliery Co. (P) Ltd. has been pending adjudication in reference No. 22 of 1968 before this Tribunal. The complainants are the workmen concerned in the above mentioned adjudication proceedings because the dispute has been sponsored by the Hindustan Khan Mazdur Sangh of which the petitioners are members. Reference No. 22 of 1968 covers the retrenchment of complainants No. 1 Ramasis Pandey and No. 2 Shri Doman Oran.

3. The complainants are the permanent workmen working in this colliery since last ten years. A criminal case was instituted by the manager of the colliery and the complainants along with other workmen of the colliery are standing trial before a Court of Magistrate at Dhanbad in connection with the same charges. It was not proper for the management to proceed against the petitioners during the pendency of the trial of a criminal case, and by doing so the opposite party (management) have prejudiced the defence of the petitioners.

4. Futher case of the complainants is that the allegations contained in the chargesheets are false, basceless and the complainants are wholly innocent in this regard. The complainants have not committed any of the alleged acts of misconduct and had done nothing as stated in the chargesheets.

5. The complaints immediately after the receipt of the notice of the proposed enquiry objected in writing to the improper venue of the said enquiry, pointing out that it was not an office and as a matter of fact goondas were sheltered there and it was not safe for the complainants to go there. But this objection of the complainants was not considered by the employers and thus denied the complainants the opportunity to defend their case, and in fact, no enquiry was held and it seems, facts papers were forged by the employers in support of an alleged enquiry.

6. The complainants are the members of the Hindustan Khan Mazdur Sangh which had become an eye-sore of the management and the employers have been

pampering a puppet union in the colliery through coercion and intimidation of workers. Since the complainants refused to become members of the aforesaid puppet union the manager threatened and subsequently implicated the complainants in a fabricated charge and victimised them.

7. The management was guilty of non-payment of dues to the workmen since 1965 and a huge amount in lacs as arrears dues had become payable by the management to the workers and the Hindustan Khan Mazdur Sangh carried on struggle against this lapse of the management and thereby earned management's wrath and the management, therefore, victimized them.

8. The management contravened the provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947 in dismissing the complainants as the dismissal of the complainants was not in accordance with the provisions of the Standing Orders applicable to the complainants and the complainants were not paid one months wages and therefore, the dismissal of the complainants is neither bonafide nor legal.

9. The opposite party (employers) have filed the written statement and according to them they have not violated the provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947 and that they have already filed an application under section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act. being Application No. 1 of 1968 and the same is pending before this Tribunal.

10. Reference No. 22 of 1968 has since been disposed of and an award has been passed in terms of settlement wherein it was agreed that retrenchment of 249 workers except Complainant No. 1 will stand. Complainant No. 1 was taken back in service soon after retrenchment and he was given all his due wages. Complainants No. 3 and 4 were not the workmen concerned in reference No. 22 of 1968 and are not concerned in that case.

11. Further case of the opposite party is that all the complainants were not the concerned workmen in Reference No. 22 of 1968 and they are also not aware if the complainants are the members of Hindustan Khan Mazdoor Sangh or any union at all.

12. The complainants along with others overstayed inside the mine of Balihari Colliery on and from 8 a.m. of 1st March, 1967 continuously for 25 days in disobedience of order and notices issued by the Colliery Manager and thereby contravening the provisions of the Coal Mines Act. The complainants along with others behaved in a violent manner, interferred, obstructed and threatened to detain the mining staff and others with a view to prevent them from discharging their statutory duties. The complainants along with others while so everstaying also entered the fenced-off area by ignoring danger signals which amounted to contravention of Coal Mines Regulations.

13. For the above misconducts individual charesheets dated 17th June, 1967 were issued to the complainants to which they submitted their replies denying the charges. Inspite of notices of departmental enquiry the complainants did not attend the enquiry and therefore, the enquiry was held in their absence. In the above domestic enquiry these misconducts were satisfactorily established and the complainants were, therefore, dismissed by letter dated 28th July, 1967 by offering one month's wages as required and an application for approval of the dismissal of the complainants has been filed before the Tribunal and therefore, in view of the facts and circumstances stated above the present application is not maintainable.

14. The point for consideration is whether the opposite party, the employers, had contravened the provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947?

15. The Central Government, by its order dated the 19th of May, 1966 referred the industrial dispute in respect of the retrenchment of 376 workmen by the management of the Balihari Colliery to the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad where the dispute was registered as reference No. 94 of 1966. While the dispute was pending there the Central Government by its order dated the 8th of May, 1967 transferred the dispute to the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, where it was registered as reference No. 148 of 1967. The Central Government by its subsequent order dated the 13th of August, 1966 transferred the dispute to this Tribunal and here it was registered as reference No. 22 of 1968. An award was made in reference No. 22 of 1968 on 20th September, 1968. The complainants No. 1 and 2 were the workmen mentioned in serial No. 2 and 4 of the order of reference. Complainants No. 3 and 4 were not the workmen concerned in refernce No. 22 of 1968.

16. The opposite party, employers served a chargesheet on the complainants on the 17th of January, 1967 and a departmental enquiry was held and the complainants were dismissed on the 13th of August, 1967. On that date the dispute regarding retrenchment of 376 workmen was pending before the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad and an application under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 was filed on 11th August, 1967 before the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad. Subsequently both the reference No. 147 of 1967 and application under Section 33(2)(b) that was filed on 11th August, 1967 were transferred to this Tribunal. The complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 was filed on 14th November, 1968 and the application under Section 33(2)(b) was filed on 11th August, 1967 for the approval of the dismissal of the complainants with effect from the 13th of August, 1967.

17. The point is that if there is no contravention of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947, the jurisdiction under Section 33A cannot be invoked by the workmen. If there is no contravention of Section 33 of the Act, the Tribunal will have no jurisdiction to proceed further in enquiry. Therefore, the first point to be decided in this case is whether there has been any contravention of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947 by the opposite party?

18. When the proviso to Section 33(2)(b) lays down the conditions as to payment of one month's wage, all that the employer is required to do in order to carry out that condition is to tender the wages to the employee. But if the employee chooses not to accept the wages, he cannot come forward and say that there has been no payment of wages to him by the employer. Therefore, though Section 33 speaks of payment of one month's wages, it can only mean that the employer has tendered the wages and that would amount to payment for otherwise a workman could always make the section unworkable by refusing to take the wages.

19. Sub-Section (2)(b) of the Act read together with the proviso contemplates that the employer may pass an order of dismissal or discharge before obtaining the approval of the authority concerned and at the same time make an application for approval of the action taken by him. The proviso contemplates three things mentioned therein, namely:—

(1) dismissal or discharge;

(2) payment of wages; and

(3) making of an application for approval,

to be simultaneous and to be part of the same transaction, so that the employer when he takes action under Section 33(2)(b) by dismissing or discharging an employee, should immediately pay him or offer to pay him wages for one month's and also make an application to the Tribunal for approval at the same time. The employer's conduct should show that the three things contemplated under the proviso, (1) dismissal or discharge; (2) payment of wages; and (3) making of the application are parts of the same transaction.

20. According to the opposite parties they offered them wages for one month's but the complainants refused to collect it. WW-1 has stated in his evidence that he received the letter of dismissal in which one month's notice pay was offered to be paid by the management. But he said that he went to the colliery office to receive the wages but he was driven away. I am not prepared to accept the statement of WW-1 in view of their attitude taken during this period.

21. In this case I find that the employers had filed an application under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 for the approval of the action taken by them on the 11th of August, 1947. The foundation of a Tribunal's award under Section 33A of the Act is a contravention of Section 33 and there cannot be a contravention of that provision when the employers apply for permission under Section 33(2)(b) of the Act.

22. Therefore, in the instant case I find that the employers had applied for permission under Section 33(2)(b) and had offered one month's wages and as such there was no contravention of Section 33 and therefore, the present complaint under Section 33A is not maintainable.

23. It is therefore ordered that the complaint under Section 33A is held to be non-maintainable and therefore, my award is that this complaint is not maintainable. Let this be submitted to the Central Government under Section 17A of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) SACHIDANAND SINHA,
Presiding Officer.

[No. 8/190/70-LRII.]

New Delhi, the 28th October 1970

S.O. 3626.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs. V. S. Dempo and Company Private Limited, Panjim and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th October, 1970.

AWARD

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY.

REFERENCE NO. CGIT-1 OF 1969

PARTIES:

Employers in relation to the management of M/s. V. S. Dempo & Co., Pvt. Ltd., Panjim.

AND

their workmen.

PRESENT:

Shri A. T. Zambre, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the employers.—Shri L. C. Joshi, Labour Adviser.

For the workmen.—Shri George Vaz, General Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union.

STATE: Union Territory of Goa. INDUSTRY: Major Ports & Docks

Bombay, dated 30th September 1970

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Department of Labour & Employment by their Order No. 24/40/68-LRI, dated 16th January 1969 have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of M/s. V. S. Dempo & Co. Pvt. Ltd., Panjim & their workmen in respect of the matters specified in the following schedule:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs. V S. Dempo & Co., Private Ltd., Panjim in terminating the services of Shri Ramanath Naik, Wagon Drill Operator of Kirlapale Mine from the 26th March, 1968 was justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The employers, M/s. V. S. Dempo & Co. Pvt. Ltd., had appointed Shri Ramnath Naik the workman concerned in this reference as a wagon drill operator in one of its mines with effect from 15th August, 1967 as a probationer. They terminated his services by their letter No. LAB/KPL/9267, dated 28th March, 1968 and had sent the letter by registered post. Shri Naik was a member of the Goa Mining Labour Welfare Union, Assnora, Bardez Goa and on his being discharged from service the union made representations to the Company that the workman's services were improperly terminated without any reason. There was no show cause notice nor any charge sheet was issued against him and as the termination was illegal he should be reinstated. The company denied the allegations and refused to take action and hence the union raised a dispute about wrongful termination of service of Shri Naik before the Assistant Labour Commissioner (Central) Vasco-da-Gama who intervened between the parties and admitted the dispute in conciliation. But as there was no settlement he made a failure report on which the dispute was referred to this Tribunal.

3. The employers have by their statement admitted that the workman Shri Naik was appointed as a wagon drill operator in their mines with effect from 15th August, 1967 but they have contended that he was appointed on the clear condition that if his capabilities and conduct during the probation period is not satisfactory the company at their sole discretion may either extend the period of probation or terminate the appointment at any time without notice. They have alleged that during the period of probation it was noticed that Shri Naik was not handling the equipment properly although he was orally warned and instructed by the company

to work carefully. In spite of the warning he did not handle the equipment carefully and as a result the equipment was damaged. Under the circumstances the company could have rightly terminated his services but in order to give him an opportunity to improve they extended the period of probation for a further period of six months by their letter dated 20th March 1968 which letter the workman refused to accept. Thereafter he was called to the head office and was explained the whole position but he continued to refused to accept the letter of extension of probation. In view of this the company had no other alternative but to terminate his services by their letter dated 28th March 1968. He refused to accept this letter also in the presence of two witnesses. Hence the company had sent this letter by registered post which he received on 3rd April, 1968. They have contended that neither the work nor the capabilities of Shri Naik as an operator during the period of probation was found to be satisfactory and in order to give him an opportunity the company had extended his probationery period instead of terminating his services but as he refused to accept the letter of extension of the probationery period the company had terminated his services with effect from 28th March, 1968, and he is not entitled to any relief.

4. Several notices of this reference were issued to the parties. The General Secretary of the Goa Mining Labour Welfare Union was also served but the union had not filed any statement of claim. Ultimately the reference was fixed for final hearing with a post-script on the notice that inspite of various notices having been issued the union had not filed any statement of claim nor had attended the proceedings and the matter was therefore being fixed for final hearing and in case the parties failed to attend the hearing it would be heard and decided ex-parte on the basis of the material available on the record. The matter was therefore accordingly fixed for final hearing at Goa on 28th September, 1970. At the time of the hearing the parties negotiated the dispute and arrived at a settlement and requested the Tribunal to make an award in terms thereof. By the settlement it has been agreed that the workman Shri Ramnath Naik who was working as a wagon drill operator on probation and whose services were terminated should be given one month's wages by way of ex-gratia payment in full and final settlement. The union and the workman had agreed that the settlement was in full and final settlement of all claims.

5. It is clear from the record that the workman was appointed by the employers as a probationer. By their letter dated 20th March 1968 the employees had written to the workman that his services during the period of probation were not satisfactory and the probationery period had to be extended by a further period of six months. It is also clear that as that letter was not accepted by the workman they had terminated his services and considering the circumstances the terms of settlement are fair and reasonable. The workman has been granted one month's wages as ex-gratia payment and I think it proper to pass an award in terms of the settlement annexure 'A' which shall form part of this award.

No order as to costs.

(Sd.) A. T. ZAMBRE,
Presiding Officer,
Central Government Industrial Tribunal, Bombay.

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY

REF. NO. CGIT-1 OF 1969

Employers in relation to the Management of M/s. V. S. Dempo & Co. Pvt. Ltd., Panjim

AND

Their Workmen.

MAY IT PLEASE THE HON. TRIBUNAL

The parties to the above-mentioned reference have arrived at a settlement on the basis of the following terms and they respectfully submit that an award be made in terms thereof.

Terms of Settlement

(1) The parties to the above-mentioned reference have agreed that Shri Ramnath Naik, who was working as a Wagon Drill operator on probation and whose services were terminated by the Management, with immediate effect by Company's letter No. LAS/KPL/9267 dated 28th

March, 1968, should be given one month's wages by way of ex-gratia payment in full and final settlement

(2) The workman and the Union agree that this settlement is in full and final settlement of all claims made on behalf of Shri Ramnath Naik

For Goa Mining Labour Welfare Union
Representing workman

Sd Illegible,
General Secretary

For V S Dempo & Co Pvt Ltd.

Sd Illegible
Director

PANJIM

Dated 23rd September, 1970.

[No 24(40)/68-LRI(LRIV)]

S O. 3627—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal (No 2), Bombay, in the matter of an application under section 33A of the said Act, from Shri Dipu Naik, Pathari, Rivona, Sanguem, Goa, which was received by Central Government on 22nd October, 1970

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO 2 AT BOMBAY

COMPLAINT NO CGIT-2/38 OF 1969

ARISING OUT OF REF NO CGIT-2/2 OF 1969

PARTIES:

Shri Dipu Naik, Pathari, Rivona, Sanguem, Goa—*Complainant.*

Versus

M/s Pandurang Timblo Industries, Margoa, Goa—*Opponent.*

PRESENT

Shri N K Vani, Presiding Officer

APPEARANCES:

For the complainant—Shri George Vam, General Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union, Goa

For the opponent—Shri Ramesh Desai, Labour Adviser.

INDUSTRY Iron Ore Mines STATE: Goa, Daman, Diu

Dated the 3rd October, 1970

AWARD

This is a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 by Shri Dipu Naik

2 The facts giving rise to this complaint are as follows —

3 The complainant Shri Dipu Naik was in the service of the opponent He participated in the strike which commenced on 14-2-1969

4 The opponent company held domestic enquiry against the complainant for the misconduct alleged to have been committed by him The opponent dismissed him from service with effect from 18-8-1969 holding him guilty of the misconduct alleged to have been committed by him

5 As the Reference No CGIT-2/2 of 1969 between the Company and the employees in connection with implementation of Wage Board recommendations is pending before this Tribunal and as the complainant is connected with the reference, the opponent filed application No CGIT 2/19 of 1969 against the complainant under Section 33(2)(b) for approving its action of dismissing the complainant This application was received by this tribunal 25-8-1969

6 In the meanwhile the complainant has filed this complaint dated 16-5-1969 against the opponent The same was received in this Tribunal on 10-6-1969

7. According to the complainant, he has been dismissed because he participated in the strike. His dismissal is by way of victimisation on false and baseless charges. The enquiry was not fair. The opponent has also contravened Section 33A of the Industrial Disputes Act.

8. The complainant and the opponent have given common pursis saying that evidence in approval application No. CGIT-2/19 of 1969 should be read in this complaint.

9. As this complaint is under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 it is necessary to refer to Section 33A, which is as follows:—

> "Where an employer contravenes the provisions of Section 33 during the pendency of proceedings before a Labour Court. Tribunal or National Tribunal any employee aggrieved by such contravention, may make a complaint in writing in the prescribed manner to such Labour Court, Tribunal or National Tribunal shall adjudicate upon the complaint as if it were a dispute referred to or pending before it is accordance with the provisions of this Act and shall submit its award to the appropriate Government and the provisions of this Act shall apply accordingly."

10. The above mentioned Section postulates the following five things:—

(1) A proceeding pending before a Labour Court, Tribunal or National Tribunal;

(2) A contravention of the provisions of S. 33 by the employer during such pendency.

(3) A complaint in writing in the prescribed manner by the aggrieved employee to the concerned authority against such contravention;

(4) Adjudication upon the complaint by the concerned authority as if it was an industrial dispute referred to or pending before it and submission of its award to the appropriate Government; and

(5) Publication of the award by the appropriate Government under S. 17-A.

11. In the present case, it is common ground that reference No. CGIT-2/2 of 1969 is pending before this Tribunal. The complainant is connected with the dispte involved in the reference.

12. From the facts on record it is crystal clear that the opponent held domestic enquiry against the complainant and dismissed him from service holding the allegations against him proved, with effect from 18-8-1969. The opponent also filed application under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 for approving the action of dismissal of the complainant.

13. As the opponent has taken steps for approving the action of the opponent as required under Section 33(2)(b) of the Industrial Disputes Act, 1947, the complainant cannot be said to be an aggrieved employee.

14. On evidence before me, I have held in application No. CGIT-2/19 of 1969 that M/s Pandurang Timblo Industries's action in dismissing the complainant should not be approved. Consistant with this finding I have dismissed that application. The result of my refusal of approval is that the workman concerned would be deemed never to have been dismissed or discharged and would continue in service of the opponent as if nothing had happened. Hence, there is no discharge or dismissal of the opponent. The question of reinstatement on his complaint under Section 33A does not arise.

15. It is interesting to note that the complainant filed the present complaint against the opponent under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 before his dismissal. It means that on the date on which he filed his complaint, domestic enquiry proceedings against him had not ended. He had, therefore, no reason to come to the Tribunal on that date.

16. I have considered this complaint on other grounds also treating the complaint deemed to have been filed before me after his dismissal.

17. I, therefore, dismiss his complaint and pass the following order:—

ORDER

(1) The complaint is dismissed.

(2) Award is made accordingly.

(3) No order as to costs.

(Sd.) N. K. VANI,
Presiding Officer,
Central Government Industrial
Tribunal No. 2, Bombay.
[No. 10|61|70|LRIV]

ORDERS

New Delhi, the 17th October 1970

S.O. 3628.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of New Ghusick Colliery, Post Office Kalipahari, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the order dated the 1st April, 1970, issued by the Executive Officer, Coalfield Recruiting Organisation, Post Office Jharia, District Dhanbad, recalling Shri Bhullan Singh, Unit Supervisor, at New Ghusick Colliery, Post Office Kalipahari, District Burdwan to his office and the consequent stoppage of his work by the management of New Ghusick Colliery from the 4th April, 1970, was justified? If not, to what relief is the workmen entitled?

[No. 6/27/70-LRII.]

(श्रम और रोजगार विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3628.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में न्यू घुसिक कोयला खान, डाकघर काली पहाड़ी, जिला बर्दवान के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या कार्यपालक अधिकारी, कोयला क्षेत्र भर्ती संगठन, डाकघर झरिया, जिला धनबाद द्वारा जारी किया गया तारीख प्रथम अप्रैल, 1970 वाला आदेश, जिसमें उसने श्री भुल्लन सिंह एकक पर्यवेक्षक,

न्यू घुसिक कोयला खान डाकघर काली पहाड़ी, जिला बर्दवान को अपने कार्यालय में वापस बुलाया था और उसके परिणामस्वरूप न्यू घुसिक कोयलाखान के प्रबन्धतंत्र का उसके काम को 4 अप्रैल, 1970 से रोक देना न्यायोचित था ? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० 6/27/70-एल० आर० II]

S.O. 3629.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bankola Colliery, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed.

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under Section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan is justified in stopping from work Sarvashri Sk. Rafique and Rambahadur Show, Cleaning Mazdoors of Bankola Colliery from the 11th June, 1970 and the 17th April, 1970 respectively. If not, to what relief are these workmen entitled?"

[No. 6/43/70-LRII.]

का० आ० 3629.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बंकोला कोयला खान, डाकघर उखरा, जिला बर्दवान के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स बुर्करकौल कंपनी लिमिटेड, डाकघर उखरा, जिला बर्दवान की बंकोला कोयला खान के प्रबन्धतंत्र का सर्वश्री एस० रफीक और रामबहादुर शा, बंकोला कोयला खान के सफाई मजदूरों को क्रमशः 11 जून, 1970 और 17 अप्रेल 1970 से काम से रोकना न्यायोचित है यदि नहीं तो ये कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है ?"

[सं० 6/43/70-एल० आर० II]

S.O. 3630.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Ena Colliery of Messrs North West Coal Company Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the

Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under Section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Ena Colliery of Messrs North West Coal Company Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad, is justified in not paying Category IV Wages to Shri Puldhikari, Fireman, for all the six days in the week? It not, to what relief, is he entitled and from what date?"

[No. 2/52/70-LRII.]

का० आ० 3630—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स नार्थ वैस्ट कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर धनसर, जिला धनबाद की एना कोयला खान के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं० 2), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मेसर्स नार्थ वैस्ट कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर धनसर, जिला धनबाद की एना कोयला खान के प्रबन्धतन्त्र का श्री पुल्धीकारी, फायरमैन को सप्ताह के छहों दिनो के लिए प्रवर्ग 4 की मजदूरी न देना न्यायोचित है ? यदि नही तो वह किस अनुतोष का हकदार है और किस तारीख से ?"

[संख्या 2/52/70-एल० आर० II]

S.O. 3631.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Victory Colliery (M. J. Group) of Messrs Coal Products (Private) Limited, Post Office Nutandanga, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7-A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Victory Colliery (M. J. Group) of Messrs Coal Products Private Limited, Post Office Nutandanga, District Burdwan was justified in terminating the services of Shri Dilip Ghosh, Clerk of the colliery, from the 1st April, 1970? If not, to what relief the workman is entitled?"

[No. 6/37/70-LRII.]

का० आ० 3631.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची मे विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स कोल प्रोडक्टस (प्राइवेट) लिमिटेड, डाकघर नूतनडांगा जिला बर्दवान की विक्टरी कोयला खान (एम० जी० ग्रुप) से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मेसर्स कोल प्रोडक्टस (प्राइवेट) लिमिटेड, डाकघर नूतनडांगा, जिला बर्दवान की विक्टरी कोयलाखान (एम० जो० ग्रुप) के प्रबन्धतन्त्र का श्री दिलीप घोष, कोयलाखान लिपिक, की सेवाओं को प्रथम अप्रैल, 1970 से समाप्त कर देना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो कमकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० 6/37/70-एल० आर० II]

New Delhi, the 21st October 1970

S.O. 3632.—Whereas the Central Government is of opinion that in an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Lakurka Colliery of Messrs Lakurka Coal Company Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Lakurka Colliery of Messrs Kakurka Coal Company Limited, Post Office Katrasgarh, District, Dhanbad, in terminating the services of Shri Habib Mian, Prop Mistry, with effect from the 12th May, 1970, was justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. 2/125/70-LRII.]

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर 1970

का० आ० 3632.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स लकूरका कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर कतरसगढ़, जिला धनबाद की लकूरका कोयलाखान के प्रबन्ध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं० 2), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है :

अनुसूची

"क्या मैसर्स लकूरका कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर कतरसगढ़, जिला धनबाद की लकूरका कोयलाखान के प्रबन्धतंत्र की श्री हबीब मियां, प्रौप मिस्त्री की सेवाओं को 12 मई, 1970 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित थी ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० 2/125/70-एल० आर० II]

S.O. 3633.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of New Lakurka Colliery, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of New Lakurka Colliery, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad, having regard to their financial capacity, are justified in not paying Variable Dearness Allowance as per recommendations of the Wage Board for Coal Industry? If not, what should be the quantum of Variable Dearness Allowance and from what date?"

[No. 2/91/70-LRII.]

का० आ० 3633.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में न्यू लकूरका कोयलाखान, डाकघर कतरसगढ़, जिला धनबाद के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं० 2), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या न्यू लकूरका कोयलाखान, डाकघर कतरसगढ़, जिला धनबाद के प्रबन्धतंत्र का, उसकी वित्तीय क्षमता को ध्यान में रखते हुए कोयला उद्योग के लिए मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों के अनुसार परिवर्ती मंहगाई भत्ते का संदाय न करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो परिवर्ती मंहगाई भत्ते की मात्रा क्या होनी चाहिए और किस तारीख से ?"

[सं० 2/91/70-एल० आर० II]

New Delhi, the 22nd October 1970

S.O. 3634.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Goenka Kajora Colliery of Messrs Goenka Coal Company, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Goenka Kajora Colliery of Messrs Goenka Coal Company, Post Office Ukhra, District Burdwan was justified in dismissing Shri Rabinandan Misra, Pump Khalasi and Shri Md. Salim, Dresser from the 1st April, 1970. If not, to what relief these workmen are entitled?"

[No. 6/49/70-LRII.]

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1970

का० आ० 3634.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स गोयन्का कोल कम्पनी डाकघर, उखरा, जिला बर्दवान की गोयन्का कजोरा कोयलाखान के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स गोयन्का कोल कम्पनी, डाकघर उखरा, जिला बर्दवान की गोयन्का कजोरा कोयला खान के प्रबन्धतंत्र का श्री रबी नन्दन मिश्रा, पम्प खलासी और श्री मोहम्मद सलीम, ड्रैसर को प्रथम अप्रैल, 1970 से पदच्युत करना न्यायोचित था ?

यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[सं० 6/49/70-एल० आर० 2]

S.O. 3635.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Ghugus Colliery of Messrs Ballarpur Collieries Company, Post Office Maneckpur, District Chandrapur and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirbale to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Ghugus Colliery of Messrs Ballarpur Collieries Company was justified in terminating the services of Shri Nizamuddin son of Shri Malku, Dresser with effect from the 1st January, 1970? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. 5/13/70-LR. II.]

का० आ० 3735.—यत: केन्द्र सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स बल्लरपुर कोलियरीज कम्पनी, डाकघर मानकपुर, जिला चन्द्रपुर की धूयूगस कोयलाखान के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अत:, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स बल्लरपुर कोलियरीज कम्पनी की धूयूगस कोयलाखान के प्रबन्धतंत्र का श्री मिजामुद्दीन सुपुत्र श्री मैंकू, ड्रैसर की सेवाओं को प्रथम जनवरी 1970 से समाप्त करना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० 5/13/70—एल आर II]

S.O. 3636.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the New Selected Dhori Colliery, Post Office Bermo, District Hazaribagh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of New Selected Dhori Colliery, Post Office Bermo, District Hazaribagh is justified in terminating the services of the following employees from the date noted against each. If not, to what relief are the workmen entitled?

Name of the employees with designation.	Date of termination of service.
1. Shri Berma, Driller	11-2-1969
2. Shri Isaque Mian, Driller	2-1-1969
3. Shri Kashi Mahato, Driller	28-4-1969
4. Smt. Dudhani Kamin, Wagon Loader	8-7-1969
5. Smt. Dularia Kamin, Wagon Loader	21-4-1969."

[No. 1/5/70-LR. II.]

P. C. MISRA, Under Secy.

का० आ० 3636.—यत: केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में न्यू सलैक्टैड धौरी कोलियरी, डाकघर बेरमो, जिला हजारीबाग से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझ... ।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं० 2) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

'क्या न्यू सलेक्टेड धोरी कोलियरी, डाकघर बेरमो, जिला हजारीबाग के प्रबन्धतंत्र का निम्न-लिखित कर्मचारियों की सेवाओं को, प्रत्येक के सामने लिखी तारीखों से, समाप्त करना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

कर्मचारी का नाम और पदनाम	सेवा को समाप्त करने की तारीख
1 श्री बेरमा, ड्रिलर	11-2-1969
2 श्री इशाक मियां, ड्रिलर	2-1-1969
3 श्री काशी महतो, ड्रिलर	28-4-1969
4 श्रीमती बुधनी कामिन, वैगन लोड	8-7-1969
5 श्रीमती दुलरिया कामिन, वैगन लोड	21-4-1969

[सं० 1/5/70-एल० आर० 2]

नई दिल्ली, 30 सितम्बर 1970

का० आ० 3373-यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स मोहम्मद एण्ड संस, जिप्सम ठेकेदार, जोधपुर के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री गोपाल नारायण शर्मा होंगे जिनका मुख्यालय जयपुर होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मेसर्स मोहम्मद एण्ड संस, ठेकेदार द्वारा नियोजित कर्मकारों की प्रथम जनवरी, 1969 से महंगाई भत्ते का संदाय किए जाने की मांग न्यायोचित है? यदि हां, तो किस दर पर और किस तारीख से?

[सं० 24(76)/69-एल० आर० IV]

पि० सि० मिश्रा, अवर सचिव।

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports)

(Iron & Steel Division)

ORDER

Calcutta, the 18th June 1970

S.O. 3637.—M/s. Hindusthan Steel Ltd., 2, Fairlie Place, Calcutta were granted two export licences (1) I&E/III/EXP/163/69-70, dated 17th May, 1969 for export of M.S. Rounds Tested to BSS: 785 12 mm to 32mm for a quantity of 847 M|T to Kuwait from Calcutta Port, and (2) I&E/III/EXP/646/69-70, dated 10th October, 1969, for export of Cold Twisted Ribbed Torsteel Bars Tested to IS 1786—20mm to 25mm for a quantity of 300 M/T, to Algeria from Calcutta/Vizag Ports. Now the said M|S. Hindusthan Steel Ltd., Calcutta have applied for duplicate copies of the above two export licences on the grounds that the said original export licences have been lost/misplaced. It has further been stated that the export licence against (1) above has been utilised partially to the extent of 739.161 M/T and the export licence against (2) above has not been utilised at all.

In support of their contention the applicant have filed two affidavits, dated 8th June, 1970 and 4th June, 1970, respectively. I am satisfied that the above two original export licences (1) No. I&E/III/EXP/163/69-70, dated 17th May, 1969 and (2) No. I&E/III/EXP/646/69-70, dated 10th October, 1969, have been lost/misplaced and direct that duplicate copies thereof should be issued to the applicant to cover the unutilised balance of 107.839 M/T of M.S. Round (Tested) to BSS: 785 12mm to 32mm against export licence (1) above and for the full quantity of 3000 M/T of the material against export licence (2) above. The above noted original export licence against (1) is, therefore, cancelled to the extent of partly utilised quantity of 739.161 M/T and the original export licence against (2) above is also cancelled to the extent of ful quantity of 3000 M/T.

[No. I&E/III/E/12/69-70/45/HSL/Steel.]

J. MUKHERJEE,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

विदेश व्यापार मंत्रालय

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

(लोहा तथा इस्पात प्रभाग)

आदेश

कलकत्ता, 18 जून, 1970

का०आ० 3637—सर्वश्री हिन्दुस्तान स्टील लि०, 2, फेयरली प्लेस, कलकत्ता को दो निर्यात लाइसेंस (1) आई एन्ड ई/3/ एक्सपी/163/69-70, दिनांक 17–5–69, कलकत्ता पोर्ट से कुवाइत के लिए 847 एम/टी की मात्रा के लिए बी एम एस: 785–12 एम एम से 32 एम एम तक के लिए बी एस एस राउन्डस टेस्टेड का निर्यात करने के लिए, और (2) आई एन्ड ई/3/ई एक्सपी 646/69–70, दिनांक 10–10–69, कलकत्ता/विजग पोर्टों से अल्जीरिया के लिए 3000 एम/टी की मात्रा के लिए आई एस 1786–20 एम एम से 25 एम एम तक के लिए कोल्ड टिव्स्टेड रिब्बड टोरस्टील बार्स टेस्टेड का निर्यात करने के लिए जारी किए गए थे। अब उक्त सर्वश्री हिन्दुस्तान स्टील लि०, कलकत्ता ने उपर्युक्त दोनों लाइसंसों की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है, इसके लिए यह आधार दिया है कि कथित मूल निर्यात लाइसेंस खो गए हैं।" गलत जगह पर रख दिए गए हैं। आगे यह कहा गया है कि निर्यात लाइसेंस उपर्युक्त (1) में से उसका आंशिक रूप में 739 एम/टी की सीमा तक उपयोग कर लिया गया है और निर्यात लाइसेंस (2) में से किसी भी अंश तक उपयोग नहीं किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदन ने क्रमश: दो शपथ-पत्र दिनांक 8-6-70 और 4-6-70 जमा किया है। मैं इस बात से संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त दोनों मूल निर्यात लाइसेंस (1) सं० आई एंड ई/3/ई एक्स पी/63/69-70, दिनांक 17-5-69 और (2) संख्या आई एन्ड ई/3ई/एक्स पी/646/69-70, दिनांक 10-10-69 खो गए हैं/गलत जगह पर रख दिए गए हैं और निदेश देता हूँ कि (1) उपर्युक्त निर्यात लाइसेंस के लिए बी एस एस-12 एम एम से 32 एम एम तक के लिए एम एस राउन्ड (टेस्टेड) का 107.839 एम/टी का शेष जिसका उपयोग नहीं किया गया है और (2) उपर्युक्त निर्यात लाइसेंस के लिए माल का 3000 एम/टी की पूरी मात्रा को पूरा करने के लिए इन लाइसेंसों की अनुलिपि प्रतियां आवेदक को जारी की जाएँ। इसलिए, उपर्युक्त मूल निर्यात लाइसेंस जो (1) के लिए जारी किया है, जिसका 739.161 एम/टी तक की मात्रा का आंशिक रूप में उपयोग किया गया है, उसे रद्द किया जाता है तथा मूल निर्यात लाइसेंस जो (2) उपर्युक्त के लिए जारी किया है, जिसकी पूरी मात्रा 3000 एम/टी तक का कुछ भी उपयोग नहीं किया गया है, उसे भी रद्द किया गया जाता है।

[सं० आई एन्ड ई/3/ई/12/69-70/45/एचएसएल/ स्टील]

जे मुखर्जी

उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

NOTICE

New Delhi, the 30th October 1970

S.O. 3638.—Notice under Section 10(1) of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957) read with rules 5 and 15 of the Delhi Development (Master Plan and Zonal Development Plan) Rules, 1959.

Notice is hereby given that:—

1. (a) A draft of the zonal development plan for each of the following zones, namely:—

(1) A-2 (Paharganj area),
(2) A-13 (Kucha Pati Ram),
(3) A-15 (Old Daryaganj area),
(4) A-17 (Farash Khana area),
(5) A-18 (Naya Bans),
(6) A-25 (Chandni Chowk area),
(7) D-6 (Upper Ridge area), and
(8) F-9 (Kalkaji),
F-17 (Madangir)

Has been prepared.

(b) A copy thereof will be available for inspection at the following offices between the hours of 11-00 and 3-00 p.m. on all working days except Saturdays, till the date mentioned in paragraph 3 hereinafter:—

(1) Office of the Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhawan, I.P. Estate, 'D' Block, New Delhi,

(2) Office of the New Delhi Municipal Committee, Town Hall, New Delhi;
(3) Office of the Municipal Corporation of Delhi, Town Hall, Delhi-6; and
(4) Office of the Executive Officer, Delhi Cantt. Board, Delhi Cantt.-10.

2. Objections and suggestions are hereby invited with respect to these draft zonal development plans.

3. Objections or suggestions may be sent in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhawan, 'D' Block, New Delhi by the 6th December, 1970.

4. Any person making an objection or suggestion should also give his name and address.

[No. F.4(23)/70.M.P.]

J. O. G. RUSSELL,
Delhi Development Authority.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सूचना

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर 1970

एस० ओ० 3638—दिल्ली डवैल्पमैंट एक्ट, 1957 (1957 का नं० 61) की धारा 10(1) के अधीन सूचना जो नियम 5 व 15, दिल्ली डवैल्पमैंट मास्टर प्लान एण्ड जोनल डवैल्पमैंट प्लान) रूल्स, 1959 के साथ पढ़ा जाय ।

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि:—

1—(अ) निम्नलिखित जोन्स में प्रत्येक के लिये जोनल डवैल्पमैंट प्लान का ड्राफ्ट:

(1) ए—2 (पहाड़ गंज क्षेत्र)
(2) ए—13 (कूचा पाती राम)
(3) ए—15 (ओल्ड दरियागंज क्षेत्र)
(4) ए—17 (फराश खाना)
(5) ए—18 (नया बांस)
(6) ए—25 (चांदनी चौक क्षेत्र)
(7) डी०—6 (अपररिज एरिया), तथा
(8) एफ—9 (कालकाजी)
एफ—17 (मदनगीर)

बन कर तैयार हो गया है ।

(बी) उसकी एक प्रति निम्नांकित कार्यालयों में सभी कार्यशील दिनांक, शनिवार, के अतिरिक्त, में 11 बजे से अब 3 बजे के बीच निरीक्षण के लिये, आगे प्रकरण 3 में उल्लिखित दिनांक तक प्राप्य है —

(1) कार्यालय, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्र प्रस्था इस्टेट 'डी' ब्लाक, नई दिल्ली ।

(2) कार्यालय, नई दिल्ली नगर पालिका, टाउन हाल नई दिल्ली ।

(3) कार्यालय, दिल्ली नगर निगम, टाउन हाल नई दिल्ली ।

(4) कार्यालय, अधिशासी अधिकारी, दिल्ली कैन्टोनमैंट बोर्ड दिल्ली कैण्ट—10

2—इन ड्राफ्ट जोन डवैल्पमैंट प्लान्स के सम्बन्ध में आपत्तियों व सुझाव आमन्त्रित किये जाते हैं ।

3—आपत्तियां अथवा सुझाव लिखित रूप में सैक्रेटरी दिल्ली विकास प्राधिकरण दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली के पास दिनांक 6-12-70 तक भेजे जा सकते हैं ।

4—कोई भी व्यक्ति जो आपत्ति या सुझाव प्रस्तुत करे उसे अपना नाम व पता भी देना चाहिये ।

[सं० एफ० 4(23)/70 एम० पी०]

जे० ओ० जी० रसिल, अपर सचिव,
दिल्ली विकास प्राधिकरण ।

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1970